CMYK

www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | छत्तीसगढ़ का पहला राष्ट्रीय दैनिक | संपर्क करें : bilaspurdeshbandhu@gmail.com

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

बिलासपुर, सोमवार, 20 नवम्बर 2023 | वर्ष – 33 | अंक –201 | पृष्ठ –12 | मूल्य – 4.00 रु.

एक दूसरे की सुरक्षा के लिए आगे आएं कांग्रेसी पृष्ठ 3

■ कार्यकर्ता के लिए लड़ने वाले नेता दिग्विजय
■ क्यों करें सप्ताह में सत्तर घंटे काम? पृष्ठ 4

■ दक्षिणी गजा में जमीनी कार्रवाई शुरू करेंगे इजरायली सैनिक
■ आपसी विश्वास रूस-चीन के बीच सफल सहयोग का आधार : पुतिन पृष्ठ 9

जोकोविच ने सेमीफाइनल में अल्काराज को हराया पृष्ठ 10

ऑस्ट्रेलिया छठी बार बना विश्व क्रिकेट का सिरमौर

एक दिवसीय विश्व कप स्पर्धा : टीम इंडिया का सपना टूटा, 6 विकेट से मिली हार

अहमदाबाद, 19 नवंबर (एजेंसी)। ट्रेविस हेड की पारी ने भारतीय टीम के इस विश्व कप में विजय अभियान पर ब्रेक लगा दिया। 241 रन के लक्ष्य की पीछा करते हुए 43 ओवर में 4 विकेट खोकर जीत हासिल की। विश्व कप में सौरव गांगुली की तरह विश्व कप फाइनल में खिताब जीतने से रोहित शर्मा चूक गए। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खिताबी जंग एकतरफा साबित हुई। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में सब कुछ अच्छा किया था लेकिन फाइनल में शायद उसका दिन नहीं था.टॉस हारने से लेकर लगभग हर बात भारतीय टीम के खिलाफ गई.पहले बैटिंग करते हुए टीम केवल 240 रन बनाकर आउट हो गई।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीता और पहले गेंदबाजी करने का फैसला कर लिया। भारत की तरफ से कप्तान रोहित शर्मा ने ताबड़तोड़ 47 रन बनाकर टीम को तेज तर्रार शुरुआत दी। लेकिन हिटमैन के विकेट के बाद विराट को छोड़ दें तो टॉप ऑर्डर ताश के पत्तों की तरह बिखर गया। जिसके बाद रनों में मंदी नजर आई।सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल दहाई का आंकड़ा भी नहीं पार कर पाए। इसके अलावा पिछले मैच में सेंचुरी ठोकने वाले श्रेयस अय्यर भी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे। अय्यर महज 4 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। हालांकि, विराट कोहली ने 63 गेंद में 54 रन की पारी खेली, इसके बाद केएल राहुल ने टीम को लड़ाकू स्कोर तक पहुंचाया। राहुल ने 107 गेंद में 66 रन की बेहद धीमी पारी को अंजाम दिया, जिसमें महज एक चौका शामिल था। इन पारियों की बदौलत ब्लू आर्मी जैसे-तैसे 240 रन के आंकड़े तक पहुंची और सारी जिम्मेदारी भारतीय टीम के घातक गेंदबाजी अटैक के कंधो पर आ गई।

■ ट्रेविस हेड ने खेली शतकीय पारी

अनैतिक काम करने वालों से सख्ती से निपटेगी कांग्रेस : दिग्विजय सिंह

■ राजीव रंजन श्रीवास्तव

नई दिल्ली, 19 नवंबर (देशबन्धु)। मध्यप्रदेश का सियासी इतिहास कई तरह की उथल-पुथल

130 से अधिक सीटें लाने का किया दावा

और जोड़-तोड़ का साक्षी तो रहा है, लेकिन इस बार मध्यप्रदेश के चुनावों में हिंसा का जोर देखने मिला। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह का कहना है कि इसके लिए भाजपा जिम्मेदार है, जिसके संरक्षण में अनैतिक कार्य करने वालों को प्रश्रय मिला। मध्यप्रदेश में राजनगर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के पूर्व पार्षद सलमान खान की हत्या 17 नवंबर को मतदान से पहले की गई थी। इसका इल्जाम भाजपा के कार्यकर्ताओं और प्रत्याशी पर लगा है। मृतक सलमान के परिजन इंसाफ की मांग करते हुए खजुराहो थाने के सामने बैठ गए और उनका साथ देने दिग्विजय सिंह भी पहुंच गए। 18 तारीख से लेकर 19 तारीख तक 24 घंटों से अधिक वक्त तक मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा राज्यसभा सांसद धरने पर बैठे रहे। जब पुलिस अधीक्षक ने शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया, तब जाकर रविवार की शाम को ये धरना समाप्त हुआ। सलमान खान के परिजन अब उनके अंतिम संस्कार के लिए तैयार हो गए हैं। हालांकि दिग्विजय सिंह ने चेतावनी दी है कि अगर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो पुन: आंदोलन किया जाएगा।

दिग्विजय सिंह जब धरने पर बैठे थे, इस दौरान देशबन्धु डीबी लाइव के लिए प्रधान संपादक राजीव रंजन श्रीवास्तव ने उनसे विशेष बातचीत की और मध्यप्रदेश में चुनाव में हिंसा से लेकर सरकार की चोरी होने से बचाने तक कई मुद्दों पर चर्चा हुई। दिग्विजय सिंह का कहना है कि मध्यप्रदेश में इस बार कांग्रेस 130 सीटों से अधिक पर जीत दर्ज करने जा रही है और पांच साल काम करने का मौका मिलने पर श्री कमलनाथ अवैध और अनैतिक कार्य करने वालों से सख्ती से निपटेंगे। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में ही नहीं, आने वाले लोकसभा चुनावों में भी कांग्रेस मजबूती से प्रदर्शन करने जा रही है।

यहां पेश है उनसे बातचीत के खास अंश

प्र.- मध्यप्रदेश में चुनावी हिंसा का इतिहास नहीं रहा है, फिर क्या कारण है कि इस बार चुनावों में इस तरह की हिंसा हुई कि किसी कांग्रेस कार्यकर्ता की जान तक चली गई

उ.- पिछले 20 सालों में भारतीय जनता पार्टी ने एक ऐसा कैडर तैयार कर रखा है, जो सारे अवैध धंधों में लगा हुआ है। चाहे अवैध रेत खनन हो, शराब हो, सट्टा हो, थाना और तहसील या पंचायत की दलाली हो। इन्होंने करोड़ों रूपए कमाए और जो लोग इन अनैतिक धंधों में रहे, उनमें से कई भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़े। ये लोग सोचते हैं कि यहां के जो गरीब लोग हैं, उनको शराब पिलाकर वोट ले लेंगे। राजनगर विधानसभा का भी यही हाल है। यहां के भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटेरिया, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा के खास शिष्य हैं। इनको छतरपुर का मुख्यमंत्री कहा जाता है। यहां के थानेदार, बीडीओ, पटवारी वगैरह सब इनके सिस्टम से काम करते रहे। हमारे कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम सिंह यानी नाती राजा ने पिछले महीनों में चुनाव आयोग को अनेक पत्र लिखे कि ये अधिकारी-कर्मचारी 3-3 5-5 सालों

➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

नितिन गडकरी की विशेषज्ञों के साथ बैठक

उत्तरकाशी सुरंग में फिर ड्रिलिंग शुरू

उत्तरकाशी, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में सुरंग धंसने से 8 दिन से 41 मजदूर फंसे हैं। सिलक्यारा की ओर से बंद पड़ी ड्रिलिंग रविवार शाम को 50 घंटे बाद फिर से शुरू हो गई है। यहां से खाना अंदर भेजने के लिए एक और छोटा पाइप ड्रिल किया जा रहा है। अब ड्रिलिंग में आ रही रुकावट का पता लगाने के लिए रोबोट की भी मदद ली जाएगी।

■ सुरंग में रुकावट का पता लगाएगा रोबोट

पुणे और हॉलैंड से मशीनें मंगाई

इससे पहले रविवार को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने उत्तरकाशी में विशेषज्ञों के साथ बैठक की और सुरंग के अंदर जाकर बचाव अभियान भी देखा। उन्होंने अंदर फंसे लोगों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें आश्वासन दिया। अंदर फंसे मजदूरों को मल्टी विटामिन, ड्राई फ्रूट्स और एंट्री डिप्रेशन दवाएं दी जा रही हैं। अच्छी बात यह है कि सुरंग के अंदर जहां मजदूर फंसे हैं, वहां बिजली सप्लाई है। इधर, सिल्कयारा सुरंग में ऊपरी सतह से ड्रिलिंग की जानी है। इसके लिए पुणे और हॉलैंड से मशीनें मंगाई गई हैं। ये मशीन चिल्यानीसौड़ हवाई पट्टी पर एयरलिफ्ट करके लाई जाएगी। यह सिल्कयारा से 50 किलोमीटर दूर है। वहीं, सुरंग को सुरक्षित करने के लिए रेलवे ने रविवार सुबह एक और मशीन ऋषिकेश से मंगवाई है। यह टनल में मलबा गिरने से रोकने का काम करेगी।

विश्वकप में सुरक्षा में चूक

'फ्री फिलिस्तीन' लिखी टी-शर्ट पहनकर मैदान में घुसा युवक

अहमदाबाद, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के दौरान सुरक्षा में चूक देखी गई, जब 'फ्री फिलिस्तीन' लिखी टी-शर्ट पहने एक व्यक्ति मैदान में घुस गया। भारत की पारी के चौदह ओवरों के दौरान कई युवा अप्रत्याशित रूप से पिच पर आ गए और विराट कोहली को गले लगा लिया। अहमदाबाद की अपराध शाखा सहित सुरक्षा बलों ने तुरंत हस्तक्षेप किया, घुसपैठिए को पकड़ लिया और स्टेडियम से हटा दिया। घटना के बाद खुद को ऑस्ट्रेलिया का जॉन बताने वाले व्यक्ति को चांदखेड़ा पुलिस स्टेशन ले जाया गया। हिरासत में रहते हुए उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनका प्राथमिक मकसद कोहली से मिलना और फिलिस्तीन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करना था।

■ घुसपैठिए ने कोहली को गले लगाया

सार संक्षेप

खड़गे, सोनिया ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी ने रविवार सुबह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 106वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। श्री खड़गे तथा कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल तथा अन्य नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री की समाधि शक्ति स्थल जाकर उन्हें पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस ने अपने आधिकारिक पेज पर ट्वीट कर कहा 'शक्ति, साहस और कुशल नेतृत्व की मिसाल रहीं भारत की आयरन लेडी इंदिरा गांधी जी को आज पूरा देश याद कर रहा है।

हैदराबाद अग्निकांड में मरने वालों की संख्या 10 हुई

हैदराबाद। हैदराबाद के एक अपार्टमेंट परिसर में 13 नवंबर को लगी आग की घटना में मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। पुलिस ने बिल्डिंग के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है। नामपल्ली पुलिस ने घटना के लगभग एक सप्ताह बाद बाजारघाट में बालाजी रेजीडेंसी के मालिक रमेश कुमा जायसवाल को गिरफ्तार किया। चार मंजिला इमारत के स्टिल्ट फ्लोर में रखे केमिकल ड्रमों में आग लग गई थी, जिसके कारण यह भीषण हादसा हुआ।

तेलंगाना में जब्ती का आंकड़ा 625 करोड़ तक पहुंचा

हैदराबाद। विधानसभा चुनाव होने से 10 दिन पहले तक जब्त की गई नकदी, सोना, शराब और मुफ्त वस्तुओं का मूल्य 625 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। प्रवर्तन एजेंसियों ने पिछले 24 घंटों के दौरान 22.46 करोड़ रुपए की नकदी, कीमती धातु, शराब और अन्य सामान जब्त किया, जिससे कुल आंकड़ा 6,25,79,47,333 रुपए हो गया। 2018 के चुनावों में नकदी, शराब और अन्य वस्तुओं की कुल जब्ती केवल 103.89 करोड़ रुपए थी।

मोदी ने कांग्रेस को आपसी गुटबाजी पर घेरा

एक-दूसरे को रन आउट करते रहे कांग्रेस नेता

चूरू, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को राजस्थान में चुनाव प्रचार के दौरान क्रिकेट के मूड में दिखे। उन्होंने चूरू के तारानगर और झुंझुनूं में कहा कि कांग्रेस वाले एक-दूसरे को रनआउट करने में लगे हैं। जो बचे हैं, वे महिलाओं और अन्य मुद्दों पर गलत बयान देकर हिट विकेट हुए जा रहे हैं। बाकी जो हैं, वे पैसे लेकर, रिश्वत लेकर मैच फिक्सिंग कर लेते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब इनकी टीम ही इतनी खराब है, तो ये क्या रन बनाएंगे और आपका क्या काम करेंगे। हमें हर मतदान केंद्र पर पांच से सात सतक लगाने हैं। मोदी ने कहा कि कांग्रेस के राज में इस भूमि पर ईश्वर का नाम लेना भी मुश्किल हो गया है। एक तरफ भाजपा है, जो करतारपुर साहब कॉरिडोर बनवाती है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस अपने राज में यहां शोभा यात्रा तक निकलने नहीं देती है। वह देवी-देवताओं की शोभा यात्रा पर रोक लगाती है, लेकिन आतंकी संगठन पीएफआई की रैली को बढ़ावा देती है।

भाजपा सभी भ्रष्टाचारियों को आउट करेगी

कांग्रेस ने भ्रष्टाचार फैलाया है। भाजपा सरकार आएगी तो सभी भ्रष्टाचारियों को आउट कर देंगे और भाजपा विकास का स्कोर तेजी से बनाएगी। जीत राजस्थान की होगी, जीत किसान, महिलाओं, युवाओं के भविष्य की होगी। आज भारत हर क्षेत्र में विकास कर रहा है। चंद्रयान चांद पर पहुंचा। कोरोना का देसी टीका बनाया। कांग्रेस और विकास एक-दूसरे के दुश्मन हैं, इसलिए विकास चाहिए तो कांग्रेस को जितना दूर रखें, उतना अच्छा है। राजस्थान भी इसमें बड़ी भूमिका निभाएगा।

अडानी का नहीं, भारत मां वाला हिंदुस्तान चाहिए : राहुल

राजस्थान में कांग्रेस नेता बोले, देश को बदलने का समय आ गया है, मोदी ने अरबपतियों का कर्जा माफ किया

बूंदी, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान के बूंदी में आज कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक जनसभा को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि हमें अडानी वाला हिंदुस्तान नहीं चाहिए, भारत मां वाला हिंदुस्तान चाहिए। देश को बदलने का समय आ गया है। नरेंद्र मोदी कहें 'अडानी जी की जय' क्योंकि वे उसके लिए ही काम करते हैं। भारतवासी तो 'भारत माता की जय कहेंगे'। एक भी उद्योगपति दलित या आदिवासी नहीं। हमें ऐसा हिंदुस्तान चाहिए, जिसमें पिछड़ों, दलितों, आदिवासियों की इज्जत हो।

राजस्थान की गहलोत सरकार ने 7 गारंटी दी हैं, लेकिन यह मोदी वाली गारंटी नहीं है। थाली बजाओ, फोन की लाइट ऑन करो। कोरोना से लाखों लोग मरे, मोदी ने सभी को नचवा दिया। कोविड फैला और गरीब लोग मर गए।

मित्रों को 14 लाख करोड़ का तोहफा दिया

नरेंद्र मोदी ने हिंदुस्तान के अरबपतियों का 14 लाख करोड़ का कर्जा माफ किया। उसमें एक दलित नहीं, आदिवासी कोई नहीं। मतलब उसमें हिंदुस्तान की 80 प्रतिशत आबादी का कोई नहीं। इन्होंने अपने मित्रों को 14 लाख करोड़ का तोहफा दिया और आप लोग देखते रह गए। केवल 20-25 लोगों को यह पैसा दिया गया। दलितों, आदिवासियों से उनके सामने ही चोरी की गई और आपको पता तक नहीं लगा।

जाति जनगणना नहीं करा सकते मोदी

कुछ भी हो जाए नरेंद्र मोदी जाति जनगणना नहीं करा सकते है। जाति जनगणना केवल राहुल गांधी और कांग्रेस कर सकती है। जिस दिन जाति जनगणना हो गई और जिस दिन आदिवासी, दलितों को ये जनगणना की बात समझ आ गई। उस दिन ये देश बदल जाएगा।

दिल्ली में प्रदूषण हुआ कुछ कम ट्रकों के प्रवेश पर से रोक हटाई गई

नई दिल्ली, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। दिल्ली में पिछले दो दिनों से प्रदूषण के स्तर में गिरावट आई है। रविवार सुबह 7 बजे, शहर का एवरेज एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 290 था। जबकि शनिवार को 319, शुक्रवार को 405 और गुरुवार को 419 रिकॉर्ड किया गया था। प्रदूषण कम होता देख 14 दिन बाद दिल्ली से ग्रेप-4 (ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान) हटा दिया गया है। बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए इसे 5 नवंबर को लागू किया गया था। अब शहरों में कंस्ट्रक्शन वर्क और ट्रकों की एंट्री पर रोक हट गई है। उधर सोमवार से दिल्ली में स्कूलों को फिर से खोला जा रहा है। प्रदूषण के चलते सरकार ने 8 नवंबर को स्कूलों में 10 दिन के विंटर वेकेशन की घोषणा कर दी थी।

■ आज से राजधानी में स्कूल खुलेंगे

दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर कम होता देख दिल्ली के पर्यावरण मंत्री और आप नेता गोपाल राय ने कहा- पिछले दो दिनों में दिल्ली में प्रदूषण के स्तर में सुधार हुआ है। ग्रैप 4 प्रतिबंध हटा दिए गए हैं, लेकिन मैं दिल्ली के लोगों से सतर्क रहने का अनुरोध करता हूं। ट्रकों की एंट्री पर प्रतिबंध हटा दिया गया है।

आस्था का महापर्व छठ : नदी-तालाबों पर उमड़ा आस्था का सैलाब, व्रतियों ने डूबते सूर्य को दिया अर्घ्य

मणिपुर में इंटरनेट पर प्रतिबंध 23 तक बढ़ा

इंफाल, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। मणिपुर सरकार ने राज्य की अस्थिर हालात को देखते हुए शनिवार को मोबाइल इंटरनेट सेवा पर प्रतिबंध को और अगले पांच दिनों के लिए यानी 23 नवंबर तक बढ़ा दिया है। एक अधिकारी ने कहा कि असामाजिक तत्वों को भ्रामक संदेशों, फोटो और वीडियो फैलाने से रोकने के लिए एक निवारक उपाय के रूप में मोबाइल इंटरनेट पर प्रतिबंध बढ़ाया गया है। मणिपुर में मोबाइल इंटरनेट पर पहली बार 200 दिन पहले प्रतिबंध लगाया गया था, जब 3 मई को मणिपुर में गैर-आदिवासी मैतेई और आदिवासी कुकी-जो समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़क उठी थी। तब से हर पांच दिन बाद प्रतिबंध बढ़ाया जाता रहा है।

■ 7 दिन पहले लगाया गया था प्रतिबंध
■ हर 5 दिन बाद प्रतिबंध बढ़ाया जाता रहा

विधानसभा चुनाव | महिलाओं के लिए घोषणा का दिखा असर

50 विधानसभा क्षेत्रों में महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में किया ज्यादा मतदान

रायपुर, 19 नवंबर (देशबन्धु)। छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन 2023 में अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले कुल महिला मतदाताओं की संख्या अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले कुल पुरुष मतदाताओं की संख्या से अधिक है। छत्तीसगढ़ की 9 विधानसभा क्षेत्रों में से 5 विधानसभा क्षेत्रों में पुरुषों की तुलना में महिलाओं ने ज्यादा मतदान किया है।

इस बार विधानसभा चुनाव में भाजपा के संकल्प पत्र में प्रत्येक महिला को सालाना 12000 रूपए तथा कांग्रेस के घोषणा पत्र में महिलाओं को सालाना 15000 रूपए देने का वायदा किया गया था, जिसके चलते, छत्तीसगढ़ विधानसभा निर्वाचन 2023 अंतर्गत 7 और 17 नवंबर को हुए दो चरणों में मतदान के आंकड़ों के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि अपने मताधिकार का प्रयोग करने में महिलाओं की सहभागिता

और जागरूकता पुरुषों से कम नहीं है।छत्तीसगढ़ की 90 विधानसभा क्षेत्रों में से 50 विधानसभा क्षेत्रों मे अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाली महिलाओं की संख्या अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले पुरुषों की संख्या से कहीं अधिक है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार भरतपुर-सोनहत, प्रतापपुर, रामानुजगंज, सामरी, लुण्ड्रा, अंबिकापुर, सीतापुर, जशपुर, कुनकुरी, पत्थलगांव, लैलूंगा, सारंगढ़, खरसिया, धर्मजयगढ़, रामपुर, पालीतानाखार, जैजैपुर, मरवाही, सरायपाली, बसना, खल्लारी, महासमुंद, बिलाईगढ़, राजिम, बिंद्रानवागढ़, सिहावा, डोंडीलोहारा, गुंडरदेही, संजारी-बालोद, धमतरी, दुर्ग शहर, पंडरिया, कवर्धा, खैरागढ़, डोंगरगढ़, राजनांदगांव, डोंगरगांव, खुज्जी, मोहलामानपुर, भानुप्रतापपुर, कांकेर, केशकाल, कोंडागांव, नारायणपुर, बस्तर, जगदलपुर,

➤➤ शेष पृष्ठ 2 पर ➤

मधुमेह रोगियों के लिए इंजेक्शन योग्य ग्लूकोज मॉनिटर बनाने पर काम कर रहे हैं शोधकर्ता

न्यूयॉर्क, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। अमेरिका में टेक्सास एएंडएम विश्वविद्यालय के शोधकर्ता पूरी तरह से इंजेक्टेबल निरंतर ग्लूकोज मॉनिटर (सीजीएम) बनाने पर काम कर रहे हैं। वह इतना छोटा है कि यह चावल के एक दाने को टक्कर दे सकता है। शुगर के स्तर को मापने के लिए बाहरी ऑप्टिकल रीडर के साथ इसका उपयोग किया जा सकता है। विश्वविद्यालय में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के दो फैकल्टी मेंबर को एक इंजेक्शन, चावल के दाने के आकार के ग्लूकोज बायोसेंसर और पहनने योग्य उपकरण विकसित करने के लिए राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन (एनएसएफ) अनुदान प्राप्त हुआ है। सह प्रमुख अन्वेषक और रीजेंट्स प्रोफेसर डॉ. जेरार्ड कोटे ने कहा, 'सतत ग्लूकोज मॉनिटर व्यावसायिक रूप से उपलब्ध हैं, लेकिन उनमें से अधिकतर अंतर्निहित हैं, जिसका अर्थ है कि बांह पर एक पैच से जुड़ी त्वचा में एक सुई होती है। उन्होंने कहा, एक सीजीएम है जो पूरी तरह से प्रत्यारोपित किया जा सकता है। इसे चीरा लगाकर शल्य चिकित्सा द्वारा प्रत्यारोपित करने के लिए डॉक्टर की आवश्यकता होती है। कोटे और उनकी लैब इंजेक्टेड सेंसर की केमिस्ट्री डिजाइन कर रहे हैं और वॉच-टाइप रीडर डिवाइस विकसित कर रहे हैं। सेंसर को त्वचा के नीचे लगाया जाता है और ग्लूकोज एकाग्रता निर्धारित करने के लिए घड़ी जैसी डिवाइस से प्रकाश का उपयोग करके विश्लेषण किया जाता है। रीडर सेल फोन पर सिग्नल भेजता है और मरीज अपने स्वास्थ्य प्रदाता के साथ परिणाम साझा कर सकता है। कोटे ने समझाया, 'इंजेक्टेबल सेंसर में रासायनिक परख का उपयोग टिश्यू के भीतर ग्लूकोज की एकाग्रता को निर्धारित करने के लिए किया जाता है, जहां घड़ी उपकरण प्रकाश भेजती है।' सेंसर और पहनने योग्य रीडर एक ऑप्टिकल सेंसिंग तकनीक का उपयोग करते हैं, जो गहरे रंग की त्वचा वाली आबादी के लिए बायोसेंसिंग से जुड़ी चुनौतियों का समाधान करती है। कोटे ने कहा, हम ऐसे रसायन का उपयोग करते हैं, जिसमें एक फ्लोरोसेंट रंग होता है जो हरी रोशनी के बजाय लाल और अवरक्त रेंज

बच्चों में बढ़ रहा है टाइप 2 मधुमेह का खतरा

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) के चिकित्सा विशेषज्ञों के मुताबिक अधिक से अधिक बच्चे टाइप 2 मधुमेह का शिकार हो रहे हैं। केजीएमयू के मेडिसिन विभाग के वरिष्ठ फैकल्टी मेंबर कौसर उस्मान ने कहा, 'जिस सबसे छोटे बच्चे में मैंने मधुमेह का निदान और उपचार किया है, वह कक्षा 7 का छात्र था, जिसके परिवार में मधुमेह का कोई इतिहास नहीं था। ऐसे बच्चों की संख्या में वृद्धि हुई है। बिना किसी पारिवारिक इतिहास के ओपीडी में मधुमेह का निदान किया जा रहा है।' डॉक्टरों का कहना है कि इसके लिए आनुवांशिकी से ज्यादा बदलती आदतों/जीवनशैली को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। केजीएमयू के फिजियोलॉजी विभागाध्यक्ष एनएस वर्मा ने कहा, 'बच्चे अब ज्यादातर घर से बाहर का खाना खाने लगे हैं और यहां तक कि स्कूल में टिफिन लाने से भी बचते हैं। व्यस्त माता-पिता भी टिफिन के बजाय पैसे देते हैं। इसके अलावा उन पर अच्छा प्रदर्शन करने का काफी दबाव है। इसका उद्देश्य कक्षा 4 या 5 से ही चिकित्सा या इंजीनियरिंग जैसे पेशे पर निर्णय लेना है। हमारे समय में यह सारा दबाव कक्षा 10 के बाद ही आता था। 'डॉक्टरों का कहना है कि बच्चों को डायबिटीज होना समाज के लिए बड़ी समस्या है। उस्मान ने कहा, 'सबसे पहले, यदि कोई अन्य मधुमेह रोगी नहीं था, तो मधुमेह के लिए पारिवारिक इतिहास शुरू होता है और दूसरी बात यह है कि यह रोग 17 वर्ष से 40 वर्ष के बीच व्यक्ति को प्रभावित करता है।' प्रोफेसर वर्मा ने कहा, आईसीएमआर के आंकड़ों पर गौर करें तो उत्तर प्रदेश में 18 प्रतिशत आबादी, चाहे वह किसी भी उम्र की हो, उसे मधुमेह का खतरा है। आईसीएमआर के अध्ययन के अनुसार वे प्री डायबिटीज श्रेणी में आते हैं। वे अभी भी मधुमेह को होने से रोक सकते हैं, लेकिन इसके लिए उनकी जीवनशैली और खान-पान में बदलाव की जरूरत है। उन्होंने रोजाना कम से कम 40 मिनट तक व्यायाम करने, एक डाइट चार्ट बनाए रखने और वह खाने का सुझाव दिया जो आपके शरीर के लिए सबसे उपयुक्त हो।

बिहार में सूर्योपासना के महापर्व कार्तिक छठ पर डूबते सूर्य को अर्घ्य

■ बिहार के सारण जिला छपरा थाना जलालपुर भटकेशरी गांव के पोखरा छठ घाट सूर्य को अर्घ्य अर्पित के व्रतधारी

पटना, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। बिहार में सूर्योपासना के महापर्व कार्तिक छठ के अवसर पर आज व्रतधारियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को नदी और तालाब में खड़े होकर प्रथम अर्घ्य अर्पित किया। गंगा नदी में हजारों महिला और पुरुष व्रतधारियों ने डूबते सूर्य को अर्घ्य अर्पित किये। इस अवसर पर लाखों लोगों ने पवित्र गंगा नदी में स्नान भी किया। आज दोपहर बाद से ही गंगा नदी की ओर जाने वाले सभी मार्ग छठ व्रत एवं सूर्य आराधना के भक्तिपूर्ण एवं कर्णप्रिय गीतों से गुंजायमान थे। 'केलवा जे फरेला घवद से, ओह पर सुगा मेड़राय, आदित लिहो मोर अरगिया., दरस देखाव ए दीनानाथ., उगी हैं सुरुजदेव., हे छठी मइया तोहर महिमा अपार., कांच ही बास के बहंगिया बहंगी लचकत जाय ..... , गीत सुनने को मिल रहे हैं। पटना जिला प्रशासन ने गंगा नदी के घाटों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये हैं। छठ घाटों पर वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाया गया है। इसके लिए ट्रैफिक प्लान बना कर आम लोगों के बीच प्रचारित प्रसारित किया जा रहा है। छठ को लेकर नदियों में निजी नावों के परिचालन पर रोक लगाया गया है तथा नदी घाट पर राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम को एक्टिव मोड में रहने का निर्देश दिया है। घाटों पर विधि व्यवस्था संधारण तथा शांतिपूर्ण पूजा के आयोजन हेतु पर्याप्त संख्या में दंडाधिकारी पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की गयी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यहां एक अणे मार्ग स्थित आवास पर अस्ताचलगामी सूर्य को प्रथम अघ्र्य अर्पित किया और प्रदेश की सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर बिहारवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह आत्मानुशासन का पर्व है। लोग शुद्ध अन्त:करण एवं निर्मल मन से अस्ताचल और उदीयमान भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। भगवान भास्कर से वह राज्य में प्रगति, सुख, समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना करते हैं। बिहार के औरंगाबाद जिले के ऐतिहासिक तथा धार्मिक स्थल देव के पवित्र सूर्य कुंड में लगभग 10 से 11 लाख व्रतधारियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया गया। इस अवसर पर अत्यन्त आकर्षक ढंग से सजाये गये देव के त्रेतायुगीन सूर्य मंदिर में आज सुबह से ही भगवान भाष्कर के दर्शन के लिए व्रतधारियों तथा श्रद्धालुओं की लंबी कतार लगी हुई थी। इस दौरान देश के विभिन्न प्रांतों तथा बिहार के कोने-कोने से आये लाखों श्रद्धालुओं और व्रतधारियों द्वारा गाये जा रहे कर्णप्रिय छठी मईया के गीतों से पूरा वातावरण गुंजायमान था । छठ मेला में आनेवाले श्रद्धालुओं तथा व्रतधारियों के लिए जिला प्रशासन की ओर से पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य, यातायात, सफाई आदि के प्रबंध किये गये हैं और मेला में विधि-व्यवस्था बनाये रखने के लिए जगह-जगह दंडाधिकारियों के नेतृत्व में सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती की गयी है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

अनैतिक काम करने वालों से ...

से यहां जमा हैं और नियम कानून से काम नहीं कर रहे, बल्कि भाजपा कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहे हैं। लेकिन माननीय चुनाव आयोग ने इसका संज्ञान नहीं लिया। हालत ये है कि यहां के एक टीआई की गाड़ी में भाजपा का प्रचार होता रहा, शराब बंटती रही। 16-17 नवंबर को भी ऐसा ही हो रहा था, तभी हमारे कांग्रेस उम्मीदवार से उनका आमना-सामना हो गया। दोनों दलों के काफिले आमने-सामने हो गए। सड़क पर कुछ जानवर थे, नाती राजा ने कहा कि आप निकल जाइए, लेकिन निकलने की बजाए उन्होंने उनके ऊपर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। सलमान ने नाती राजा को तो धक्का देकरगाड़ी में बिठा दिया और खुद जब बैठने की कोशिश में था, तो इन लोगों ने उसके ऊपर गाड़ी चढ़ा दी और उसको रौंदते हुए कम से कम 15 -20 गाड़ियां निकल गईं। इसको हादसा नहीं कहा जा सकता, ये जानबूझकर की गई हत्या थी। क्योंकि उन गाड़ियों में शराब, हथियार और पैसा सभी थे। हमें

संतोष इस बात का है कि जिला प्रशासन ने हत्या की धारा लगाकर मामला दर्ज किया है, अरविंद पटेरिया को भी आरोपी बनाया है। लेकिन 24 घंटे से अधिक वक्त बीतने के बाद भी गाड़ियां जब्त नहीं हुईं। इसलिए हमें धरने पर बैठना पड़ा। पीड़ित परिवार का कहना साफ है कि हमारे पार्षद सलमान को नहीं दफनाएंगे, जब तक कार्रवाई न हो। इसलिए मैंने तय किया कि पीड़ित परिवार की संतुष्टि तक थाने के सामने धरने पर बैठे रहें।

प्र.-आप लोगों की मुख्य मांग क्या है, आप किस तरह इस मामले पर कार्रवाई चाहते हैं।

उ.- हम चाहते हैं कि सख्त कार्रवाई हो। पुलिस प्रशासन का कहना है कि विशेष जांच टीम लगाई गई है। वो कार्रवाई का आश्वासन दे रहे हैं। लेकिन पीड़ित परिवार का एक ही बेटा बचा है, जिस पर अब पूरा परिवार आश्रित है, तो परिवार की मांग है कि उसे सरकार शासकीय नौकरी दे और इनके साथ जल्द से जल्द इंसाफ हो।

प्र.-चुनाव से पहले अक्सर विरोधी दल एक-दूसरे पर धांधली के आरोप लगाते हैं, ऐसे में चुनाव आयोग का रवैया क्या रहा है

उ.-चुनाव आयोग में अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ हमारी लगभग एक हजार शिकायतें थी, अगर माननीय आयोग ने इन शिकायतों का संज्ञान लिया होता और कार्रवाई की होती तो आज ये नौबत ही नहीं आती। खुलेआम भाजपा नेताओं के प्रतिनिधियों ने चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश की। लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

प्र.- हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान की चुनावी रैली में लोगों से कहा कि कमल का बटन दबाना तो ऐसा समझना मानो भ्रष्टाचारियों को फांसी दे रहे हो, इस तरह उकसाने वाला बयान पर आपकी क्या प्रतिक्रिया है

उ.- प्रधानमंत्री का तो ऐसा लगता है कि उनके ऊपर न कोई संविधान है न नियम न कानून। निर्वाचन आयोग ने मान लिया है कि मोदी खुदा हैं, उन्हें नोटिस नहीं दिया जा सकता। हमारे गृह मंत्री अमित शाह ने भी मध्यप्रदेश में कमल का साथ न देने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को सबक सिखाने की बात कही थी। जब प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ऐसी बात करें तो ये सरासर हिंसा को निमंत्रण देना है। दुखद ये है कि चुनाव आयोग उन्हें नोटिस तक नहीं दे रहा। फिर क्या उम्मीद करें।

प्र. - मतदान समाप्त होने के बाद 3 तारीख का इंतजार है, जब नतीजे आएंगे। लेकिन एक लंबा वक्त इस दौरान बिताना है, इसमें ईवीएम की सुरक्षा कैसी होगी

उ.- ईवीएम की निगरानी को लेकर हम पूरी तरह से सजग हैं। पूरी एहतियात बरती जा रही है। हालांकि खबर मिली है कि शिवपुरी के एक इलाके में क्रबिस्तान में बुलेरो मिली, जिसमें ईवीएम मिली। अब आप बताइए कब्रिस्तान में बुलेरो का क्या काम। इसी तरह एक ओवरलोडेड आटो रिक्शा में ईवीएम ले जाई जा रही थी। चुनाव आयोग का काम है इसको देखे, लेकिन इनसे कोई उम्मीद नहीं है। लेकिन कांग्रेस सजग है।

प्र.- कांग्रेस को जीत तो पिछले बार भी मिली थी, इस बार भी आपने काफी मेहनत की है। लेकिन 15 महीनों में ही पिछली सरकार चोरी कर ली गई थी इस बार आप लोग कैसे सजग हैं, रणनीति क्या है

उ.- कांग्रेस की जीत के लिए हम सबने मेहनत की है। कमलनाथ जी ने और बाकी सभी कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने काफी मेहनत की है। मैंने तो अपना फर्ज ही निभाया है। लेकिन इस बार खरीद-फरोख्त की संभावनाएं कम हैं।

प्र. -तीन तारीख को कितनी सीटें आ रही हैं

उ.- मैंने पहले भी कहा है और मैं फिर से आपसे कह रहा हूं कि इस बार हम 130 से अधिक सीटें ला रहे हैं।

प्र.- आपने पहले मध्यप्रदेश में नर्मदा यात्रा की, जिसका लाभ पिछले चुनाव में मिला। फिर भारत जोड़ो यात्रा में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, और फिर से भारत जोड़ो यात्रा की तैयारी है। इन यात्राओं से कितना फायदा मिला

उ. - नर्मदा यात्रा पूरी तरह से आध्यात्मिक यात्रा थी। इसे राजनीति से जोड़ना ठीक नहीं है। भारत जोड़ो यात्रा में हम राहुल जी के साथ थे। मध्यप्रदेश में उनका बड़े पैमाने पर स्वागत हुआ, आम जनता ने राहुल जी को निकट से देखा, उन्हें समझा। और मैं समझता हूं कि उसी की वजह से धर्म के नाम पर नफरत फैलाने का असर नहीं हो रहा।

प्र.- 2018 के चुनावों में विधानसभा चुनाव जीतने के बावजूद लोकसभा में हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन इस बार मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस कितनी मजबूती से तैयार है -

उ.- जैसी मेहनत और तैयारी से विधानसभा चुनाव हमने लड़ा, वैसी ही तैयारी लोकसभा की रहेगी। और केवल मध्यप्रदेश ही नहीं, पूरे देश में हम मजबूती से लड़ेंगे।

प्र. चुनाव में होने वाली हिंसा को कैसे रोकेंगे-

उ.- हिंसा केवल खजुराहो में नहीं हुई, रहेली, अटेर, शिवपुरी, कई इलाकों में ऐसी घटनाएं हुई हैं। भाजपा ने जिन गुंडों को पाला है, जो अवैध काम करेगा, उसके खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। मध्यप्रदेश के लोग हमें पांच साल काम करने का मौका देंगे तो कमलनाथ जी के नेतृत्व में अनैतिक काम करने वालों पर सख्ती की जाएगी। सफाई की जाएगी।

50 विधानसभा क्षेत्रों में ...

चित्रकोट,दंतेवाड़ा, बीजापुर और कोंटा विधानसभा क्षेत्रों में मतदान केंद्रों में आकर वोट डालने वाले महिला मतदाताओं की संख्या वोट डालने वाले पुरुष मतदाताओं की तुलना में अधिक है।

छत्तीसगढ़ में दो चरणों में हुए मतदान में कुल 1 करोड़ 55 लाख 61 हजार 460 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया जिसमे 77 लाख 48 हजार 612 पुरुष मतदाता और 78 लाख 12 हजार 631 महिला मतदाता शामिल हैं। इस प्रकार विधानसभा निर्वाचन 2023 में अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाली महिला मतदाताओं की कुल संख्या भी वोट डालने वाले पुरुष मतदाताओं की कुल संख्या से अधिक है।

मौसम की मार के कारण यूपी की शान 'आम' का स्वाद पहले जैसा नहीं रहा

लखनऊ, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। जलवायु परिवर्तन दुनिया भर में मौसम की स्थिति को प्रभावित कर रहा है। इससे प्राकृतिक आपदाएं भी सामने आ रही हैं। यहां तक कि खाने के स्वाद पर भी इसका असर पड़ रहा है। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में, भले ही यह सुनने में आपको अजीब लगे। सर्दियां कभी-कभी सामान्य से अधिक और कभी-कभी बहुत कम ठंडी होती हैं। गर्मियां गर्म हैं, लेकिन हवाएं, जिन्हें स्थानीय भाषा में 'लू' कहा जाता है, गायब हैं। मानसून के समय से पहले और बाद में बारिश आती-जाती रहती है और वसंत की शुरुआत भी चिंताजनक रूप से बदलती रहती है।

मौसम का यह अनियमित पैटर्न उन खाद्य पदार्थों को प्रभावित कर रहा है जो प्राकृतिक रूप से उत्पादित होते हैं और जो मानव निर्मित भी हैं। उदाहरण के लिए, 'उत्तर प्रदेश की शान' कहा जाने वाला 'आम' धीरे-धीरे अपना स्वाद खोता जा रहा है। खराब मौसम और बेमौसम बारिश के कारण फलों के राजा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। मैंगो ग्रोअर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष इंसराम अली कहते हैं, फरवरी और मार्च में अप्रत्याशित तूफान आम की फसल के लिए विनाशकारी साबित होते हैं। यह उनके फूलों का मौसम होता है। फूल, जिन्हें 'बौर' के नाम से जाना जाता है, तेज हवा और बारिश के कारण गिर जाते हैं। आम उत्पादकों का मानना है कि मई की गर्म हवाएं फल में मिठास लाती हैं। वे इसे प्राकृतिक रूप से पकाने में मदद करती हैं। अब गर्मियां गर्म रहती हैं, लेकिन लू वाली हवाएं नहीं चलती और इससे आम का स्वाद खत्म हो रहा है। 'एक और स्थानीय फल, जो मौसम परिवर्तन के कारण लगभग लुप्त हो गया है, वह है 'फूट', एक फल जो खरबूजे परिवार से संबंधित है और इसे स्नैप तरबूज के रूप में भी जाना जाता है।

'फूट' एक ग्रीष्मकालीन व्यंजन है, जो गर्मियों में नदियों के रेतीले तटों पर उगाया जाता था। जब मैदानी इलाकों में गर्म हवाएं चलती थी, तब पक जाता था। पिछले एक दशक से, स्नैप तरबूज़ बाज़ारों में नहीं देखा गया है। किसानों का दावा है कि बदलते मौसम के कारण फसल पक नहीं पाती है। बदलते मौसम की मार झेलने वाले इन फलों के अलावा, कुछ मानव निर्मित व्यंजनों पर भी असर पड़ा है।

'जिया जले' पर जान्हवी कपूर के डांस की तुलना श्रीदेवी से कर रहे हैं फैंस

मुंबई, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। बॉलीवुड दिवा जान्हवी कपूर को शास्त्रीय नृत्य के प्रति बेहद प्रेम हैं। उन्हें अक्सर सोशल मीडिया पर इस तरह की वीडियो पोस्ट करते हुए देखा जाता है। 'धड़क' अभिनेत्री ने फिर से अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपना एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला वीडियो साझा किया, जिसमें वह सफेद अनारकली सूट में शास्त्रीय नृत्य करती देखी जा सकती हैं।

वीडियो में जान्हवी को बिना मेकअप के लुक में दिखाया गया है, उनके बाल बंधे हुए हैं और उन्होंने झुमके पहने हुए हैं। वह प्रतिष्ठित ट्रैक 'जिया जले' पर परफॉर्म कर रही हैं। इस गाने को लता मंगेशकर और एम.जी. श्रीकुमार ने गाया है। यह गाना 1998 की रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'दिल से' का है, जिसमें शाहरुख खान, मनीषा कोइराला और प्रीति जिंटा ने अभिनय किया है। जान्हवी ने अपने रील वीडियो को कैप्शन दिया, 'आखिरकार क्रिकेट की चोटों के बाद डांस क्लास में वापस आ गई।' अभिनेत्री ने उन चोटों का जिक्र किया है जो कथित तौर पर उन्हें अपनी आगामी फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' की शूटिंग के दौरान लगी थीं। फिल्म में राजकुमार राव भी हैं। वीडियो को 5.4 मिलियन व्यूज मिल चुके हैं। एक फैन ने लिखा, 'प्रीति जिंटा की जगह पर कदम रखना आसान नहीं है लेकिन आपने अच्छा किया।' एक अन्य ने टिप्पणी की, 'कितना सुंदर' एक अन्य दर्शक ने लिखा, 'खूबसूरत डांस और मूव्स... ऐसा लग रहा है जैसे श्रीदेवी मैम डांस कर रही हैं।' फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में राजकुमार, महेंद्र अग्रवाल का किरदार निभाएंगे, जबकि जान्हवी, महिमा माही का किरदार निभाती नजर आएंगी। उनकी झोली में 'देवरा' और 'उलाज' भी हैं।

कर्वी के फूलों में तेज गिरावट गोवा के मौसम में गड़बड़ी का संकेत

पणजी, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। पर्यावरणविदों और विशेषज्ञों का कहना है कि गोवा में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के कारण न केवल समुद्र तट का क्षरण हुआ है, बल्कि बारिश और फलों के पकने के पैटर्न के साथ फूलों के खिलने के मौसम में भी बदलाव आया है।

जाने-माने पर्यावरणविद् राजेंद्र केरकर के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन का असर पश्चिमी घाट में आसानी से देखा जा सकता है, जहां से जुआरी और मांडोवी नदियां निकलती हैं। नदियों का प्रवाह कम हो गया है और पहले जैसा नहीं रहा। ये चीजें वनों के विनाश के कारण हो रही हैं। पिछले दो वर्षों में, पेड़ों की बड़े पैमाने पर कटाई हुई है और चरम मौसम की स्थिति के कारण अक्सर जंगल में आग लग रही है। राजेंद्र केरकर ने आगे कहा कि इस वर्ष म्हादेई वन्यजीव अभयारण्य के किनारे रहने वाले लोगों के लिए पीने के पानी का संकट था। कर्वी को स्ट्रोबिलैंथ्स कैलोसस के नाम से भी जाना जाता है, यह हरी झाड़ियां हैं जो आठ साल में एक बार खिलती हैं और फूलों का रंग बैंगनी-नीले से गुलाबी तक होता है। पराग और अमृत से भरपूर, कर्वी फूल मधु मक्खियों सहित तितलियों, पक्षियों और कीड़ों की एक विस्तृत श्रृंखला को आकर्षित करते हैं। केरकर ने कहा कि कर्वी शहद स्लॉथ भालू और अन्य जंगली जानवरों को बहुत पसंद आता है, जो अब पोषण के इस महत्वपूर्ण स्रोत से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने अफसोस जताते हुए कहा, 'जलवायु परिवर्तन के कारण कर्वी के खिलने पर असर पड़ा है। सत्तारी के पश्चिमी घाट क्षेत्रों में म्हादेई वन्यजीव अभयारण्य में हाल के दिनों में कर्वी के बड़े पैमाने पर फूल नहीं खिले हैं। जलवायु परिवर्तन ने राज्य में पश्चिमी घाट, तटीय क्षेत्रों और जैव विविधता को प्रभावित किया है।' उन्होंने कहा, 'हम तटीय क्षेत्रों में तटीय कटाव होते हुए देख सकते हैं।' प्रसिद्ध पर्यावरणविद् अभिजीत प्रभुदेसाई ने आईएएनएस को बताया कि जलवायु परिवर्तन ने न केवल समुद्र तटों को बल्कि फल देने वाली फसलों और पेड़ों के फलने के पैटर्न को भी प्रभावित किया है।

प्रभुदेसाई ने कहा, 'कई किसान हमें बताते हैं कि जलवायु परिवर्तन ने काजू उत्पादन और अन्य गतिविधियों को प्रभावित किया है। यहां तक कि मछुआरों का भी कहना है कि मछलियां प्रजनन के लिए दूसरी जगहों पर जा रही हैं क्योंकि यहां की जलवायु उपयुक्त नहीं है।' तटीय कटाव के कारण हमारे समुद्र तट छोटे होते जा रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण फलों के पैटर्न और फूल खिलने के मौसम में बदलाव आया है। यहां तक कि प्रवासी पक्षियों की संख्या भी कम हो गई है। उन्होंने पर्यावरणीय गिरावट और परिणामी जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के बारे में चेतावनी देते हुए कहा, 'जलवायु परिवर्तन के लिए गोवा राज्य कार्य योजना' के अनुसार गोवा में 15 प्रतिशत भूमि बाढ़ और अन्य कारणों से नष्ट हो जाएगी। 'जल संसाधन विभाग मंत्री सुभाष शिरोडकर ऑन रिकॉर्ड कह रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन के कारण गोवा में बाढ़ आ रही है। पिछले दो से तीन वर्षों में जलवायु परिवर्तन और उसके परिणामस्वरूप वर्षा पैटर्न और अन्य मुद्दों में बदलाव के कारण बाढ़ अधिक बार आ रही है।

देश

उवाच

केंद्र सरकार ने हाल ही में देश की महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की व्यवस्था की गई थी। लेकिन, उसमें भी एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग की महिलाओं को अलग से कुछ भी नहीं दिया गया है।

-मायावती, बसपा प्रमुख

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	24°	16°
मुंबई	28°	26°
कोलकाता	27°	19°
चेन्नई	29°	25°

तेलंगाना विस चुनाव में दल बदलुओं का दबदबा

हैदराबाद, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। तेलंगाना में चुनावी परिदृश्य पर दलबदलुओं का दबदबा है और कांग्रेस पार्टी ने सबसे ज्यादा संख्या में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से आए नेताओं को मैदान में उतारा है। कांग्रेस के लगभग एक-तिहाई उम्मीदवार ऐसे हैं, जो मई के बाद से बीआरएस और भाजपा से पार्टी में शामिल हुए

- **कांग्रेस ने बीआरएस व भाजपा दलबदलुओं पर लगाया बड़ा दांव**
- **कर्नाटक चुनावों में जीत के बाद राज्य में पार्टी को नया जीवन मिलने की आस**

हैं, कर्नाटक चुनावों में कांग्रेस की जीत ने तेलंगाना में सबसे पुरानी पार्टी को एक नया जीवन दिया है। बीआरएस और भाजपा के कई नेता इस शर्त पर कांग्रेस में चले गए कि उन्हें 30 नवम्बर के विधानसभा चुनावों के लिए मैदान में उतारा जाएगा। कुछ को पार्टी ने अपने खेमे में शामिल होने और उसके टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए भी आमंत्रित किया था। कुछ दलबदलुओं को वफादारी बदलने के कुछ दिनों या कुछ घंटों बाद भी टिकटों से पुरस्कृत किया गया। यहां तक कि 30 नवम्बर को होने वाले चुनावों में कुछ ही दिन बचे हैं, पार्टी में भाग-दौड़ जारी है और जिन लोगों को टिकट नहीं मिला है, वे अगले साल के लोकसभा चुनावों के लिए नामांकन पाने या भविष्य में कुछ बड़े पद पाने की उम्मीद में अपनी वफादारी बदल रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि दलबदल की गाथा 2018 के चुनावों के तुरंत बाद शुरू हो गई थी, जब कांग्रेस के लगभग एक दर्जन विधायक सत्ता

में बने रहने के बाद टीआरएस (अब बीआरएस) के प्रति वफादार हो गए थे। 119 सदस्यीय विधानसभा में 88 सीटें जीतने वाली बीआरएस एक दर्जन कांग्रेस विधायकों को अपने खेमे में शामिल करने में सफल रही। इसने तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के दोनों विधायकों सहित चार और विधायकों को लालच देकर अपनी संख्या 104 तक पहुंचा दी। सत्ता में हैट्रिक का लक्ष्य रखते हुए, बीआरएस ने लगभग सभी मौजूदा विधायकों को मैदान में उतारा है और इसकी सूची चुनाव प्रक्रिया शुरू होने से दो महीने से अधिक पहले जारी की गई थी। टिकट के दावेदार, जिनकी उम्मीदें टूट गईं, उन्होंने कांग्रेस पार्टी की ओर रुख करना शुरू कर दिया।

जैसे ही कर्नाटक में हार के बाद भाजपा ने गति खो दी, उसके कई नेताओं ने भी कांग्रेस की ओर देखना शुरू कर दिया, जिसके नेता बाहें फैलाकर दलबदलुओं का स्वागत करने के लिए तैयार थे। बीआरएस और भाजपा छोड़ने वालों में से कई वास्तव में लंबे अंतराल के बाद कांग्रेस में वापसी कर रहे थे। 2014 में नए राज्य में अपनी पहली सरकार बनाने के बाद सबसे पुरानी पार्टी और टीडीपी ने पूर्व मंत्रियों सहित अपने वरिष्ठ नेताओं को बीआरएस में खो दिया था। नेताओं को लुभाने की होड़ जून में पूर्व मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव और पूर्व खम्मम सांसद पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ शुरू हुई, जिन्हें कुछ महीने पहले पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए बीआरएस ने निलंबित कर दिया था। दोनों को भाजपा ने आमंत्रित किया था। लेकिन, कर्नाटक चुनाव के बाद उन्होंने कांग्रेस में शामिल होना पसंद किया। कृष्णा राव को अविभाजित महबूबनगर जिले के कोल्लापुर से टिकट दिया गया है। उन्होंने 2011 में बीआरएस में शामिल होने के लिए कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था और 2014 में बीआरएस के टिकट पर कोल्लापुर निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे। 2018 के चुनावों में उन्हें हराने वाले हर्षवर्धन रेड्डी के चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस से बीआरएस में चले जाने के बाद उन्हें बीआरएस में दरकिनार कर दिया गया महसूस हुआ। दिलचस्प बात यह है कि जहां कांग्रेस ने उन बीआरएस नेताओं को लुभाया जो टिकट के इच्छुक थे, लेकिन उन्हें मैदान में नहीं उतारा गया, वहीं बीआरएस ने पिछले कुछ दिनों के दौरान उन कांग्रेस नेताओं को अपने पाले में कर लिया, जिन्होंने दलबदलुओं को टिकट दिए जाने के बाद विद्रोह का झंडा उठाया था।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव और एक अन्य प्रमुख नेता हरीश राव ने व्यक्तिगत रूप से असंतुष्ट कांग्रेस नेताओं के घर जाकर उन्हें बीआरएस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया।

कोल्लापुर सीट से कृष्णा राव पर टिकी कांग्रेस को उम्मीद

कांग्रेस नेताओं को उम्मीद है कि कृष्णा राव न केवल पार्टी के लिए कोल्लापुर जीतेंगे बल्कि जिले के अन्य निर्वाचन क्षेत्रों के नतीजों पर भी प्रभाव डालेंगे। इसी तरह, श्रीनिवास रेड्डी ने खम्मम जिले के पलेयर से टिकट हासिल किया। 2014 में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के टिकट पर खम्मम से लोकसभा के लिए चुने गए, बाद में उन्होंने बीआरएस के प्रति अपनी वफादारी बदल ली। केसीआर द्वारा उन्हें 2018 विधानसभा और 2019 लोकसभा चुनावों के लिए पार्टी का टिकट देने से इनकार करने के बाद वह नाखुश थे। एक अच्छे समर्थन आधार वाले नेता, श्रीनिवास रेड्डी से अविभाजित खम्मम जिले में कांग्रेस की संभावनाओं को बढ़ावा देने की उम्मीद है, जहां बीआरएस ने कभी अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। लेकिन, 2018 में कांग्रेस और टीडीपी के टिकट पर चुने गए अधिकांश विधायकों को लुभाने में कामयाब रहे। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता तुम्मला नागेश्वर राव का बीआरएस से दलबदल खम्मम जिले में कांग्रेस के लिए एक और बढ़ावा है। पार्टी ने उन्हें खम्मम निर्वाचन क्षेत्र से टिकट दिया, जहां उनका परिवहन मंत्री पी अजय कुमार के खिलाफ कड़ा मुकाबला है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इन दलबदल से कांग्रेस को गति हासिल करने में मदद मिली और इसके बाद कई अन्य लोगों ने अपनी वफादारी बदल ली। कांग्रेस ने मल्काजगिरी के मौजूदा बीआरएस विधायक मयनामपल्ली हनुमंत राव को भी अपने खेमे में लाने का मौका नहीं गंवाया, क्योंकि उन्होंने मेडक से अपने बेटे मयनामपल्ली रोहित राव को टिकट देने से इनकार करने पर केसीआर के खिलाफ विद्रोह का झंडा उठाया था।

राजस्थान में वोटों के जातीय समीकरण को लेकर राजनीति तेज

नई दिल्ली, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान में 25 नवम्बर को विधानसभा चुनाव होना है, लेकिन उससे पहले वोटों के जातीय समीकरण को लेकर राजनीति तेज हो गई है। पीएम नरेंद्र मोदी जाट वोट बैंक को साधने के लिए तेजाजी के मंदिर पहुंचे तो वहीं दलित वोट बैंक पर प्रभाव जमाने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सीएम अशोक गहलोत जयपुर के एसएमएस अस्पताल पहुंच गए। उन्हीं के विधायक और वर्तमान बीजेपी प्रत्याशी गिर्राज सिंह मलिंगा द्वारा मारपीट के बाद पिछले 20 महीनों से दलित अधिकारी हर्षाधिपति वाल्मीकि भर्ती है। हर्षाधिपति से खरगे और गहलोत की मुलाकात के कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। गिर्राज सिंह मलिंगा धौलपुर की बाड़ी विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर जीत कर विधायक बने थे। दबंग विधायक ने अपनी दबंगई बिजली कर्मचारी हर्षाधिपति वाल्मीकि पर इस कदर उतरी की कुर्सियों से मार- मारकर उनके शरीर में करीब 2 दर्जन फ्रैक्चर कर दिए। वाल्मीकि अभी चल फिर नहीं सकते।उनसे मुलाकात के बाद खरगे व गहलोत ने मलिंगा को टिकट देने के लिए बीजेपी पर निशाना साधा। जिसको लेकर राजनीति गरमाई। घटना के वक्त विपक्ष ने भूमिका निभाई थी, सत्ता पक्ष ने चुप्पी साध ली थी, लेकिन अब मलिंगा को बीजेपी से टिकट मिलते ही वहां की राजनीति में निर्णायक भूमिका रखने वाले दलित वोट बेंक को साधने के लिए कांग्रेस पार्टी के शीर्ष और स्थानिय नेतृत्व ने गाड़ियों का काफिला एसएमएस अस्पताल की तरफ बढ़ा दिया।

कांग्रेस अध्यक्ष पूरे लाव-लश्कर के साथ अस्पताल पहुंचकर हर्षाधिपति और पीड़ित परिवार से मुलाकात की। इसके बाद बीजेपी पर निशाना साधा। अस्पताल से निकलने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि असल में दलित विरोधी तो भाजपा है। कांग्रेस अगर दलित विरोधी होती तो इनकी रक्षा के लिए इतने कानून नहीं बनते। बाबा साहब आंबेडकर और पंडित जवाहर लाल नेहरू ने मिलकर दलितों के लिए जो कानून बनाया है वो नहीं होते। असर में भाजपा कभी भी दलितों के साथ नहीं थे। उनका सिर्फ एक ही मकसद है और वो आरएसएस का एजेंडा चलाना है। उन्होंने गरीबों और दलितों के लिए कभी कुछ नहीं किया। भाजपा ने राजनीति के भीतर काला अध्याय लिख दिया है। जिसने इस घटना को अंजाम दिया पहले उसकी आलोचना की और फिर उसी व्यक्ति को आपने टिकट दे दिया। सरकार बनाने के प्रयास में भाजपा किस हद तक गिर सकती है उसका एक यह नमूना है।

दलित अधिकारी की पिटाई मामले में कांग्रेस ने मोदी को घेरा

सार संक्षेप

गहलोत का खेड़ली दौर आज

अलवर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सोमवार को कठूमर विधानसभा क्षेत्र के खेड़ली कस्बे में कांग्रेस प्रत्याशी संजना जाटव के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा गहलोत के अलावा पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह , प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित प्रदेश एवं जिला स्तर के कांग्रेस पदाधिकारी संजना जाटव के पक्ष में मतदान करने की अपील करेंगे। मुख्यमंत्री के खेड़ली आगमन की तैयारी को लेकर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी व्यवस्थाओं की देखरेख में जुटे हुए हैं।

पी.बाबू मोहन के बेटे बीआरएस में शामिल

हैदराबाद। एक्टर और तेलंगाना के एंडोले निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार पी.बाबू मोहन के बेटे उदय बाबू मोहन रविवार को भारत राष्ट्र समिति में शामिल हो गए। उदय औपचारिक रूप से सिद्दीपेट में बीआरएस नेता और राज्य मंत्री टी. हरीश राव की उपस्थिति में सत्तारूढ़ दल में शामिल हुए। उदय के साथ, एंडोले और जोगीपेट के कुछ स्थानीय जन प्रतिनिधि और भाजपा नेता बीआरएस में शामिल हुए। मंत्री ने उनसे बीआरएस की जीत के लिए काम करने का आग्रह करते हुए कहा कि यह तेलंगाना के विकास के लिए काम कर रहा है।

रतलाम शहर में 73.49 प्रतिशत हुआ मतदान

रतलाम। मप्र के रतलाम जिले की पांच विधानसभा सीटों के लिए शुक्रवार को हुए मतदान के अंतिम आंकड़े प्राप्त हो चुके है। मतदान के आंकड़ों से जो तस्वीर सामने आई है, वह वर्ष 218 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव से लगभग मिलती जुलती है। निर्वाचन आयोग से प्राप्त मतदान के अंतिम आंकड़ों को देखें तो रतलाम शहर में 73.49 प्रतिशत मतदान हुआ है, जबकि रतलाम ग्रामीण सीट पर मतदान का प्रतिशत 86.2 रहा है। सैलाना में 9.1 प्रतिशत, जावरा में 85.52 प्रतिशत और आलोट में 83.3 प्रतिशत मतदान होने की खबर है। इस तरह पूरे जिले में औसतन 83 प्रतिशत मतदान हुआ है। सैलाना में पूरे प्रदेश में सबसे अधिक मतदान दर्ज हुआ है।

रामगढ़ व कठूमर में भाजपा को बागी उम्मीदवारों की चुनौती

अलवर। राजस्थान में 25 नवम्बर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में अलवर जिले की रामगढ़ और कठूमर विस क्षेत्र में भाजपा के लिए बागी उम्मीदवार चुनौती बने हुए हैं। कठूमर विस आरक्षित सीट से जहां कांग्रेस ने संजना जाटव को टिकट दिया है वहीं भाजपा ने पूर्व विधायक रमेश खींची को उम्मीदवार बनाया है। यहां से भाजपा के दावेदार के रूप में पूर्व मंत्री मंगल राम कोली थे लेकिन टिकट रमेश खींची को मिला।

चित्तौड़गढ़ में निर्दलीय प्रत्याशी ने चुनाव को बनाया त्रिकोणीय

चित्तौड़गढ़, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान में 25 नवम्बर को होने वाले विधानसभा आम चुनाव में सबसे हॉट सीट मानी जा रही चित्तौड़गढ़ सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से बगावत कर निर्दलीय मैदान में उतरे विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने यहां चुनाव को त्रिकोणीय बना दिया है।

चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र जहां इस बार लगभग दो लाख सत्तर हजार मतदाता हैं और चुनावी मैदान में आठ प्रत्याशी है लेकिन मुख्य मुकाबला भाजपा उम्मीदवार एवं विधायक नरपत सिंह राजवी एवं कांग्रेस प्रत्याशी सुरेंद्र सिंह जाड़ावत और भाजपा के ही बागी दो बार के विधायक आक्या के बीच है। ये तीनों उम्मीदवार इस सीट से दो दो बार विधायक रह चुके हैं। भाजपा के राजवी वर्ष 1993 में सरकारी नौकरी छोड़ राजनेता बने और यहां से विधायक चुने गए बाद में 2003 में भी यही से विधायक चुने गए जबकि कांग्रेस के जाड़ावत 1998 और 2008 में जबकि आक्या वर्ष 2013 से अब तक विधायक हैं। राजवी को पूर्व मुख्यमंत्री भैरोंसिंह शेखावत का दामाद एवं पूर्व मंत्री होने के चलते कद्दावर नेता माना जाता है तो जाड़ावत भी कांग्रेस के कद्दावर नेताओं की गिनती में आते हैं। जाड़ावत के गत बार दूसरी बार भी आक्या के हाथों पराजित होने के बावजूद उन्हें मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य मंत्री का दर्जा दिया। इसी लोकप्रियता के बल पर वह पार्टी के दबाव में नहीं आए और उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में ताल ठोक दी।

आक्या के समर्थन में चित्तौड़गढ़ विधानसभा क्षेत्र में संगठन स्तर पर भाजपा के सैंकड़ों पदाधिकारियों जनप्रतिनिधियों के साथ हजारों की संख्या में कार्यकर्ता पार्टी एवं मतदाता भी मुखर होकर उनके साथ आ जाने से मुकाबला त्रिकोणीय हो गया।

रहली व अटेर हिंसा मामलों को लेकर बोले कमलनाथ

एक दूसरे की सुरक्षा के लिए आगे आएं कांग्रेसी

भोपाल, 19 नवम्बर, (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने रविवार को शासन प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से एक दूसरे की सुरक्षा करने का आह्वान किया है। उन्होंने रहली और अटेर विधानसभा का जिक्र कर एक्स पर लिखा कि भिंड जिले की अटेर विधानसभा में कांग्रेस पार्टी के बूथ एजेंट केशव जाटव का घर भाजपा के गुंडों ने जला दिया। यह गुंडागर्दी भाजपा प्रत्याशी और मंत्री अरविंद सिंह भदोरिया के लोगों ने की है।

कमलनाथ ने लिखा कि पीड़ित कांग्रेस कार्यकर्ता को सुरक्षा मुहैया कराना तो दूर पुलिस ने अब तक इस मामले में समुचित कार्रवाई भी नहीं की है। देखने में आ रहा है कि प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को चुन-चुन कर निशाना बनाया जा रहा है और पुलिस प्रशासन मूक दर्शक की भूमिका में बना हुआ है। कमलनाथ ने एक अन्य ट्वीट में लिखा

प्रदेश में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को चुन-चुन कर बनाया जा रहा निशाना

कि सागर जिले की रहली विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योति पटेल के ऊपर कल हमला किया गया। उनकी गाड़ियों पर पथराव और तोड़फोड़ की गई। हमलावर खुलेआम हाथ में पिस्तौल लहराते हुए दिख रहे हैं। ज्योति ने वीडियो जारी कर कहा है कि अगर उनकी हत्या हो जाती है तो उसके लिए भाजपा प्रत्याशी गोपाल भार्गव जिम्मेदार होंगे। एक महिला प्रत्याशी के ऊपर इस तरह खुलेआम हमला हो रहा है। लेकिन उसकी सुरक्षा और हमलावरों को पकड़ने के लिए पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

भाजपा के संरक्षण में काम कर रहा पुलिस प्रशासन

कमलनाथ ने लिखा कि पुलिस और प्रशासन चुप्पी साधकर बैठे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि भारतीय जनता पार्टी और उसके संरक्षण में काम कर रहे कुछ अधिकारी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को चुन-चुन कर निशाना बना रहे हैं। यह बहुत खतरनाक स्थिति है। नाथ ने ट्वीट में आगे लिखा कि मैं सागर के प्रशासन को चेतावनी देता हूं कि वे तत्काल कांग्रेस प्रत्याशी को पूर्ण सुरक्षा उपलब्ध कराएं और हमलावरों पर तेजी से कार्रवाई करें। कमलनाथ ने लिखा कि मैं सागर जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं को यह संदेश भी देना चाहता हूं कि वे इस संघर्ष के दौर में अकेले नहीं हैं, पूरी कांग्रेस पार्टी उनके साथ है।

हम सबको एकजुट होकर इस अन्याय का मुकाबला करना है।

दिग्विजय ने किया धरना समाप्त

छतरपुर/भोपाल। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के खजुराहो क्षेत्र में कांग्रेस नेता विक्रम सिंह उर्फ नाती राजा के सहयोगी सलमान की कथित हत्या के विरोध में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का जारी धरना रविवार दोपहर समाप्त हो गया। वह शनिवार से इस मामले को लेकर धरने पर बैठे थे। सिंह ने धरना समाप्त करने के बाद कहा कि मतदान के दौरान जहां, जहां कांग्रेस प्रत्याशी और उनके समर्थकों पर हमले किए गए हैं, वे वहां जाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होने की अपील भी की है। सिंह सागर जिले के रहली भी जा सकते हैं, वहां भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं की झड़प के दौरान कांग्रेस प्रत्याशी के वाहनों में तोड़फोड़ की गई थी।

विकास की पटरी दौड़ रहा तेलंगाना : केसीआर

कोल्लापुर, 19 नवम्बर (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने रविवार को कोल्लापुर में आयोजित आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली की पार्टियां (कांग्रेस और भाजपा) चील की तरह हैं जो तेलंगाना पर भोजन करने के लिए उतर रहे हैं, जिस राज्य को उन्होंने 2014 में निर्माण के बाद लगातार प्रयत्न से एक एक ईंट जोड़कर बनाया है। रविवार को मुख्यमंत्री ने चार आशीर्वाद सभाओं को संबोधित किया। महबूबनगर जिले के कोल्लापुर और आलमपुर में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि उन्होंने तेलंगाना को पटरी पर लाने के लिए लगातार कड़ी मेहनत की है और अब यह विकास कर रहा है। प्रति व्यक्ति आय में देश में नंबर एक है। उन्होंने कहा कि दस साल की कड़ी मेहनत का नतीजा है कि तेलंगाना प्रगति पथ पर है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की पार्टियां

- **कोल्लापुर में आशीर्वाद सभा को किया संबोधित**

तेलंगाना की भारी प्रगति से नफरत करती हैं और एक बार फिर इस राज्य का शोषण करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को कृषि निवेश के लिए साहूकारों के पास जाने से रोकने के लिए रायथु बंधु योजना शुरू की है। जब कांग्रेस सत्ता में थी तो क्या किसानों को सीधे सरकार से कोई पैसा मिलता था? उन दिनों, जब किसान कर्ज नहीं चुका पाते थे तो बैंक वाले उनके घरों के दरवाजे बंद कर देते थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि रायथु बंधु का जन्म केवल उन किसानों की मदद करने के लिए हुआ है जो

मतदाताओं से पार्टी के समर्थन में मांगे वोट

केसीआर ने संयुक्त आंध्र प्रदेश में सत्ता में रहने के दौरान तेलंगाना के लोगों के लिए कुछ नहीं करने के लिए कांग्रेस को जवाबदेह ठहराया। उन्होंने ने मतदाताओं को बीआरएस पार्टी का समर्थन करने के आगाह किया। पूर्व पीसीसी अध्यक्ष उत्तम कुमार रेड्डी का कहना है कि रायथु बंधु पैसे की बर्बादी है। यदि आप चाहते हैं कि रायथु बंधु लगातार जारी रहे तो आपको बीआरएस को वोट देना चाहिए। तभी किसानों को न केवल रायथु बंधु से वित्तीय प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि चौबीसों घंटे बिजली की आपूर्ति जारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता कहते हैं कि तीन घंटे बिजली पर्याप्त है।

अपने कृषि कार्यों में निवेश करने की स्थिति में नहीं थे।

तेलंगाना के निर्दलीय उम्मीदवार ने की आत्महत्या

निजामाबाद, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। आगामी तेलंगाना विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे एक व्यक्ति ने रविवार तड़के कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने कहा कि फोर्थ टाउन थाना के अधिकार क्षेत्र में साईनगर के कन्नैया गौड़ (36) ने साइबर अपराधियों की ओर से उत्पीड़न के बाद यह अतिवादी कदम उठाया है। गौड़ का मोबाइल फोन हैक कर लिया गया और उनसे पैसों की मांग के साथ-साथ मॉर्फिंग वीडियो भी मिले। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि लगातार उत्पीड़न से परेशान होकर गौड़ ने अपने घर में सीलिंग फैन से फांसी लगा ली। गौड़ निजामाबाद शहरी निर्वाचन क्षेत्र में एक विधायक उम्मीदवार (स्वतंत्र) के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। चुनाव आयोग (ईसीआई) ने उन्हें रोटी बनाने वाले का प्रतीक चुनाव चिह्न आबंटित किया था।

राजस्थान में अब तक 644 करोड़ रुपए किए गए जब्त

जयपुर,19 नवम्बर (एजेंसियां)। विधानसभा आम चुनाव 2023 के मद्देनजर प्रदेश में विभिन्न एनफोर्समेंट एजेंसियों द्वारा आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक 644 करोड़ रुपए मूल्य की अवैध नकदी और अवैध सामग्री जब्त की गई है। जयपुर में सीजर का आंकड़ा 106 करोड़ के पार पहुंच गया है। प्रदेश में गत विधानसभा आम चुनाव में पूरी आचार संहिता के दौरान की गई जब्ती के मुकाबले अब तक 920 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रदेश के 11 जिलों में अलग-अलग एजेंसियों की ओर से अब तक 20 करोड़ रुपए से अधिक की जब्ती की गई है। जयपुर 106 करोड़ रुपए के सीजर के साथ प्रदेश में सबसे आगे है। अब तक प्रदेश के 11 जिलों में 20 करोड़ रुपये से ज्यादा मूल्य का सीजर है। कुल सीजर के मामले में दूसरे स्थान पर 36.61 करोड़ रुपए के साथ अलवर है। जोधपुर 31.03 करोड़ के साथ तीसरे, भीलवाड़ा 25.27 करोड़ के साथ चौथे, बूंदी 24.69 करोड़

जयपुर में सबसे ज्यादा 106 करोड़ सीज

के साथ पांचवें, उदयपुर 24.09 करोड़ के साथ 6वें, अजमेर 25.53 करोड़ के साथ सातवें, बीकानेर 23.38 करोड़ रुपए के साथ आठवें, चित्तौड़गढ़ 23.01 करोड़ के साथ नौवें, नागौर 23.24 करोड़ के साथ 10 वें और श्रीगंगानगर 20.69 करोड़ के साथ 11वें स्थान पर है। विधानसभा चुनाव के बीच राजस्थान में सी-विजिल एप पर आचार संहिता उल्लंघन की अब तक 15 हजार से अधिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

चुनाव *मध्य प्रदेश में महिलाओं ने चुपचाप कर दिया खेला*

72 सीटों पर महिलाओं ने 8 प्रतिशत से ज्यादा किया मतदान

भोपाल,19 नवम्बर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 223 में मतदान हो गया है। अब अलग-अलग अटकलें लग रही हैं। प्रदेश में महिलाओं ने बंपर मतदान किया है। मध्य प्रदेश की 23 सीटों में से 72 सीटों पर महिलाओं ने 8 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया है। इन सीटों पर ही सबकी नजर रहने वाली है। महिलाओं के मतदान को लेकर।

भाजपा और कांग्रेस के अपने-अपने दावे हैं। 2023 के विधानसभा चुनाव में 29 सीटें ऐसी है, जहां महिलाओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक हैं। इस बार 1 हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या 945 हो गई है। जबकि 2018 में 10 सीटों पर महिलाओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक थी। वहीं, 1 हजार पुरुषों पर महिला वोटरों की संख्या 917 थी। मप्र विस चुनाव में 230 सीटों पर शुक्रवार को मतदान

- **बंपर मतदान से भाजपा व कांग्रेस में मची खलबली**

हुआ। इसके बाद हार जीत को मंथन शुरू हो गया है। इस बार महिलाओं ने बढ़ चढ़कर मतदान किया है। प्रदेश की 34 सीटों पर महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा मतदान किया है। पिछली बार दो प्रतिशत मतदान बढ़ा तो सरकार बदल गई थी। हालांकि विंध्य की 29 सीटों में महिलाओं ने ज्यादा वोट डाले थे, जिसमें से 19 पर भाजपा जीती थी। जबकि 2018 में 44 सीटों पर महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा मतदान किया था। महिलाओं के बढ़े मत प्रतिशत को भाजपा लाड़ली बहना का असर बता रही है तो कांग्रेस इसे सरकार के खिलाफ बदलाव के लिए मतदान बता रही है। प्रदेश में कुल मतदान 77.15 प्रतिशत में से 78.21 प्रतिशत पुरुष और 76.03 प्रतिशत महिलाओं ने वोट किया है। पिछली बार 74.01 प्रतिशत महिलाओं ने मतदान किया था। पिछले 2018 चुनाव के मतदान को देखें तो 41 सीटों पर महिलाओं ने 80 प्रतिशत से ज्यादा मतदान किया था। इसमें से 27 पर कांग्रेस ने जीत दर्ज की थी। वहीं, भाजपा को सिर्फ 12 और दो सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी जीते थे। भाजपा को इन सीटों पर लाड़ली बहना योजना का लाभ मिलने की उम्मीद है तो कांग्रेस भी अपनी नारी सम्मान योजना से उम्मीद लगाए बैठी है। हालांकि इस बार दोनों ही पार्टी के बीच कड़ा मुकाबला है। जावद, नीमच, मनासा, सुवासरा, मल्हारगढ़, जौरा, सैलाना, रतलाम ग्रामीण, बड़नगर, बदनावर, थांदला, राजपुर, कसरावद, महेश्वर, बागली, सोहागपुर, पिपरिया, बासौदा, बुदनी, आष्टा, इछावर, नरसिंहगढ़, ब्यावरा, राजगढ़, खिलचीपुर, सारंगपुर, सुसनेर, शाजापुर, कालापीपल, सोनकच्छ, हाटपिपलिया, गोटेगांव, नरसिंहपुर, तेंदूखेड़ा, गाड़रवाड़ा, जुनारदेव, अमरवाड़ा, चौरई, सौंसर, छिंदवाड़ा, परासिया, पांढुर्णा, मुलताई, घोड़ाडोंगरी, भैंसदेही, टिमरनी, हरदा, सिवनी मालवा, सिहोरा, शाहपुरा, डिंडौरी, बिछिया, निवास, मंडला, बैहर, लांजी, परसवाड़ा, बालाघाट, वारासिवनी, कटंगी, बरघाट, सिवनी, क्योलारी, लखनादौन, राघौगढ़, विजयपुर, पिछोर, पृथ्वीपुर, जयसिंहनगर, जैतपुर, पुष्पराजगढ़, बहोरीबंद विस क्षेत्र शामिल हैं।

बिलासपुर, सोमवार 20 नवम्बर 2023
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

चुनाव जीतने हिंसा-गालियों का सहारा

मध्यप्रदेश में एक कांग्रेसी कार्यकर्ता की हत्या तथा प्रचार रैलियों के दौरान इस्तेमाल में लाई जा रही अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर भारतीय जनता पार्टी ने एक बार फिर से बता दिया है कि वह चुनाव जीतने के लिये किसी भी हद तक जा सकती है। हालांकि कई लोग भाजपा की इन हरकतों को उसकी कमजोर होती स्थिति तथा पराजय का भय भी बतला रहे हैं लेकिन पूरे देश में शासन करने वाली किसी भी सरकार एवं पार्टी का यह उत्तरदायित्व होता है कि वह चुनावों में होने वाली हिंसा को रोके तथा सियासी स्पर्धा को स्वस्थ रहने दे। वैसे पिछले कुछ वर्षों से जिस प्रकार से भाजपा ने अराजकता के नये कीर्तिमान गढ़े हैं उसके चलते इस प्रकार की अपेक्षा करना कुछ ज्यादा ही होगा।

ऐसे वक्त में जब पांच राज्यों में से तीन (मिजोरम, छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश) में मतदान खत्म हो चुका है, मध्यप्रदेश के खजुराहो पुलिस स्टेशन के बाहर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह अपने साथियों के साथ टेंट लगाकर धरने दे रहे हैं। उनकी मांग है कि मतदान के दिन (17 नवम्बर को) उनकी पार्टी के एक कार्यकर्ता व छतरपुर के पूर्व पार्षद सलमान खान की हत्या के आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाये। हत्या का आरोपी राजनगर के भाजपा प्रत्याशी अरविन्द पटेरिया को बतलाया जा रहा है। पहले मृतक के परिवारजन दो दिनों तक उनका मृत शरीर लेकर धरने पर बैठे थे। शनिवार की शाम दिग्विजय सिंह भी उसमें शामिल हो गये। रात उन्होंने वहीं गुजारी और रविवार की रात तक वे साथियों समेत डटे हुए थे। उनका और परिजनों का आरोप है कि शिवराज सरकार आरोपी को बचा रही है। पुलिस इन दिनों निर्वाचन आयोग के तहत कार्य करने के बाद भी शिवराज के प्रभाव में काम करती दिख रही है क्योंकि पटेरिया के विरूद्ध नामजद रिपोर्ट दायर की गई है। देखना यह होगा कि पुलिस कब तक कार्रवाई करती है।

उधर राजस्थान अब भाजपा व कांग्रेस के बीच चुनावी घमासान के मंजर देख रहा है। यहां भी भाजपा बड़ी सियासी हार का खतरा देख रही है। यहां 15 नवम्बर को मोदी ने बाड़मेर के बायतु में आयोजित एक प्रचार सभा में लोगों से अपील की थी कि 'वे कमल के बटन को ऐसा दबाएं जैसे किसी को सजा दे रहे हैं, फांसी पर चढ़ा रहे हैं।' उनके इस बयान को न सिर्फ गैर लोकतांत्रिक माना जा रहा है वरन घृणा व हिंसा को बढ़ावा देने वाला भी निरूपित किया गया है। उम्मीद थी कि अपनी इस जन आलोचना से स्वयं मोदी तथा उनकी पार्टी के अन्य नेता सबक लेंगे व अपनी भाषा को संयमित, मर्यादापूर्ण तथा शालीन बनाए रखेंगे। ऐसा तो हुआ नहीं, उसी दिन मध्यप्रदेश की अपनी आखिरी जनसभा में उन्होंने कांग्रेसी नेता राहुल गांधी को 'मूर्खों का सरदार' कह डाला। सम्भवत: उनसे प्रेरणा पाकर केन्द्रीय बाल व महिला विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राजस्थान के ही टोंक के देवली में शनिवार को हुई एक सभा में राहुल के लिये बहुत ही अशोभनीय व असंसदीय टिप्पणी कर दी, जो यह बतलाता है कि भाजपा के पास ऐसे कटु बोल करने वालों की पूरी की पूरी फौज है।

इस तरह के अनेक दृष्टांत देश के सामने पिछले लगभग एक दशक से देखने में आ रहे हैं। इस मामले में भाजपा नित नयी गिरावट दर्ज़ कर रही है और अपने साथ समग्र राजनीति को भी दूषित कर रही है। वैसे इसका कारण यह भी माना जा रहा है कि एक ओर तो भाजपा की इन पांचों राज्यों में स्थिति बहुत नाज़ुक है, तो दूसरी तरफ़, जैसा कि राजनैतिक विश्लेषक बतला रहे हैं और तमाम ओपिनियन पोल से लेकर सर्वेक्षण भी बतला रहे हैं, किसी भी राज्य में भाजपा को शायद ही सफलता मिले। इसके अलावा स्वयं मोदी का जादू हर रोज फ़ीका पड़ता जा रहा है। उनकी कही बातें असर नहीं कर रही हैं। एक ओर कांग्रेस के राहुल गांधी, उनकी बहन प्रियंका गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सभाओं-रैलियों में गदर मचा रहे हैं तो वहीं संगठन का प्रचार तंत्र न सिर्फ भाजपा के वार को भोथरा कर रहा है बल्कि प्रत्युत्तर में बड़े हमले कर रहा है। अब तो नौबत यहां तक आ गई है कि कांग्रेस की रैलियों, जनसभाओं एवं रोड शो में लोग चलकर आ रहे हैं, तो वहीं भाजपा की सभाओं में लोगों को ढो कर लाने के बावजूद उनमें खाली कुर्सियां अधिक होती हैं। जिस देवली की सभा का ऊपर ज़िक्र हुआ है, उसमें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह आने वाले थे परन्तु लोग इतने कम आए कि उसमें स्मृति को भेजना पड़ा था।

सत्ता के लिए भाजपा की अति महत्वाकांक्षा देश का लोकतांत्रिक माहौल कलुषित कर रही है। शायद उसे दो तरह की खुशफहमियां हैं- पहली तो यह कि सत्ता में रहना केवल और केवल उसी का अधिकार है। दूसरे यह कि हमेशा वही सत्ता में बनी रहेगी और उसे कोई सत्ताच्युत नहीं कर सकता। यह सोच राजा-महाराजा या किसी तानाशाह शासक की तो हो सकती है परन्तु लोकतांत्रिक प्रणाली में यह सम्भव नहीं है। सत्ताएं आती हैं, उन्हें चुनौतियां मिलती हैं और वे स्थानापन्न होती हैं। उनकी जगह पर कोई और आसीन होता है। इस परम्परा व सहज प्रणाली को कोई भी नहीं तोड़ सका है। न मोदी तोड़ पायेंगे और न ही उनकी पार्टी। जन्म-जन्मांतर तक सत्ता पर काबिज रहने की महत्वाकांक्षा उनसे चुनावी हिंसा को बढ़ावा दे रही है तो दूसरी ओर अपने राजनैतिक प्रतिद्वंद्वियों को अमर्यादित व गरिमाहीन शब्दों से अपमानित करने के लिये उद्धत करती है। इससे वह बाज आए तो बेहतर।

कार्यकर्ता के लिए लड़ने वाले नेता दिग्विजय

नेता ऐसा ही होना चाहिए। दिग्विजय सिंह ने सर्दी की रात खजुराहो थाने के बाहर खुले में सोते हुए निकाल दी। 17 नवंबर को मतदान के दिन छतरपुर की राजनगर विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी विक्रम सिंह उर्फ नाती राजा पर भाजपा प्रत्याशी अरविंद पटेरिया और उनके समर्थकों ने हमला कर दिया था। उन्हें बचाने कांग्रेस कार्यकार्ता सलमान खान आए तो उन पर धारदार हथियारों, कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। और कई गोलियां मार कर सलमान को गाड़ियों से रौंदते हुए भाग गए।

दिग्विजय ने फोन पर वहां से बात करते हुए कहा कि ऐसी क्रूर हत्या नहीं देखी। कई गाड़ियां कांग्रेस कार्यकर्ता के ऊपर से निकाल कर ले गए। घटना के बाद पूरे मध्यप्रदेश और खासतौर से बुन्देलखंड में तहलका मच गया। मध्यप्रदेश में चुनाव में ऐसी घटनाएं नहीं होती हैं। इस बार कई जगह मतदान के दिन और फिर उसके बाद भी हिंसा की घटनाएं हो रही हैं। मतदान के बाद सागर जिले के रहली विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी ज्योति पटेल का घर घेर कर लगातार फायरिंग की गई।

छतरपुर की हिंसा बहुत भयानक थी। कांग्रेस का आरोप है कि वहां के भाजपा प्रत्याशी पटेरिया प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और वहीं खजुराहो के सांसद वीडी शर्मा के खास हैं। इसलिए पुलिस हत्या के आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही। सलमान का परिवार शव लेकर वहीं खजुराहो थाने के बाहर बैठा है। परिवार का कहना है कि जब तक गिरफ्तारी नहीं होगी वह अन्तिम संस्कार नहीं करेगा।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दिग्विजय सिंह शनिवार को ही छतरपुर पहुंच गए। और सीधे परिवार से मिलने पहुंचे। चुनाव तक तो सारे नेता कार्यकर्ता के साथ होते हैं। मगर चुनाव के बाद कम ही नेता कार्यकर्ता और उसके परिवार के साथ खड़े होते हैं। दिग्विजय के साथ उनकी पत्नी अमृता राय भी हैं। वैसे किसी समारोह में वे साथ दिखें या नहीं दिखें मगर संघर्ष में वे साथ होती हैं। शनिवार से वे साथ ही धरने पर बैठी हैं। इससे पहले दिग्विजय की ऐतिहासिक नर्मदा यात्रा में वे पूरे साढ़े तीन हजार किलोमीटर पैदल चली थीं। आधे साल से ज्यादा।

उस नर्मदा यात्रा के बाद ही 2018 में कांग्रेस मध्य प्रदेश में सत्ता में वापस आई थी। 15 साल बाद। हालांकि ज्योतिरादित्य सिंधिया के धोखे की वजह से 15 महीने में ही सरकार गिर गई। मगर जनता के मन में इस विश्वासघात से गहरी चोट लगी। खास तौर से ग्वालियर चंबल संभाग, बुंदेलखंड में। सिंधिया इसी इलाके का खुद को ठेकेदार मानते हैं। मगर जनता जब तक सम्मान देती है, देती है। मगर फिर जैसे ही उसे लगता है कि नेता हमारे साथ धोखा कर रहा है वह गुस्से में खड़ी हो जाती है। और फिर इस इलाके में तो इसे गद्दारी कहा जाता है। और गद्दारी को सबसे खराब चीज माना जाता है। जनता इस बार ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके साथ भाजपा को कड़ा सबक देने के मूड में लगी।

शकील अख्तर

कांग्रेस पिछले साढ़े नौ साल से केन्द्र की सत्ता से बाहर है। और कांग्रेस नेताओं के तौर तरीकों से कभी लगता भी नहीं था कि वे वापसी के लिए कुछ कर रहे हैं। मगर पिछले साल राहुल गांधी की संघर्षमय भारत जोड़ो यात्रा ने तस्वीर बदल दी। जनता को विपक्ष का लड़ता हुआ अंदाज ही भाता है। दिग्विजय सिंह इस यात्रा के संयोजक थे। उनके पास करीब इतनी ही बड़ी अपनी नर्मदा यात्रा का अनुभव था।

उसी की प्रतिक्रिया में इस बार चुनाव में भाजपा की तरफ से ज्यादा हिंसा देखने को मिल रही है। लेकिन इसका प्रतिकार करके दिग्विजय ने एक नया इतिहास रच दिया है। सिर्फ मध्य प्रदेश में ही नहीं देश भर में एक संदेश गया है कि नेता हो तो ऐसा। जो अपने कार्यकर्ता और उसके परिवार के साथ ऐसे डट कर खड़ा हो जाए। रात खुले में निकाल दे।

कांग्रेस पिछले साढ़े नौ साल से केन्द्र की सत्ता से बाहर है। और कांग्रेस नेताओं के तौर तरीकों से कभी लगता भी नहीं था कि वे वापसी के लिए कुछ कर रहे हैं। मगर पिछले साल राहुल गांधी की संघर्षमय भारत जोड़ो यात्रा ने तस्वीर बदल दी। जनता को विपक्ष का लड़ता हुआ अंदाज ही भाता है। दिग्विजय सिंह इस यात्रा के संयोजक थे। उनके पास करीब इतनी ही बड़ी अपनी नर्मदा यात्रा का अनुभव था। राहुल के सारथी बन कर उन्होंने पूरी यात्रा संचालित की।

भारत के इतिहास में ऐसा कोई नेता नहीं हुआ जिसने साढ़े तीन-तीन, चार-चार हजार किलो मीटर की दो पैदल यात्राएं की हों। दूसरी यात्रा में भी अमृता राय कई जगह साथ चलती दिखीं।

राहुल तो बहुत ही संघर्षशील नेता हैं। यात्रा के बाद उनकी असली छवि निखर कर सामने आ गई है। जो हजारों करोड़ रुपया भाजपा ने राहुल को पप्पू बनाने में लगाया था वह पानी में बह गया। राहुल की मेहनत और साथ ही पार्टी अध्यक्ष खरगे जी और प्रियंका की करिश्माई छवि ने कर्नाटक से एक नया इतिहास रच दिया। जीत की वापसी का।

अब पांच राज्यों के चुनाव में खरगे जी राहुल और प्रियंका फिर वैसी ही मेहनत कर रहे हैं। अभी जिन तीन राज्यों मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मिजोरम में चुनाव हो गए वहां कांग्रेस की स्थिति अच्छी मानी जा रही है। और बाकी दोनों जगह जहां चुनाव होना है राजस्थान और तेलंगाना में वहां कांग्रेस का ग्राफ दिन ब दिन बढ़ता जा रहा है। पहले मुकाबला बराबरी का माना जा रहा था। अब कांग्रेस का पलड़ा भारी बताया जा रहा है।

अगर ऐसा ही रहा तो यह विधानसभा चुनाव अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव की पूर्व पीठिका साबित हो जाएंगे। मतलब 2024 का ट्रेलर होगा इन विधानसभा चुनावों का नतीजा। राहुल की मेहनत रंग ले आएगी।

राहुल के पास ऐसे नेता होंगे जो कार्यकर्ताओं में जोश जगा सकें। जनता मन बना रही है। मगर उसे मतदान केन्द्रों तक उसी मन से लाना कार्यकर्ताओं का काम होता है। और कार्यकर्ता जब उत्साह से दिल से यह काम करता है तो जनता अपने मन के साथ कार्यकर्ता का जोश भी जोड़ लेती है।

बड़े नेता की सर्वोच्च सफलता यह होती है कि वह अपने साथ के नेताओं में वही जोश और जज्बा पैदा कर सके जो उसके अंदर है। और फिर नेता उसी जोश को कार्यकर्ताओं में ट्रांसफर कर सके।

उमंग और उत्साह ऊपर से नीचे बहता है। 2014 में कांग्रेस के सब शिखर नेता ढीले पड़ गए थे तो बाकी नेता और कार्यकर्ता भी। और आज जब जोश बढ़ा हुआ है तो वह नीचे के कार्यकर्ता तक और बढ़चढ़ कर जा रहा है।

मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के खजुराहो थाने के बाहर उमड़ पड़ी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भीड़ बेमिसाल थी। जब दो बार के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह वहां आकर धरने पर बैठ जाएं, रात खुले में गुजार दें, तो आप समझ सकते हैं कि कार्यकर्ता का मनोबल कितना ऊंचा हो जाएगा। और जनता पर कितना सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

दिग्विजय ने वहां से डीबी लाइव/देशबन्धु को इंटरव्यू देते हुए कहा कि-भाजपा सरकार जाने वाली है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस की 130 से ज्यादा सीटें जीतेगी। उन्होंने चुनाव आयोग से भी कहा कि वह देखे कि कोई गड़बड़ नहीं होने पाए।

दिग्विजय का यह धरना ऐतिहासिक हो गया। कांग्रेस के कार्यकर्ता अब तीन दिसंबर मतगणना के दिन तक चार्ज रहेंगे। ईवीएम मशीनों की निगरानी करते हुए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

क्यों करें सप्ताह में सत्तर घंटे काम?

■ प्रेरणा

जाने-अनजाने 'इंफ़ोसिस' के संस्थापक नारायण मूर्ति ने देश में एक बहस छेड़ दी है। मोहनदास और नारायण मूर्ति किसी दौर में साथ काम करते थे। एक पोडकास्ट में दोनों चर्चा कर रहे थे कि विकास की रफ़्तार कैसे बढ़ाई जाए। नारायण मूर्ति ने उस बातचीत में कहा था कि देश के विकास के लिए नौजवानों को चाहिए कि वे सप्ताह में 70 घंटे काम करें। उन्होंने उदाहरण देते हुए यह भी कहा था कि जिस तरह जर्मनी, जापान ने दूसरे विश्वयुद्ध के बाद अपने देश को खड़ा करने के लिए जी-जान से मेहनत की, भारत के नौजवानों को भी वैसी ही मेहनत करनी होगी।

नारायण मूर्ति ने काम करने को कहा, लोग बात करने पर टूट पड़े। देश के कोने-कोने से, हर उम्र व पेशे के लोगों ने मूर्ति का ऐसा प्रतिवाद किया जैसे किसी ने उनकी दुखती रग पर पांव रख दिया हो। प्रतिक्रिया आई कि भारतीय दरअसल कितने घंटे काम करते हैं? शहरों में काम करने वालों के घंटे किस तरह गिनेंगे? अपने काम पर जाने के लिए जो लोग घंटों सफर में बिताते हैं, वे इस हिसाब में जुड़ेंगे या नहीं? महिलाओं का क्या, जो चौबीस घंटे, सातों दिन घर के काम करती हैं, बच्चे संभालती हैं और कमाई भी करती हैं? गांव में किसान बिजली के इंतजार में रात-रात भर जागते हैं, उसका हिसाब कौन रखेगा?

हमारे समाज में पूंजी और बुद्धि को अनुपातहीन और बेमेल महत्व दिया गया है? वैसे सभी जानते हैं कि बिना श्रम के पूंजी का कोई अर्थ नहीं है, लेकिन मानते नहीं हैं। जीवन के लिए यदि ये दोनों जरूरी हैं तो यह भी जरूरी है कि इनकी हैसियत बराबर की मानी जाए। इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि बीमारी की रोकथाम ज्यादा महत्वपूर्ण है या उसका इलाज?

बड़ी संख्या में मजदूर दूसरे राज्यों में जाकर सप्ताह में 70 घंटे से कहीं ज्यादा मेहनत करते हैं ताकि चार पैसे बचाकर घर भेज सकें। कोविड के दौरान जब हजारों कामगार शहरों से अपने गांव की तरफ़ लौटने लगे थे तब कहीं देश और इसके शासकों को पहली बार पता चला था कि दौड़ते-भागते हमारे आधुनिक शहर किसके कंधों पर खड़े हैं! ट्विटर पर एमके निधि बताते हैं कि केरल से प्रति सप्ताह चलने वाली 35 सीटों की एक बस ओडिशा के लिए एक सीट का 3500 रुपये किराया लेती है और कभी खाली नहीं चलती। कोई हिसाब लगाएगा कि ये मजदूर प्रति सप्ताह कितनी मेहनत करते होंगे ताकि टिकट और अपने दैनिक खर्च निकाल सकें तथा घर भी पैसे भेज सकें?

विकास एक आधुनिक परिकल्पना है। ज्यादा-से-ज्यादा और जल्दी-से-जल्दी पाने की तीव्र इच्छा विकास की गाड़ी को दौड़ाते हैं। यह सपना देखना और दिखाना कि कैसे कोई एक आदमी पांच रुपया और लोटा लेकर गांव से चला था और कुछ ही वर्षों में देश का सबसे अमीर आदमी बन गया, विकास की कहानी का एक अध्याय लिखता है। फिर यह कि कितनी जल्दी हम पांच ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था का ओहदा हासिल करें, दुनिया की तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बन जाएं, यह विकास की दूसरी कसौटी है। आज तो इसे एक राष्ट्रीय उद्देश्य का दर्जा ही दे दिया गया है।

कहा जा रहा है कि इसके लिए देश का हर नागरिक हाड़तोड़ मेहनत करे, एक सप्ताह में 70 घंटे तो कम-से-कम करे ही! इन सभी सपनों में जो बात छिप जाती है या छिपाई जाती है वह यह है कि एक किसान / मजदूर या कारकून के लिए ईमानदारी से मेहनत करते हुए करोड़पति बनना वह सपना है जो कभी साकार नहीं होगा। ऐसे सपने दिखाकर कुछ गिने-चुने लोग तेजी से देश के सबसे अमीर आदमी बन सकते हैं, यह तो हम प्रत्यक्ष देख ही रहे हैं। इस खेल की शर्त ही यह है कि सभी जी-जान लगाकर दौड़ें, ताकि कोई एक या दो जीत सके और राष्ट्रीय गर्व का प्रतिमान खड़ा कर सके।

क्या यह बात सूर्य की तरह साफ़ नहीं है कि हमारे समाज में पूंजी और बुद्धि को अनुपातहीन और बेमेल महत्व दिया गया है? वैसे सभी जानते हैं कि बिना श्रम के पूंजी का कोई अर्थ नहीं है, लेकिन मानते नहीं हैं। जीवन के लिए यदि ये दोनों जरूरी हैं तो यह भी जरूरी है कि इनकी हैसियत बराबर की मानी जाए। इसे इस तरह भी समझा जा सकता है कि बीमारी की रोकथाम ज्यादा महत्वपूर्ण है या उसका इलाज? आप झट से जवाब देंगे-रोकथाम ज़्यादा महत्वपूर्ण है! लेकिन अगर रोकथाम ज्यादा महत्वपूर्ण है तो हमारा सफाई कर्मचारी उस रोकथाम का पहला सिपाही है; उस सफाई कर्मचारी को डॉक्टर से पहले रखना चाहिए। यही बात खेती और उद्योग पर भी लागू होती है। पूंजी, बुद्धि और श्रम का ऐसा गलत समीकरण हमने बना रखा है कि श्रम को पूंजी के सामने हम कुछ मानते ही नहीं हैं।

नारायण मूर्ति इसी के भोले शिकार हैं। कंप्यूटर, सॉफ्टवेर और अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- इन सबकी दिशा में हम गए ही इसलिए कि इंसानी मेहनत / श्रम को बचाया जा सके या उस पर होने वाला खर्च कम किया जा सके। हमारी स्कूली शिक्षा विद्यार्थियों को पढ़ाती है कि श्रम करना नीचा है, उससे कोई विकास नहीं होता। शिक्षा व व्यवस्था तो ऐसी बनाई है मूर्ति जैसों ने और फिर कहते हैं कि 70 घंटे युवकों को मेहनत करनी चाहिए!

मनुष्य अपनी रोजी-रोटी के लिए श्रम करता है! जब रोटी महंगी हो जाती है तो वह और ज्यादा मेहनत करता है। अभाव में जीने वाले करोड़ों लोग पहिए पर दौड़ने वाले चूहे की तरह सतत दौड़ते रहते हैं। पूंजी पर चलने वाली व्यवस्था का यह आधारभूत नियम है कि पूंजी तभी तेजी से बढ़ सकती है जब श्रम सस्ता हो; नैसर्गिक संसाधनों को लूटने की खुली छूट हो; सरकारी टैक्स कम-से-कम हों; टैक्स की चोरी व्यवस्था के भीतर की जा सकती हो। इसलिए नारायण मूर्ति जैसे लोग जब युवाओं से 70 घंटे मेहनत की बात करते हैं तब वो उनकी बात करते हैं जिनके श्रम का कोई मोल नहीं और विकास के पहिये में सभी जुत जाएं, ताकि दो-चार लोग दुनिया के सबसे अमीरों में अपना नाम लिखवाएं और विश्वगुरु बन जाएं।

गांधीजी जब 'दूसरी गोलमेज परिषद' के लिए इंग्लैंड गए थे तो उनसे बार-बार निवेदन किया गया था कि आप यहां तक आ ही गए हैं तो अमेरिका के लोगों के बीच पहुंचकर, उन्हें भी अपना संदेश दें। आइंस्टाइन ने भी गांधीजी से ऐसा ही अनुरोध किया था। गांधीजी ने जवाब में तब जो कहा था वही आज भी भारत व दुनिया के लिए सबसे मतलब की बात है। उन्होंने कहा था कि-जब तक अमेरिका पूंजी के पीछे की अपनी पागल दौड़ छोड़ता नहीं है, उसे देने के लिए मेरे पास कुछ है ही नहीं। इसलिए मूर्ति यदि 70 घंटे की मेहनत की पैरवी के साथ यह भी बता सकें कि युवाओं को इतनी मेहनत क्यों करनी चाहिए, तो गांधीजी और हमारा सबका ज्ञानवर्धन हो सकेगा।

(लेखिका गांधीवादी-अर्थशास्त्र की अध्येता हैं।)

गुरवाणी विचार

अव्वल अल्लाह नूर उपाइआ कुदरत के सब बंदे

ऐसा नाम एकन निरमोलक पुनि पदारथ पाइआ
अनिक जतन करि हिरेदे राखिया- रतन न छपै छपाइआ।
हरि गुण कहते कहन न जाई-जैसे गूंगे की मठिआई (रहाओ)
रसना रमत सुनत सुख स्वरना- चित चेते सुख होई।
कहो भीखन हुए नैन जहं देखा तहं सोई।।

गुरवाणी की यह पंक्तियां गुरु ग्रंथ साहिब के अंग 659 से ली गई है। इसमें भक्त भीखण जी मानव मन को समझाइश देते हुए कह रहे हैं कि प्रभु परमात्मा का नाम एक ऐसा अनमोल पदारथ है जो रतन जवाहर की तरह बहुमूल्य है। मनुष्य को पूर्व जनमों के पुण्य से यह मानवदेही मिली है। इस मानव देही को पाने के लिए देवता भी तरसते हैं। बिना प्रभु परमात्मा के सिमरन बंदगी किए मानवदेही की प्राप्ति नहीं हो सकती। इंसान इस प्राप्ति को छिपाने की कोशिश करता है। फिर भी यह हीरे-जवाहरात को कितना भी छिपा कर रखे उसे लोग समझ नहीं पाते कि उसे छिपा नहीं सकते। फूल में खुशबू रहती है लोग उसे कितना ही बंद कमरे में रखें लेकिन उसकी खुशबू छिप नहीं सकती। ठीक इसी प्रकार प्रभु प्राप्ति एक ऐसा जवाहर हीरा है जिसे हम कितना भी छिपाएं उसकी खुशबू फैल ही जाती है।

हरि प्रभु परमात्मा की सिमरन बंदगी करते-करते जो आनंद की अनुभूति है उसकी प्राप्ति के स्वाद से रस की प्राप्ति होती है। उसका वर्णन नहीं किया जा सकता। एक गूंगे इंसान को मिठाई खिलाई जाए तो वह उसका स्वाद बता नहीं पाएगा। ठीक इसी प्रकार प्रभु परमात्मा की प्राप्ति से प्राप्त आनंद की अनुभूति को वह नहीं बता पाएगा पर हर वक्त वह महसूस कर पाएगा और आनंदित हर वक्त रहेगा।

इस रतन रूपी प्रभु नाम की सिमरन बंदगी करते रहने पर हमारी जिव्हा को भी सुख मिलता है। कानों को प्रभु कथा सुनने से आनंद की अनभूति होती है। हर वक्त फिर नेत्रों को ऐसा महसूस होता है कि प्रभु परमात्मा सर्वत्र विराजमान है। हम सब एक परमात्मा की संतानें हैं और प्रभु परमात्मा ने प्रत्येक प्राणी की रचना कर फिर उसी कृति में विराजमान होकर उसके द्वारा किए जा रहे प्रत्येक क्रियाकलापों को देख रहा है। इस तरह जिस-जिस इंसान ने प्रभु सिमरन बंदगी कर उसकी प्राप्ति कर ली है उसने यह महसूस कर लिया है कि प्रत्येक इंसान में प्रभु परमात्मा मौजूद है। इस तरह सब एक दूसरे के भाई हैं। न ही कोई बुरा है। भक्त कबीरदास जी यही बात कह रहे हैं-

अव्वल अल्लाह नूर उपाइआ कुदरत के सब बंदे।
एक नूर ते सब जग उपजिया कौन भले को मंदे।।

इस तरह हर इंसान अच्छा है बुरा कोई भी नहीं है। सुख दुख अपने अपने किए कर्मों के अनुसार उसे प्राप्त होता है। इसीलिए भक्त भीखणजी इंसान को समझा रहे हैं कि प्रभु परमात्मा के नाम सिमरन करते मेरी आंखों में ठंडक आ गई है। मैं जहां पर भी नजर दौड़ाता हूं मुझे उस जगह प्रभु परमात्मा नजर आने लगा है। इसलिए हर इंसान को चाहिए कि वह प्रभु सिमरन कर उसकी प्राप्ति कर लें। तभी हमारा मानव जीवन पाकर धरा पर आना सार्थक समझा जाएगा और हम इस लोक और परलोक में भी सुखपूर्वक जिंदगी बिता पाएंगे और हमें सांचे दरबार में भी स्थान प्राप्त हो पाएगा।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

पूंजी-प्रधान हो गए हैं पर्व-त्यौहार

समाज में जैसे-जैसे आधुनिकता का समावेश हो रहा है, वैसे-वैसे हमारे तीज-त्यौहारों पर भी उसका प्रभाव स्पष्ट देखा जा रहा है। दीवाली जैसा हमारा पारम्परिक त्यौहार भी आधुनिकता की चपेट से नहीं बच पाया है। पहले लोग दीवाली के दिन श्रद्धापूर्वक अपने घर के अंदर व बाहर सरसों तेल अथवा घी के दीये जलाते थे और रात के समय सपरिवार पूजन में शामिल होते थे, लेकिन अब प्रतीकात्मक कुछ दीये जलाने की रस्म निभाने के साथ मोमबत्तियों व रंग-बिरंगी लाइटों का इस्तेमाल होने लगा है। पूजन तथा घर में खाने के लिए तरह-तरह के पकवान घरों में ही बनाए जाते थे, लेकिन अब बाजार की मिठाईयों व ड्राई-फ्रुट्स का चलन हो गया है। हल्के पटाखों की जगह कानफोडू और अत्यधिक जहरीला धुआं उगलने वाले पटाखों ने ले ली है। हर तरफ दिखावे की होड़ और उपहार संस्कृति नजर आने लगी है।

एक विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती कुसुम शंकर कहती हैं कि पहले लोगों में अपने घर में अधिक-से-अधिक दीये जलाने और घर की मुंडेर पर दीयों की कतार सजाने के लिए अपार उत्साह देखा जाता था। लोग दीये जलाने के लिए प्राय: बच्चों के हाथों से ही रूई की बाती बनवाते थे, लेकिन दीयों के लिए बाती भी अब बाजार से रेडीमेड मिलती है और लोगों में दीयों के बजाय रंग-बिरंगी मोमबत्तियों व इलेक्ट्रॉनिक लाइटों के प्रति आकर्षण बढ़ गया है।

प्रकाश पर्व दीवाली पर पहले जो सौहार्दपूर्ण वातावरण देखने को मिलता था, अब वो बात नहीं रही। लोगों के बीच पहले इस अवसर पर जो सौहार्द देखा जाता था, वह खत्म सा हो गया लगता है और दीवाली पर पूरी तरह आधुनिकता हावी नजर आती है। पाश्चात्य संस्कृति में रंगे बहुत से युवा भी अब दीवाली पर अपने परिवारजनों के साथ पूजा-पाठ में भाग न लेकर क्लबों व पार्टियों में इस अवसर पर अपने तरीके से जश्न मनाते हैं।

बाजार की मिठाईयों का चलन बढ़ने के कारण दीवाली के अगले दिन बहुत से लोगों के गले खराब नजर आते हैं क्योंकि बाजार की मिठाईयां शुद्ध नहीं रही।

दीवाली के बदलते अंदाज पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बैंक अधिकारी एसके नागपाल कहते हैं कि पहले जहां आस-पड़ोस में एक-दूसरे के घर जाकर मिठाईयां भेंट करके बधाई देने की परम्परा थी और आपसी मेलजोल तथा भाई-चारे का माहौल देखने को मिलता था, वहीं अब लोग आस-पड़ोस में मिठाईयां या उपहार बांटने के बजाय उन्हीं लोगों को उपहार देते हैं, जिनसे उनका कोई लाभ हो और उपहारों में भी मिठाईयों का चलन तो खत्म हो गया है। मिठाईयों की जगह अब महंगे ड्राई फ्रुट्स अथवा महंगे-महंगे उपहार दिए जाते हैं।

पहले जहां धनतेरस पर बर्तन खरीदने की परम्परा थी, वहीं अब लोग बर्तन खरीदने के बजाय विभिन्न स्कीमों का लाभ उठाकर इस अवसर पर फ्रिज, टीवी, एसी इत्यादि खरीदते हैं। नागपाल मानते हैं कि अब दीवाली पर दिखावा ज्यादा बढ़ गया है और उसी के अनुरूप खर्च भी बढ़ रहा है।

योगेश कुमार गोयल

देशबन्धु
संस्कारधानी
5 बिलासपुर

सोमवार 20 नवंबर 2023

उल्टा पुल्टा

पत्नी (पति से)- तुम तो कहते थे कि शादी के बाद भी मुझे खूब प्यार करोगे?

पति- सॉरी यार! मुझे क्या पता था कि तुम्हारी शादी मेरे साथ हो जाएगी!

पिछले चुनावों की तुलना में तीन सौ गुना अधिक कैश, शराब, ज्वेलरी समेत अन्य समान जब्त

बिलासपुर, 19 नवंबर (देशबन्धु)। बिलासपुर जिले में शांतिपूर्ण चुनाव निपटने के बाद पुलिस प्रशासन के द्वारा पूरे आचार संहिता के दौरान हुई जब्ती व प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियों के साथ वारंटो की तामिली के आंकड़े जारी किए गए हैं। जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले चुनाव की अपेक्षा 366 गुना अधिक नगदी व सामान की जब्ती हुई है। साथ ही प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियों व वारंटो की तामिली के आंकड़ों ने भी रिकॉर्ड बनाए है। चुनाव के दौरान लगभग 4000 प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियां व फरार वारंटियों की गिरफ्तारी पुलिस ने की है।

बिलासपुर जिले में शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न करवाने में पुलिस की कड़ाई व लगातार पेट्रोलिंग के साथ ही निजात अभियान की अहम भूमिका रही। पुलिस की सक्रियता की वजह से चुनाव के दिन एक भी वाद विवाद की शिकायत एफआईआर दर्ज करने के लिए जिले के थानों को नहीं मिली। पुलिस के द्वारा पूरे वर्ष भर लगातार कार्यवाहियां व निजात अभियान के तहत नशे के सामानों की जब्ती तो की ही, साथ ही आचार संहिता में पुलिस की कार्यवाहियों व मादक पदार्थों पर जब्ती की रफ्तार और अधिक बढ़ गई। जिसका परिणाम यह रहा कि पिछले चुनावों की अपेक्षा इस चुनाव में तीन सौ गुना अधिक नगदी रकम, चुनाव सामग्रियां व नशे के सामानों की जब्ती हुई। 2018 के चुनाव में जहां एक एक लाख 11 हजार 390 रुपए का माल जब्त किया गया वही 2023 कर आम चुनाव में 3 करोड़, 66 लाख रुपए का माल व नगदी (एक करोड़,40 लाख) जब्त किया गया।

2018 में कैश के अलावा सिर्फ 30 साड़ियों की जब्ती

खास बात यह रही कि पिछले चुनाव में आचार संहिता के अलावा कैश के रूप में एक लाख ग्यारह हजार 390 रुपए के अलावा मात्र 30 पीस

साड़ी जब्त की गई थी। तो वही इस चुनाव में आचार संहिता के दौरान कुल 25 मामलों में एक करोड़ रुपए 40 लाख रुपए कैश जब्त किए गए। कैश के अलावा 19 हजार 933 लीटर अवैध शराब, 76 किलो गांजा, सोना 0.911 केजी, चांदी 25.7 केजी (कुल मूल्य एक करोड़, 10 लाख,63 हजार,270 रुपए), साड़ी व पांपलेट व अन्य चुनाव सामग्रियां (78 लाख, 85 हजार, 123 रुपए) की जब्ती की गई है।

पिछले वर्ष 2022 में कुल 3,912 प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियां की गई थी। वर्ष 2023 में 20,921 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियां की गई। जिनमें से केवल आचार संहिता के दौरान ही 2,818 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाहियां की गई थी। साथ ही 1,158 फरार वारंटियो की तलाश कर उन्हें गिरफ्तार करते हुए अदालत में पेश किया गया। इनमें कई वारंटी ऐसे भी थे जिन्हें पुलिस ने अभियान चला कर अन्य प्रदेशों से गिरफ्तार किया गया था। कुल 31बदमाशों के खिलाफ जिला बदर के प्रकरण बना कर एसपी ने कलेक्टर को भेजे थे। इसके साथ ही रासुका की भी दो कार्यवाहियां भी की गई।

निजात अभियान का भी रहा शांतिपूर्ण चुनाव करवाने में बड़ा असर

जिले में विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने में पुलिस द्वारा चलाए जा रहे निजात अभियान की भी विशेष भूमिका रही नशे के कारोबारियों पर फरवरी माह से हो रहे लगातार कार्यवाहियों के चलते अवैध नशा कारोबारियों की कमर टूटी रही और इसका असर चुनावों में भी दिखा। इस साल फ़रवरी माह से अवैध नशा विशेषकर ड्रग्स और अवैध शराब के ऊपर लगातार कार्यवाहियों ने नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगा। साथ ही सार्वजनिक जगहों पर शराब पीकर हुड़दंग करने वालों पर लगातार कार्यवाहियों से कड़ा संदेश भी गया। जबकि पूर्व में देखा गया था कि चुनाव के दिन और उसके पूर्व ऐसे तत्वों के द्वारा शराब का सेवन कर बदमाशी करते दिखते थे। ऐसे तत्व इस बार पूरी तरह गायब दिखे। पुलिस द्वारा आचार संहिता के दौरान रिकॉर्ड 19,933 लीटर और पिछले साल के 6,371 लीटर के बजाय ताबड़तोड़ कार्यवाही करते हुए इस वर्ष में अब तक 36,980 लीटर अवैध शराब जब्त कर सैकड़ों अवैध कारोबारियों को जेल भेजा है।

वोटिंग से एक दिन पहले बदमाशों की परेड

17 नवंबर को वोटिंग होने से ठीक एक दिन पहले पुलिस ने गुंडा रजिस्टर में शामिल बदमाशों को थानावार तलब कर सख्ती से हिदायत दी गई। बदमाशों की परेड निकाल कर उन्हें संदेश दिया गया कि चुनाव प्रक्रिया में यदि वे कोई भी व्यवधान उत्पन्न करते है तो उनके साथ सख्ती से निपटा जाएगा। साथ ही चुनाव के दिन लगातार पेट्रोलिंग और शिकायत स्थल पर त्वरित गति से पुलिस टीम द्वारा पहुंचने पर कही भी अप्रिय स्थिति नहीं बनी और एक भी एफआईआर नहीं हुआ।

संपादकीय

नतीजों के पहले सिंहदेव का बयान

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के लिये दो चरणों में समाप्त हुए मतदान को 24 घंटे भी नहीं बीते थे कि प्रदेश के कद्दावर कांग्रेसी नेता टीएस सिंहदेव का यह बयान कि 'अगर वे इस समय मुख्यमंत्री नहीं बनाये गये तो यह उनका अंतिम चुनाव होगा', इस बात के संकेत दे रहा है कि पार्टी में जीत की स्थिति में शीर्ष पद के लिये खींच-तान हो सकती है। कांग्रेस आलाकमान के लिए यह चिंता का कारण हो सकता है कि उसके और मुख्य विरोधी दल भारतीय जनता पार्टी की सीटें बराबर या लगभग बराबर आती हैं तो सरकार बनने-बनाने में सिंहदेव कोई भूमिका निभा सकते हैं। उनकी भूमिका की गुंजाईश तभी समाप्त होगी अगर कांग्रेस को 218 की तरह बहुत बड़ा बहुमत मिलता है। शुक्रवार को ही राज्य की 7 सीटों पर मतदान हुआ था। 2 सीटों पर पहले चरण के अंतर्गत मतदान 7 नवम्बर को हुआ था।

अनुमानों, ग्राउंड जीरो पर दिख रही परिस्थितियां, कांग्रेस के पक्ष में छग के भीतर ही नहीं वरन देश भर में दिखाई दे रहा माहौल और संगठन के भीतर का उत्साह भी बतला रहा है कि कांग्रेस के जीतने की पूरी-पूरी सम्भावना है। वैसे तो कई लोगों का मानना है कि भाजपा की सीटें बढ़ सकती हैं, लेकिन पलड़ा अंततः कांग्रेस का ही भारी बतलाया जा रहा है। विभिन्न दलों के अंदरूनी सर्वे भी यही सम्भावित परिणाम बतला रहे हैं। जीतने और फिर से सरकार बनाने की आश्वस्ति के बीच सिंहदेव का यह बयान कम से कम इस अवसर पर अनपेक्षित तो है लेकिन किसी भी तरह से चौंकाने वाला नहीं है। इसका कारण यह है कि पिछले पांच वर्षों के दौरान अनेक ऐसे मौके आये थे जब सिंहदेव ने न केवल अपनी इच्छा का इज़हार किया था वरन यह पद पाने के लिये हाथ-पैर भी मारे थे। यह अलग बात है कि मौजूदा मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने उनके इन प्रयासों पर पानी फेर दिया था।

याद हो कि बघेल सरकार के जब एक साल पूरे होने जा रहे थे सिंहदेव ने कहा कि जब बघेल को सीएम बनाया गया था, तभी प्रदेश में ढाई-ढाई साल के लिये दो मुख्यमंत्री बनाने का फार्मूला तय हुआ था। सिंहदेव के अनुसार बघेल के ढाई साल पूरा होने के बाद उन्हें यह पद सम्भालना है। यह सभी को हैरान कर देने वाला दावा था क्योंकि उसके पहले इसके बारे में कभी सुना नहीं गया था। बघेल तत्काल दिल्ली गये और शीर्ष नेताओं का यह बयान लेते आये कि ऐसे किसी भी फॉर्मूले का कोई अस्तित्व नहीं है। जब इस सरकार के सचमुच में ढाई साल पूरे हुए तो यह बात फिर उठी लेकिन फिर दबा दी गई। देखना होगा कि सिंहदेव का बयान क्या गुल खिलाता है।

सार-संक्षेप

स्कार्पियो में पहुँचे लुटेरों ने ट्रक से लुटे 275 लीटर डीजल

बिलासपुर, 19 नवंबर (देशबन्धु)। मस्तूरी बिलासपुर रायगढ़ हाईवे पर मस्तूरी थाना क्षेत्र अंतर्गत पाराघाट टोल प्लाजा से कुछ दूरी पर फिर डीजल चोरों ने आतंक मचाया है, जिसमें ट्रक रोककर आराम कर रहे चालक को जान से मारने की धमकी देकर डीजल टैंक से 275 लीटर डीजल की लूट की गई है, जिसमें लुटेरे बाकायदा स्कॉर्पियो वाहन में पहुँचे थे जो 3 से 4 की संख्या में इस घटना को अंजाम देकर फरार हो गए, घटना के बाद भयभीत ट्रक चालक ने इसकी शिकायत मस्तूरी थाने में दर्ज कराई है। मिली जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश निवासी राजेन्द्र चौहान ट्रक क्रमांक आरजे 27 जीडी 5043 में चालक है जो रायगढ़ से सरिया लोहा गिट्टी लोड करके भोपाल जा रहा था, रास्ते मे पाराघाट टोल प्लाजा के पास वह सुबह करीब 5ः30 बजे ट्रक रोककर आराम कर रहा था,

तभी एक स्कॉर्पियो वाहन में 3 से 4 लोग आए जो अपने चेहरों पर कपड़ा बांधे थे, जिसमें से एक ने ट्रक के केबिन में घुसकर रॉड दिखाते हुए जान से मारने की धमकी दी और चुप रहने कहा, तब तक स्कॉर्पियो में सवार अन्य लुटेरों ने डीजल टैंक का लॉक काटकर जरीकेन में डीजल निकालने लगे, जिन्होंने लगभग 275 लीटर डीजल कीमती 26125 रुपए को लूटकर वापस चाम्पा की ओर भाग निकले, चालक ने इसके बाद घटना की जानकारी वाहन मालिक और डायल 112 को दी, जिसके बाद मस्तूरी थाने पहुँचकर शिकायत दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने अज्ञात 3-4 लोग के खिलाफ धारा 392- आईपीसी के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

सायकल सवार वृद्ध का ट्रैक्टर के चपेट में आने से मौत

बिलासपुर, 19 नवंबर (देशबन्धु)। शनिवार की शाम सायकल पर अपने खेत की ओर निकले वृद्ध को धान से लोड ट्रैक्टर ने अपनी चपेट में ले लिया जिससे वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे परिजन जब मस्तूरी हॉस्पिटल लेकर पहुँचे तो चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले में मिली जानकारी के अनुसार पचपेड़ी क्षेत्र के ग्राम सोनसरी निवासी धरमलाल पटेल 68 वर्षीय किसानी कार्य करते थे। शनिवार की शाम करीब 6 बजे वे अपनी साइकिल लेकर खेत की ओर निकले थे। फसल को देखने के बाद वे घर लौटने के लिए निकले। साइकिल सवार बुजुर्ग गांव के माता चौरा के पास पहुंचे थे। इसी दौरान पीछे से धान लेकर आ रहे ट्रैक्टर ने साइकिल सवार वृद्ध को टक्कर मार दी। इससे वृद्ध साइकिल समेत सड़क पर गिर पड़े। वृद्ध का सिर सड़क किनारे रखे पत्थर से टकरा गया। इससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। आसपास के लोगों ने इसकी जानकारी धरमलाल के परिजनों को दी। इसके बाद घायल को मस्तूरी स्थित अस्पताल ले जाया गया। जहां डाक्टरों ने वृद्ध को मृत घोषित कर दिया। हादसे की जानकारी पुलिस को दी गई। वही रविवार को पीएम की कार्रवाई की गई।

सुआ नाच प्रतियोगिता की तैयारी के लिए बैठक

25 को धान मंडी चौक तोरवा में किया जाएगा आयोजन

बिलासपुर, 19 नवंबर (देशबन्धु)। भोजली महोत्सव समिति तोरवा बिलासपुर द्वारा प्रति वर्ष सुआ नाच प्रतियोगिता किया जाता है। ऐसी तारतम्य में इस वर्ष समिति के द्वारा सुआ नाच प्रतियोगिता को लेकर बैठक आयोजित किया गया। सदस्यों के द्वारा प्रतियोगिता की रूपरेखा बनाया गया।

प्रतियोगिता का आयोजन 25 नवंबर दिन शनिवार को शाम 5 बजे धान मंडी चौक तोरवा में किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को समिति के नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा। प्रत्येक टीम में कम से कम 6 सदस्य होना चाहिए। छ. ग. के पारंपरिक वेशभूषा में आना होगा। अपने गीत को मोबाइल में सेट करके लाना है। समिति का निर्णय अंतिम होगा। मोबाइल के अलावा स्वयं गीत गाकर नृत्य करने वालो को अतिरिक्त अंक दिया जाएगा। समिति के द्वारा पुरुस्कार वितरण किया जाएगा। प्रथम पुरस्कार 5001 रुपये और कप अजय प्रधान की ओर से। द्वितीय पुरुस्कार 3001 रुपये एवं कप तथा तृतीय पुरुस्कार 2001 रुपये एवं कप मनोज कुमार यादव डायरेक्टर फिनटेक्स बाजार फैनेशियल सर्विसेज बिलासपुर की ओर से।चतुर्थ पुरुस्कार 1101 रुपये एवं कप प्रहलाद दुधेश्वर की ओर से एवं सांत्वना पुरस्कार दिया जाएगा। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के अभिनेता अभिनेत्री भी उपस्थित रहेंगे।

प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु दिनाँक 19/11/2023 से 24/11 2023 की रात्रि 8ः00 तक पंजीयन कराया जा सकता है। अध्यक्ष शंकर यादव तोरवा संपर्क 9827490637,प्रतियोगिता में निर्णायक श्री कुलदीप जगदीश जी एवं यश मिश्रा जी ,चंदन यादव,रहेंगे। प्रमुख रूप से समिति के सदस्य सुनील भोई, गंगेश्वर सिंग उइके, नरेंद्र श्रीवास, सीनू राव, नंदकिशोर यादव, सहदेव केवट,शुभम यादव बृजभूषण लाल सरवन, सुरेश दास,अजय प्रधान , मनोज यादव,गोपाल यादव,शरद यादव जतिन विश्वकर्मा तिलक केवट, मनीष पटेल,रामचंद रजक,महिला सदस्य श्रीमति, रामबाई सैनिक, सुखमत केवट,रामप्यारी पटेल,संतोषी भोई ,यशोदा ऊइंके,रेखा दस मानिकपुरी, बनवासा यादव,माया रजक, संगीता यादव समस्त आयोजक; भोजली महोत्सव समिति तोरवा बिलासपुर के अध्यक्ष शंकर यादव।

जनता टेंट हाउस के गोदाम में लगी आग 25 लाख के सामान जलकर खाक

बिलासपुर, 19 नवंबर (देशबन्धु)। अपोलो अस्पताल के पीछे स्थित टेंट हाउस के गोदाम में रविवार की सुबह आग लग गई। जब तक आसपास के लोगों को कुछ समझ में आता आग गोदाम में पूरी तरह फैल चुकी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया है। संचालक ने गोदाम में करीब 25 लाख के सामान रखे होने की जानकारी दी है। आग से पूरा सामन जल गया है।

लिंगियाडीह में अपोलो अस्पताल के पीछे जनता टेंट हाउस का गोदाम है। टेंट हाउस के संचालक ने यहां पर एक प्लाट में प्लास्टिक तालपत्री से शेड बना रखा है। इसे ही गोदाम की तरह उपयोग किया जाता है। टेंट हाउस के गद्दे, कुर्सियां और अन्य सामान यहीं पर रखे जाते हैं। रोज की तरह शनिवार की रात टेंट हाउस के कर्मचारी यहां सामान रखकर अपने घर चले गए थे। गोदाम में केवल एक कर्मचारी था। रविवार की सुबह गोदाम के चौकीदार ने अंदर की ओर से धुंआ निकलते देखा। उसने आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी। साथ ही इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस के पहुंचने तक आग पूरी तरह फैल चुकी थी।

इधर सूचना पर थोड़ी ही देर में फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंच गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाना शुरू कर दिया। तीन दमकल की मदद से दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया है। टेंट हाउस के संचालक ने पुलिस को बताया कि गोदाम में करीब 25 लाख के सामान थे। आग से पूरा सामान और प्लास्टिक का शेड पूरी तरह से जल गया है। पुलिस को आशंका है कि गोदाम के उपर से गुजरे बिजली के तार में शार्ट सर्किट से आग लगी है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

बाइक में आगजनी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

4 महीने से था फरार

कोटा जनपद अध्यक्ष के घर मे घुसकर जान से मारने की भी दी थी धमकी

बिलासपुर, 19 नवंबर (देशबन्धु)। जनपद पंचायत अध्यक्ष के घर में घुसकर गाड़ी को आग लगाने वाले आरोपी को बेलगहना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को घटना के 4 महीने बाद सालखो के पीछे भेजा गया है। मिली जानकारी के अनुसार बेलगहना चौकी अंतर्गत छतौना निवासी कोटा जनपद पंचायत अध्यक्ष मनोहर राज के घर में छतौना निवासी अजय कुमार भैना 22 जुलाई को अचानक घुस गया और जमकर प्रार्थी से विवाद करने लगा। जब बात उससे भी नही बनी तो आरोपी ने प्रार्थी की

गैरमौजूदगी में प्रार्थी की पत्नी से गाली गलौच करते हुए घर के बाहर खड़ी गाड़ी को आग के हवाले कर दिया था। जिसकी लिखित शिकायत प्रार्थी ने बेलगहना चौकी में दर्ज कराई। तब से ही आरोपी फरार चल रहा था। इसी बीच बेलगहना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि अजय कुमार भैना अपने घर मे छुपा है, जिसपर पुलिस ने उसके घर मे दबिश देकर आरोपी अजय कुमार भैना को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया। उक्त कार्यवाही में प्रआर भुनेश्वर मरावी आर. हेमंत चंद्राकर, कौशल बिंझवार की विशेष योगदान रहा।

इंदिरा गांधी निर्भीक व साहसी राजनेता थी-विजय

कांग्रेसियों ने इंदिरा गांधी की जयंती मनाई

बिलासपुर, 19 नवंबर (देशबन्धु)। शहर ज़िला कांग्रेस कमेटी ने तारबाहर चौक में पूर्व प्रधानमंत्री स्व श्रीमती इंदिरा गांधी जी की जयंती मनाई गई और उनकी आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें पूण्य स्मरण किया गया।

इस अवसर पर शहर अध्यक्ष विजय पांडेय ने कहा कि श्रीमती गांधी एक निर्भीक और साहसी राजनेता थी , मन में जो ठाना उसे पूरा किया ,जिनके मन मे भारत की गरीब जनता के प्रति अगाध स्नेह रहा ,उनके विकास के लिए अमेरिका के सामने झुकी भी और पाक-बांग्ला युद्ध मे अमेरिका को उनके मर्यादा की भी याद दिलाई, हरित क्रांति -श्वेत क्रांति के माध्यम से देश को अन्न और दुग्ध के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाया,पोखरण में परमाणु परीक्षण कर विश्व में भारत के सामरिक महत्व को स्थापित किया ,देश के अंदर अलगाववादियों से कोई समझौता न कर उन्हें समूल नष्ट करने की बीड़ा उठाया जिसका दुखद परिणाम 31 अक्टूबर 1984 को उनके ही सुरक्षा प्रहरी द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई ,और श्रीमती गांधी देश के लिए शहीद हो गई।

ज़फ़र अली, हरीश तिवारी, एसएल रात्रे ने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी बाल्यावस्था से ही आज़ादी की लड़ाई में कूद पड़ी ,और वानर सेना के माध्यम से सेनानियों को गुप्त सूचनाएं देती थी ,उन्हें प्रियदर्शिनी, ऑयरन लेडी, दुर्गा आदि से सम्बोधित किया गया ,अपने पिता जवाहर लाल नेहरू जी निज सहायक के रूप में काम की और उनके मरणोपरांत सांसद बनी और लाल बहादुर शास्त्री जी के निधन के बाद अपने विरोधियों को पीछा छोड़ते हुए प्रधानमंत्री बन गई और देश को विकास के पथ पर नई ऊंचाई दी । कार्यक्रम में शहर अध्यक्ष विजय पांडेय,ज़फ़र अली, हरीश तिवारी, एसएल रात्रे, विनोद शर्मा, त्रिभुवन कश्यप, माधव ओत्तालवार,शिवा मिश्रा, चन्द्रशेखर मिश्रा, विनोद साहू, मोती ठारवानी, पिंकी बतरा, शुभ लक्ष्मी, सावित्री सोनी,जितेंद लोहिया,हेरि डेनिएल,शहज़ादा,शांति उपाध्याय,विजय दुबे,वीरेंद्र सारथी,प्रिया शर्मा,राजेश शर्मा,शैलेन्द्र जायसवाल, कमलेश लवहतरे,दुर्देशी धनगर,मनोज शर्मा,अनिल पांडेय,गौरव एरी,मोह अयूब,गणेश रजक,सन्तोष अग्रवाल, करम गोरख,भरत जोशी,मार्गेट बेंजामिन,दीपक रायचेलवार, अखिलेश बाजपेयी,सत्येंद्र तिवारी,अब्दुल तस्लीम,सुभाष ठाकुर आदि उपस्थित थे।

छठी व्रतधारियों ने अस्तांचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य

पुत्र प्राप्ति, समृद्धि एवं मंगल कामना के पर्व छठ पर घाट में उमड़े श्रद्धालु

कोरबा, 19 नवंबर (देशबन्धु)। सूर्यदेव की उपासना व प्रकृति पूजा का प्रसिद्ध छठ पर्व ऊर्जाधानी में भी पूर्वांचलवासियों द्वारा परंपरागत मनाया जा रहा है। नहाय-खाय के साथ छठ पर्व का प्रारंभ शुक्रवार से हुआ। दूसरे दिन महिलाओं ने निर्जला उपवास रख शाम को खरना पूजा किया और खीर का प्रसाद ग्रहण करने के बाद सूर्यदेव की आराधना उत्साह के साथ शुरू किया।

आज रविवार को पर्व के तीसरे दिन व्रतधारियों ने छठ घाटों पर पहुंचकर जल में उतरकर अस्ताचलगामी सूर्य देव को अर्घ्य दिया। व्रती विभिन्न प्रकार के मौसमी फल, ठेकुआ समेत अन्य पारंपरिक व्यंजनों से पूजा का थाल सजाकर मंगल कलश में भरे जल लेकर अर्घ्य देने घाटों पर पहुंचे जहां केले के पत्ते और गन्ना का मंडप सजा था। घाटों में पानी में खड़े होकर सूर्य देवता के अस्त होने का इंतजार उन्हें अर्घ्य देने के लिए किया जाता रहा। इस दौरान छठ गीतों और आतिशबाजियों से घाट गुंजायमान होते रहे। अगले क्रम में सोमवार को भोर में पुनः जल में उतरकर उगते सूर्य को अर्घ्य देकर पर्व संपन्न होगा एवं व्रतियों के द्वारा व्रत की पारणा की जाएगी। शहर के ढेंगुरनाला, एसईसीएल शिव मंदिर, करण घाट, इंदिरा नगर हसदेव घाट, सर्वमंगला मंदिर के सामने, राताखार के अलावा दीपका, कुसमुण्डा, बालकोनगर और दर्री जमनीपाली, बांकीमोंगरा अहिरन घाट में पूर्वांचलवासी उमड़े रहे। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी घाटों पर पहुंचकर व्रतियों को शुभकामनाएं देते हुए छठ मईया की पूजा-अर्चना कर उन्हें अर्घ्य अर्पित किया।

घर जाने के बजाय अपने शहर में ही मनाया पर्व

छठ त्योहार पूर्वांचल का है। बिहार और उत्तरप्रदेश में इसे मनाया जाता है, लेकिन अब यह प्रदेश की सीमाएं लांघ चुका है। छठघाट पर उमड़ते जनसैलाब को देखकर यह अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता था कि घर से बाहर निकले पूर्वांचल के लोग छठ पर गांव जाने की बजाय अब अपने शहर में छठ मनाना ज्यादा पसंद करने लगे हैं।

आज होगी उगते सूरज की पूजा

सोमवार को तडक़े सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। उगते हुए सूरज को अर्घ्य देने छठव्रती तडक़े ही घाट पहुंचने लगेंगे। इसके बाद सोमवार को फिर छठ घाट में लोगों की भीड़ लगेगी। इस दौरान उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद 36 घंटे का कठिन व्रत टूटेगा।

तुलसीनगर घाट में हुई गंगा आरती

तुलसीनगर छठघाट में भव्य गंगा आरती का अद्भुत नजारा देखने को मिला। घाट पर पहुंचे सभी व्रतियों के द्वारा अर्घ्य पूर्ण करने के पश्चात पंडितों एवं आचार्यों द्वारा शंखनाद के साथ दीप प्रज्ज्वलित किया गया और महादीयों के साथ गंगा स्वरूपा हसदेव की भव्य आरती प्रारंभ हुई।

एक ओर मंत्रोच्चार से क्षेत्र गूंज रहा था तो शंखनाद से मां गंगा को आहूत किया गया। भव्य लाईटिंग के मध्य मां गंगा की आरती से ऐसा लग रहा था कि मानो स्वयं गंगा मां आशीर्वाद देने पहुंची। गंगा आरती में पूर्व पार्षद विकास अग्रवाल सपरिवार उपस्थित रहे। महापौर राजकिशोर प्रसाद, बीएन सिंह, पूर्वांचल विकास समितिके संरक्षक कमलेश यादव सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

सार-संक्षेप

सिविल विभाग की उदासीनता से एसईसीएल कॉलोनी में कचरे का अंबार

कोरबा, 19 नवंबर (देशबन्धु)। एसईसीएल की कालोनियों में गंदगी का अंबार लगा है। एसईसीएल कुसमुंडा क्षेत्र में सिविल अधिकारियों की उदासीनता से कॉलोनीवासी बेहद परेशान हैं। साफ सफाई नहीं होने से कालोनी के कर्मचारी आक्रोशित हैं।

दीपावली से पूर्व जहां कॉलोनियों की साफ-सफाई होती थी वहीं अब दीपावली के बाद भी साफ-सफाई नहीं हुई है। कुसमुंडा में छठ पूजा हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। श्रद्धालु शाम और सुबह नदी के किनारे पहुंचकर सूर्य की उपासना करते हैं। ऐसे में नदी तक पहुंचने वाले मार्ग पर कचरों का अंबार लगा हुआ है। इसे लेकर कॉलोनीवासियों में काफी नाराजगी है। स्थानीय पार्षद ने एसईसीएल कुसमुंडा के सिविल विभाग के अधिकारियों को इस समस्या से कई बार अवगत कराया हैं बावजूद इसके साफ-सफाई नहीं हुई है। इसके अलावा विकास नगर छठ घाट पर भी कुसमुंडा प्रबंधन की ओर से इस वर्ष भी किसी तरह की कोई साफ-सफाई नहीं की गई जबकि कॉलोनी परिसर के साथ-साथ कॉलोनी से लगे नदी किनारे के घाटों को साफ सुथरा करने की जिम्मेदारी ग्लोबल टेंडर में सम्मिलित है। इसका भुगतान भी किया जाता है, बावजूद इसके प्रबंधन के सिविल विभाग के अधिकारी इस ओर ध्यान नही दिए। फिलहाल छठ पूजा और पूर्णिमा स्नान को देखते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधि ने छट घाट पर जेसीबी लगवा कर साफ-सफाई कराया। आईबीपी प्लांट के पास अहिरन नदी जाने वाले मार्ग पर लक्ष्मण नाला पड़ता है, जो आगे जाकर अहिरन नदी में ही मिलता है, इस पर आने जाने ले लिए 3 से 4 की संख्या में बड़े-बड़े सीमेंट के पाइप डालकर रपटा बनाया गया है। यह बारिश के दिनों में बह जाता है।

एसएलआरएम सेंटर पर ताला: विकासनगर कॉलोनी से निकले कचरे को संग्रहित करने के लिए एसईसीएल प्रबंधन की ओर से लाखों रुपए खर्च कर वैशाली नगर में एक विभागीय एसएलआरएम सेंटर भी बनाया गया है। इसमें वर्षो से ताला लगा हुआ है, विकास नगर कॉलोनी से निकले कचरे को जब कभी उठाया जाता है, तो अक्सर इसी सेंटर के सामने फेंका जाता है, जिससे प्रदूषण और कचरा फैलता है।

ईवीडी टेक्नोलॉजी ने हितिका और तरुण को नियुक्त किया

कोरबा, 19 नवंबर (देशबन्धु)। स्थानीय प्रतिभा को पोषित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रायपुर, कोरबा, छत्तीसगढ़ स्थित एक प्रमुख सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट कंपनी, ईवीडी टेक्नोलॉजी, बीआईटी, रायपुर में आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव के माध्यम से दो गतिशील उम्मीदवारों के सफल ऑनबोर्डिंग की गर्व से घोषणा करती है। यह कदम प्रौद्योगिकी और सॉफ्टवेयर विकास के क्षेत्र में क्षेत्रीय उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए ईवीडी टेक्नोलॉजी की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। कैंपस प्लेसमेंट पहल न केवल स्थानीय प्रतिभा पूल को मजबूत करती है बल्कि क्षेत्र की वृद्धि और विकास में योगदान देने के कंपनी के दृष्टिकोण के साथ भी संरेखित होती है।

कौशिल्या देवी जायसवाल का निधन, अंत्येष्टि आज

कोरबा, 19 नवंबर (देशबन्धु)। कटघोरा विधानसभा के पूर्व विधायक स्व. कृष्णालाल जायसवाल (गुरूजी) की धर्मपत्नी श्रीमती कौशिल्या देवी जायसवाल, निवासी गांधी चौक कोरबा का 82 वर्ष की आयु में आज रविवार देर शाम देहावसान हो गया। वे पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थीं एवं उपचार के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। वे पुत्र महेन्द्र जायसवाल, सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल (पार्षद वार्ड क्र. 4 एवं अध्यक्ष, जिला कांग्रेस कमेटी कोरबा ग्रामीण), गजेन्द्र जायसवाल, राजेन्द्र जायसवाल (अध्यक्ष पत्रकार सोसायटी कोरबा), पौत्र सत्री जायसवाल सहित नाती-पोतों से भरा-पूरा परिवार रोता-बिलखता छोड़ गई हैं। उनके निधन की खबर से परिजनों सहित शुभचिंतकों एवं बस्तीवासियों में शोक की लहर दौड़ पड़ी है। उनकी अंतिम यात्रा सोमवार 20 नवंबर को दोपहर 12 बजे गांधी चौक स्थित निवास स्थान से प्रारंभ होगी एवं स्थानीय मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा।

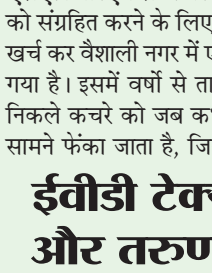

फांसी के फंदे पर लटकी मिली ठेका कर्मचारी की लाश

घुटनों के बल पलंग पर पड़ा मिला

कोरबा, 19 नवंबर (देशबन्धु)। करतला क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब सडक़ निर्माण में लगे ठेका कंपनी के एक कर्मचारी की लाश कैंप में फांसी के फंदे पर लटकी मिली। मृतक कंपनी के एचआर विभाग में कार्यरत था। घटना के दौरान वह कैंप में अकेला था। पुलिस ने शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है।।

जानकारी के अनुसार भारत माला परियोजना के तहत उरगा-हाटी के मध्य मार्ग का निर्माण किया जा रहा है। सडक़ निर्माण कार्य की जवाबदारी दिलीप बिल्डकॉन कंपनी को दी गई है। ठेका कंपनी का कैंप करतला में स्थित है जहां रहकर कर्मचारी सडक़ निर्माण का काम कर रहे हैं। इस कैंप में ठेका कंपनी के एचआर विभाग में कार्यरत मूलत: मध्यप्रदेश निवासी दीपक मिश्रा भी रहता था। शनिवार को कर्मचारी काम कर कैंप में लौटे तो दीपक की लाश पर नजर पड़ी। दीपक का शव सीलिंग पंखा में फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। गमछे का एक सिरा पंखे में बंधा था, जबकि उसके दोनों पैर पलंग के ऊपर ही मुड़े थे। घटना की जानकारी सहकर्मियों ने तत्काल प्रबंधन के अलावा पुलिस को दी। करतला पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। पंचनामा उपरांत शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। घटना की सूचना मृतक के परिजनों को भी दी गई। उसकी मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से होगा लेकिन जिस परिस्थिति में शव लटका हुआ मिला है, उससे इस बात की प्रबल आशंका जताई जा रही है कि उसकी हत्या कर आत्महत्या का स्वरूप देने की कोशिश हुई है।

भाई ने जताई हत्या की आशंका

घटना की जानकारी मिलने पर रायपुर से कोरबा पहुंचे मृतक के छोटे भाई विकास मिश्रा ने घटनास्थल को देखने के बाद बड़े भाई की हत्या की आशंका जताई है। उसका कहना है कि दीपक बेहद ही मिलनसार था। उसका किसी से विवाद नहीं था। ऐसे में सुसाइड करने का सवाल ही नहीं उठता। उसकी हत्या को आत्महत्या का रूप दिया गया गया है और इस मामले में दूसरे लोगों की सहभागिता का भी उसे पूरा संदेह है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचे विकास मिश्रा का कहना है कि बड़ा भाई दीपक पत्नी और दो बच्चों के अलावा परिवार की देखरेख भी करता था। उसकी किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। कुछ ही समय पहले उसने परिवार के सभी सदस्यों से हंसकर बातें की थी। घर में भी सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा है। ऐसी कोई वजह नहीं है, जिससे दीपक आत्मघाती कदम उठाए। उसने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उसकी हत्या हुई है। इसमें कोई विशेष रूप से इंवाल्व है। उन्होंने मामले में गहन जांच की मांग की है

उत्पादन कंपनी के संयंत्रों की इकाईयों में खराबी जारी

कोरबा, 19 नवंबर (देशबन्धु)। राज्य उत्पादन कंपनी के संयंत्रों की इकाईयों में खराबी का सिलसिला जारी है। एचटीपीपी और मड़वा की एक-एक इकाई फिर बंद है। एचटीपीपी की तीन नंबर यूनिट में बार-बार खराबी आ रही है। तीसरी बार खराबी से 210 मेगावाट उत्पादन प्रभावित है। एचटीपीपी की तीन नंबर यूनिट में खराबी को दूर करने के बाद

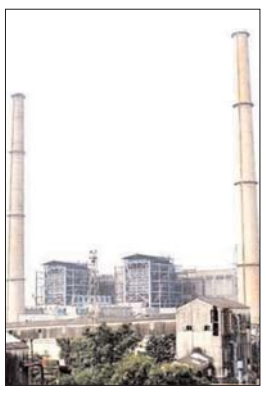

दो बार और खराबी आ चुकी है। लगातार खराबी आने से मेंटनेंस पर भी सवाल उठने लगे हैं। गौरतलब है कि ऑपरेशन और मेंटनेंस में उत्पादन कंपनी द्वारा करोड़ों रुपए हर वर्ष खर्च किए जाते हैं इसके बाद भी यूनिट में आए दिन खराबी आती रहती है। हालांकि प्रबंधन का कहना है कि बड़ी खराबी नहीं है इसे जल्द ही ठीक कर लिया जाएगा। मड़वा संयंत्र की 500 मेगावॉट क्षमता की दो नंबर यूनिट से भी शनिवार को उत्पादन प्रभावित रहा। सिर्फ एक यूनिट से उत्पादन हो रहा है। कुछ दिन पहले भी इसी यूनिट में खराबी आ गई थी।

चुनाव के बाद अब थानों में लंबित प्रकरणों को निपटाने की चिंता

कोरबा, 19 नवंबर (देशबन्धु)। शांतिपूर्वक चुनाव निपटाने के बाद अब पुलिस को दूसरी जिम्मेदारी अपराधों की पेंडेंसी का निराकरण करना होगा। साल के अंत में हर हाल में पुलिस को अपने थाने की पेंडेंसी निपटाने की जिम्मेदारी रहती है। क्योंकि साल के अंत में पूरे साल की परफार्मेंस दिखानी रहती है। यदि परफार्मेंस अच्छी रही तो इनाम भी मिल सकता है। इस हिसाब से पुलिस दिसंबर माह में काम करती है। पुलिस अब इस साल के बाकी 41 दिनों को पुराने मामलों के निराकरण के लिए लगाएगी।

पुलिस को साल भर के अपराधों की निकाल करना जरूरी होता है। पुलिस अब तक विधानसभा चुनाव की तैयारी में लगी रही। अब यही पुलिस अपने थाना क्षेत्र के पेंडेंसी निपटाने में लगेगी। क्षेत्र में घटित लूट, चोरी, हत्या, नकबजनी सहित तमाम अपराधों का चालान जमा करना होता है। किसी भी मामले की डायरी आधी अधूरी नहीं होनी चाहिए। पुलिस को अपने थानों में घटित 90 प्रतिशत अपराधों का चालान पेश करना अनिवार्य होता है। 10 प्रतिशत से अधिक अपराधों की पेंडेंसी उन थाने के थाना प्रभारियों की उदासीनता को प्रदर्शित करता है। पनिसमेंट के बतौर ऐसे थाना प्रभारियों की कुर्सी भी जाती है। पेंडेंसी निपटाने थानों की पुलिस अब लगातार जुटेगी। अगले माह में ऐसे अपराधियों की धरपकड़ तेज कर दी जाएगी। अपराधी चाहे देश के किसी भी कोने में हो उसे ढूंढकर लाना होता है और अपराध की डायरी तैयार कर कोर्ट में चालान पेश करना होता है।

धरपकड़ होगी तेज

अपराधों के निकाल के लिए अब पुराने मामलों की फाइल खंगाली जाएगी। अपराध से जुड़े लोगों की धरपकड़ की जाएगी। कोर्ट में चालान पुटअप किया जाएगा। आखिरकार मामले का पूरी फाइल पुलिस थाने की बजाए कोर्ट में जमा कराना चाहेगी। पुलिस यह चाहेगी कि मामले की फाइल थाने में नस्तीबद्ध हो जाए। ताकि उनका टेंशन दूर हो जाए। कई मामले ऐसे भी होते हैं जिनका निराकरण अपराधियों के नहीं होने से अधर में लटक जाता है। ऐसे मामले की फाइल पेंडिंग रहेगी।

पैसा बांटने का आरोप, ग्रामीण की रॉड और डंडे से पिटाई

कोरबा, 19 नवंबर (देशबन्धु)। विधानसभा चुनाव में पैसा बांटने का आरोप लगाकर युवकों ने एक ग्रामीण की रॉड और डंडे से पिटाई कर दी। युवक का सिर फट गया। उसने सिविल लाइन थाना में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस इसकी जांच कर रही है। बताया जाता है कि रामपुर विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए भाजपा प्रत्याशी की ओर से पंडरीपानी बरबसपुर में कार्यालय बनाया गया था। यहां से आसपास के क्षेत्रों में चुनाव का संचालन किया जा रहा था। 16 नवंबर को अलग-अलग बाइक पर सवार होकर 10 लडक़े पहुंचे। युवकों ने कार्यालय में दौलत राम पटेल और नंदू पटेल को पकड़ लिया। उन पर चुनाव में पैसा बांटने का आरोप लगाते हुए मारपीट किया। नंदू ने घटना की शिकायत रामपुर सिविल लाइन थाना में दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। युवक के सिर पर चोटें आई है। चुनाव प्रचार के दौरान पूर्व में पाली तानाखार क्षेत्र में भी घटना हुई थी।

स्व. इंदिरा गांधी की जयंती मनाई गई

कोरबा, 19 नवंबर (देशबन्धु)। भारत की पूर्व प्रधानमंत्री प्रियदर्शिनी स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी की 106वीं जयंती जिला कांग्रेस कार्यालय टी पी नगर में आयोजित की गई।

इस मौके पर स्व. इंदिरा के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुये जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र प्रताप जायसवाल ने बताया कि श्रीमती इंदिरा गांधी जी के दृढ़ निश्चय, साहसपूर्ण पहल और देशहित में सर्वोच्च त्याग एवं बलिदान के लिए उन्हें याद किया जाएगा। उनके द्वारा प्रारम्भ किया गया 20 सूत्रीय कायक्रम का मुख्य ध्येय गरीब वर्ग के लोगों के जीवन स्तर में सुधार अत्यंत जनहितकारी पहल साबित हुआ। जिला

कांग्रेस उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ठाकुर ने कहा कि स्व. इंदिरा गांधी द्वारा देश की सर्वांगीण उन्नति, विकास, खुशहाली और देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने के लिए उन आदर्शों की रक्षा के लिए तथा दुनिया में भारत को गौरवपूर्ण स्थान दिलाने के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा दी। इन्ही आदर्शो पर हमारे गणतंत्र की एकता एवं अखण्डता टिकी हुई है। इस मौके पर त्रिवेणी मिरी, लखन साहू, बंशी बरेठ, योगेन्द्र श्रीवास, भुवन यादव ने भी प्रियदर्शनी इंदिरा गांधी को याद करते हुए उनकी जीवनी पर प्रकाश डाला। इस मौके पर स्व. इंदिरा की तैल्यचित्र पर माल्यार्पण व पुष्प अर्पित कर उन्हे नमन किया।

जमानत बचेगी या नहीं, इसकी भी चिन्ता कर रहे प्रत्याशी

वोट कटवा उम्मीदवार भी अपने पक्ष में हुए वोट का लगा रहे आंकड़ा

कोरबा, 19 नवंबर (देशबन्धु)। विधानसभा निर्वाचन 2023 का मतदान 17 नवंबर को संपन्न होने उपरांत किए गए मतदान के आंकड़ों और प्रतिशत के आधार पर हार जीत का आंकलन चौक-चौराहे से लेकर ठेले-खोमचे में और यहां तक कि चार लोग बैठ जाएं तो उनके बीच भी होने लगा है। बूथों की जिम्मेदारी जिन-जिन लोगों को दी गई थी, उनके माथे पर भी बल पडऩे लगे हैं। जिनके बूथ पर ठीक-ठाक मतदान हो गए वे तो मन को तसल्ली दे रहे हैं लेकिन जिनके यहां मतदान का प्रतिशत अपेक्षाकृत कमजोर दर्ज हुआ है वे चिंतित

हैं। बूथों पर हुए मतदान के आंकड़ों से कई प्रत्याशियों की भी चिन्ता बढ़ गई है कि वे अपनी जमानत बचा पाएंगे या नहीं? कुल पड़े मतदान का छठवां भाग से जो भी कम वोट हासिल करेगा, उसकी जमानत जब्त मानी जाती है। इस लिहाज से ऐसे मतदाताओं की संख्या जिले में ज्यादा होने के आसार बने हैं। गौरतलब है कि कुल 51 प्रत्याशी इस चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इनमें प्रमुख रूप से कांग्रेस, भाजपा, जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे), आम आदमी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, लोजपा (रा), गोड़वाना गणतंत्र पार्टी, जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के अतिरिक्त क्षेत्रीय दलों और निर्दलीय उम्मीदवार शामिल हैं। विभिन्न दलों के उम्मीदवारों और उनके समर्थकों को जमानत होने से बचाने की चिन्ता है। बता दें कि प्राय: हर चुनाव में कई उम्मीदवार वोट कटवा की भूमिका में रहते हैं और ऐसे कई प्रत्याशियों की जमानत जब्त होने से बच नहीं पाती। इस बार भी देखना होगा कि कड़े मुकाबलों में भाजपा-कांग्रेस में हार-जीत का फैसला होने के साथ-साथ कौन-कौन जमानत बचाने लायक वोट हासिल कर सकेगा।

0 प्रत्याशी उतारकर हाल पर छोड़ दिया मतदान हो चुका है लेकिन राजनीतिक घटनाक्रमों की चर्चाएं अभी भी हो रही हैं। ऐसे में जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) की भी चर्चा चुनाव के समय से शुरू हुई और अभी भी इस बात की चर्चा है कि पूरे चुनाव में कोरबा विधानसभा में जोगी कांग्रेस के प्रत्याशी नजर नहीं आए। रामपुर, कटघोरा, पाली-तानाखार विधानसभा में भी कमोबेश यही स्थिति रही। पार्टी के प्रमुख अमित जोगी का प्रवास जरूर हुआ लेकिन इसके पहले और इसके बाद कहीं पर भी जिला संगठन के पदाधिकारी नजर नहीं आए। एक तरह से प्रत्याशियों को टिकट देकर उनके हाल पर छोडऩे का काम किया गया और प्रत्याशियों ने अपने-अपने व्यक्तिगत हिसाब से यथासंभव, यथाशक्ति चुनाव को निपटाया है। इसी तरह आम आदमी पार्टी का भी कोरबा विधानसभा को छोडक़र कहीं कुछ बोलबाला नजर नहीं आया।

सार-संक्षेप

किड्जी स्कूल खरसिया को मिला देश के टॉप 2 प्रतिशत फ्रेंचाइज़ का अवार्ड

खरसिया 19 नवम्बर (देशबन्धु)। खरसिया टी आई टी कॉलोनी मे स्थित किड्जी प्री स्कूल को मुंबई के राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में पुरस्कार प्राप्त हुआ कार्यक्रम में ज़ी ग्रुप के चेयरमैन सुभाष चंद्र मौजुद रहे। किड्जी स्कुल खरसिया का संचालन चैतन्य मिरानी व हर्षा मीरानी द्वारा किया जा रहा है। सुभाष चंद्र द्वारा उद्बोधन में कहा की पढ़ाई के साथ संस्कार,धार्मिक,सांस्कृतिक,स्पोर्ट्स और कई कार्यक्रम स्कूल द्वारा बच्चों को सिखाया जाता है। साथ ही जी ग्रुप के चेयर मैन ने खरसिया किडजी स्कूल की भूरि भूरि प्रशंसा की और उन्होंने बताया भारत देश और नेपाल में किड्जी के 3000 स्कूल मौजुद है। इनमें से मुंबई फंक्शन में केवल 80 ब्रांच को आमंत्रित और सम्मान दिया गया। दूसरे दिन सुभाष चंद्रा जी ने स्वयं के घर में कुछ फ्रेंचाइजी को बुलाया, जिसमें छत्तीसगढ़ से केवल खरसिया को सौभाग्य प्राप्त हुआ। किडजी स्कूल परिवार को खरसिया के मारवाड़ी युवा मंच, पतंजलि योग समिति व समस्त गुजराती समाज ने मीरानी परिवार की इस स्कूल की उपलब्धि के लिए बधाइयां शुभकामनाएं प्रेषित की।

नई सरकार के इंतजार में किसान धान बेचने की प्रक्रिया हुई धीमी

रायपुर, 19 नवंबर (देशबन्धु)। कांग्रेस और भाजपा ने जब सेअपना चुनावी घोषणापत्र जारी किया है, उसके बाद से धान की खरीदी धीमी हो गई है। किसान नई सरकार के इंतजार में खरीदी केंद्रों तक अपनी फसल लेकर नहीं पहुंच रहे हैं। अभी तक महज पांच प्रतिशत किसानों ने ही धान बेचा है।

लगभग एक लाख तीन हजार 377 किसानों ने पांच लाख 17 हजार टन धान बेचा। धान के एवज में किसानों को बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत 958.08 करोड़ रुपये का भुगतान जारी कर दिया गया है। अभी तक महज पांच प्रतिशत ही धान की खरीदी हुई है। ये आंकड़े 18 नवंबर 2023 की स्थिति में हैं।

किसानों के लिए दोनों प्रमुख दलों ने की बड़ी घोषणाएं

भारतीय किसान संघ के प्रदेश महामंत्री नवीन शेष का कहना है कि त्योहार और चुनाव के कारण धान कटाई में देरी हुई है और किसान तीन दिसंबर को किस दल की सरकार बनेगी किसान इसकी भी प्रतिक्षा कर रहा है, क्योंकि किसानों के लिए दोनों प्रमुख दल ने बड़ी घोषणाएं की है। सरकार कोई भी बने किसानों को लाभ मिलना निश्चित है। वहीं रायपुर के किसान उमा वर्मा और साधु चंद्राकर ने कहा कि दोनों ही दलों ने घोषणा की है और उसी के अनुसार किसानों को उम्मीद है कि लाभ मिलेगा।

प्रदेश में 25 लाख किसान धान बेचेंगे

छत्तीसगढ़ शासन ने पंजीकृत किसानों से खरीफ विपणन वर्ष 2023-2024 में 20 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान खरीदी का निर्णय लिया गया। पिछले वर्ष की तरह ही इस वर्ष भी एक नवंबर 2023 से धान खरीदी बैंक लिंकिंग व्यवस्था के तहत शुरू हो चुकी और 31 जनवरी 2024 तक चलेगा। इसी तरह मक्का खरीदी भी एक नवंबर 2023 से ही शुरू हो चुकी और 28 फरवरी 2024 तक चलेगी। इस वर्ष में किसानों से 125 लाख टन धान खरीदने का अनुमानित लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश में 25 लाख किसान धान बेचेंगे।

कांग्रेस-भाजपा ने किया है यह वादा

कांग्रेस ने 3,200 रुपये की दर से 20 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीदी का वादा किया है, वहीं भाजपा ने 3,100 रुपये की दर से 21 क्विंटल धान खरीदी की घोषणा की है। भाजपा ने बकाया दो साल का बोनस देने का भी वादा किया है। यही वजह है कि किसान अब तीन दिसंबर का इंतजार कर रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लाभ उठा सके।

खड़गवां वन परिक्षेत्र में गजराज का आतंक, एक की मौत

जंगलों में जारी है अवैध कटाई

ग्रामीणों ने रेंजर पर लगाया फोन नहीं उठाने का आरोप

एमसीबी खड़गवां 19 नवम्बर (देशबन्धु)। बैकुंठपुर वन मंडल अंतर्गत वन परिक्षेत्र खड़गवां के ग्राम मंगोरा में हाथी ने एक युवक की जान ले ली है।

उपरोक्त संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार खड़गवां वन परिक्षेत्र अंतर्गत गांव मंगोरा का एक युवक 17 नवंबर को जब मतदान करके घर वापस लौट रहा था तभी अचानक रास्ते में हाथी की चपेट में आ गया।यह भी जानकारी मिली है कि युवक के साथ में दो अन्य लोग भी थे, जो भाग कर अपनी जान बचाने में सफल रहे। लेकिन अमित सिंह पिता अमर सिंह नामक युवक अपनी जान नहीं बचा पाया और हाथी की चपेट में आ गया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार वन विभाग की टीम ने मृतक के परिजनों को 25000 हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की है। वहीं ग्रामीणों ने वन परिक्षेत्र अधिकारी पर आरोप लगाते हुए कहा कि रेंजर दीक्षा वर्मन को इसकी जानकारी दी गई थी परंतु जानकारी होने के बावजूद भी वह यहां पर उपस्थित नहीं थी जबकि हाथी एक दिन पूर्व से ही गांव में विचरण कर रहे थे।गांव वालों ने कहा कि यहां के लोग हमेशा दहशत में जी रहे हैं और यह भी आरोप लगाया कि कभी भी रेंजर दीक्षा वर्मन को अगर ग्रामीण किसी भी तरह की जानकारी देना चाहें तो वह फोन नहीं उठाती है, जिसके कारण यह हादसा हुआ।लोगों का यह भी कहना है कि रेंजर अर्जुन सिंह के कार्यकाल में इस तरह की कभी भी कोई घटनाएं नहीं हुई क्योंकि अर्जुन सिंह तत्काल फोन उठाते थे और रात-रात तक अपने दल बल के साथ भ्रमण भी करते थे जिससे हाथियों को समय रहते भगा दिया जाता था पर जब से रेंजर दीक्षा वर्मन आई है तब से जंगलों में पेड़ की अवैध कटाई भी बेखौफ़ होकर धड़ल्ले से जारी रहती है क्योंकि वह अपने क्षेत्र में दौरा ही नहीं करती।कई समाचार पत्रों में इस बाबत समाचार प्रकाशित कर वन विभाग के उच्च अधिकारियों का ध्यान आकर्षित भी कराया गया है, परंतु पता नहीं क्यों वन विभाग की क्या मजबूरी है कि दीक्षा वर्मन का ट्रांसफर होने के बाद भी इन्हें रोका गया है।जबकि रेंजर अर्जुन सिंह की उपस्थिति भी इस वक्त खड़गवां में ही है। पर प्रभार नही होने की वजह से वह कुछ नहीं कर सकते ऐसा लोगों का कहना है ।

रेंजर को नहीं है वनक्षेत्र के बारे में जानकारी

इस घटना के बाद गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए तत्काल वन परिक्षेत्र अधिकारी खड़गवां के ऊपर स्थानांतरण की कार्यवाही करने की मांग की है ताकि दोबारा इस तरह की घटनाएं क्षेत्र में ना हो सके क्यों कि आए दिन इस क्षेत्र में हाथियों का आना-जाना लगा रहता है इसलिए यहां इस तरह के रेंजर की ड्यूटी लगाई जाए जिसको इस क्षेत्र के बारे में जानकारी हो और जो क्षेत्र के लोगों को समय समय पर उन्हें हाथियों से बचाने में सहयोग प्रदान कर सके।

प्रत्याशी अपना लेखा खर्च का हिसाब तैयार रखें

सारंगढ़ बिलाईगढ़, 19 नवम्बर (देशबन्धु)। जिले के व्यय प्रेक्षक श्री रत्नेश कुमार सिंह ने दोनों विधानसभा सारंगढ़ और बिलाईगढ़ के 9-9 प्रत्याशी कुल 18 प्रत्याशियों को कहा है कि वे अपने लेखा खर्च का हिसाब तैयारी करें और निर्धारित अवधि तक व्यय लेखा की जानकारी प्रदान करें। उल्लेखनीय है कि जिले के प्रत्याशियों के लेखा का मिलान तीन बार किया जा चुका है।

खरसिया में तीसरे दिन व्रतियों ने डूबते हुए सूर्य को दिया अर्घ्य

नदी व तालाबों के तट पर मेला जैसा माहौल

छठमहापर्वः उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर 36 घंटे का निर्जला व्रत का होगा समापन

खरसिया 19 नवम्बर (देशबन्धु)। कैलाश शर्मा धार्मिक नगरी खरसिया में छठ पूजा का पर्व धूमधाम और उल्लास से मनाया जा रहा है खरसिया नगर में बिहार उत्तर प्रदेश और झारखंड के निवासियों की अच्छी खासी तादाद है जो कि अपने सबसे बड़े पर्व छठ पूजा को धूमधाम से मनाते हैं, खरसिया नगर अपने धार्मिक आयोजनों के लिए माना जाता है और नगर में सभी लोगों की पूजा और आस्था का बराबर सम्मान किया जाता हैं खरसिया शहर में हरियाणा के अग्रवाल एवं विप्र समाज की तादाद ज्यादा है एवं पिछले कुछ वर्षों से वह भी उत्तर भारतीयों के साथ मिलकर छठ पूजा के आयोजनों और पूजा में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता है। समाज की महिलाएं भी व्रत रखती हैं और छठ पूजा के सभी नियमों का विधि विधान से पालन करती हैं। जिससे खरसिया का सामाजिक सौहार्द देखते ही बनता है। साथ ही छठ पूजा का कार्यक्रम विशाल और भव्य हो जाता है। बताते चलें कि %छठ% हिंदू धर्म का महत्वपूर्ण पर्व है इस व्रत को संतान की लंबी आयु, पति के स्वस्थ जीवन और घर-परिवार के सुख-सौभाग्य की कामना के लिए रखा जाता है। चार दिवसीय छठ महापर्व का आज तीसरा दिन है आज रविवार, 19 नवंबर 2023 छठ व्रतधारी डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दे रहे हैं जिसे संध्या अर्घ्य कहा जाता है।

सबसे कठिन व्रत

पंचांग के अनुसार, लोकआस्था का महापर्व छठ कार्तिक शुक्ल की चतुर्थी तिथि से सप्तमी तिथि तक मनाया जाता है। इस साल छठ पर्व 17-2 नवंबर 223 तक है आज षष्ठी तिथि पर 19 नवंबर को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया गया और 2 नवंबर को सुबह इस ठंड के मौसम में भी कमर तक पानी में खड़े होकर उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देते हुए छठ व्रत संपन्न होगा। छठ पर्व पर व्रती पूरे 36 घंटे का निर्जला व्रत रखती है और कठोर नियमों का पालन भी करती है, इसलिए छठ को सबसे कठिन व्रतों में एक माना गया है, वैसे तो छठ देशभर में मनाया जाता है, लेकिन विशेषकर बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में इसकी धूम देखने को मिलती है। आज छठ व्रत का तीसरा दिन है और संध्या अर्घ्य दिया गया छठ पूजा में सही समय पर ही सूर्य देव को अर्घ्य देने से व्रत का फल मिलता है इसलिए आज सूर्य देव को समय पर ही संध्या अर्घ्य दिया गया।

स्ट्रांग रूम में तैनात सीआईएसएफ के जवान

सारंगढ़ बिलाईगढ़,19 नवम्बर (देशबन्धु)। कलेक्टोरेट सारंगढ़ के बाजू मंडी परिसर के स्ट्रांग रूमों में जमा विधानसभा 17-सारंगढ़ और बिलाईगढ़ विधानसभा 43 के डाकमत पत्र, ईव्हीएम और व्हीव्हीपैट मशीन की सुरक्षा गृह मंत्रालय भारत सरकार के अधीन केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के बटालियन द्वारा किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देश अनुसार सीआईएसएफ के इस बटालियन के सुरक्षा जवानों का खाना-पीना, निवास, शौचालय आदि का कैम्प व्यवस्था मंडी परिसर में ही किया गया है। मंडी परिसर के स्ट्रांग रूम से लेकर मंडी के सभी कोनों में सुरक्षा बैरक बनाया गया है। मंडी परिसर के सभी दिशाओं का सुरक्षा बैरक से जवानों द्वारा पाली-पाली कर 24 घंटे जवान ड्यूटी कर रहे हैं। इसके साथ-साथ मंडी परिसर में सीसीटीवी कैमरा से भी सुरक्षा निगरानी की जा रही है।

रेणुका नदी में छठव्रतियों ने की पूजा अर्चना

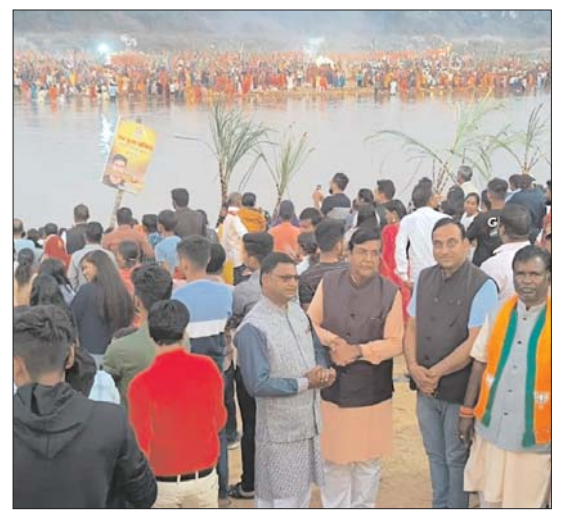

सूरजपुर। छठ पूजा के महापर्व पर व्रतधारी महिलाओं ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। रेणुका नदी के तट पर छठ पर्व मनाने बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।इस मौके पर वहां का वृहंगम दृश्य देखते ही बन रहा था कल सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के पश्चात यह महापर्व संपन्न होगा।

झांसी मंदिर घाट में महिलाओं की उमड़ी भीड़

सारंगढ़ 19 नवम्बर (देशबन्धु)। छठ पर्व की शुरुआत हो चुकी है। इसी क्रम में आज सारंगढ़ में चार दिन तक चलने वाले इस पर्व में सुहागन महिलाएं पहले दिन नहाय खाय, दूसरे दिन खरना और अन्य दो दिनों में छठ पूजा की जाती है। लोक आस्था के महापर्व छठ का तीसरा दिन है। सूर्यास्त के समय सूर्य देवता को शाम का अर्घ्य दिया गया । छठ पूजा की शुरुआत 17 नवंबर से हो चुकी है। इसी क्रम में झांसी मंदिर घाट जिसे छठ घाट भी कहते हैं में रविवार शाम को डूबते सुरज की अर्घ्य पूजा किया गया वहीं 20 नवंबर की सुबह उगते सूर्य देव को अर्घ्य देकर व्रती अपने पूजा का पारण करेंगे। हिंदू धर्म में छठ पर्व बेहद पवित्र और शुभ माना जाता है। इसमें सूर्य देव के साथ छठी मैया की भी पूजा की जाती है। चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में कई तरह के प्रसाद बनते हैं। कल खरना के बाद से 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो चुका है, जिसका समापन 20 नवंबर को अर्घ्य देने के बाद होगा।

18 वर्ष की नौकरी या रिटायरमेंट से 5 साल पहले नहीं हुआ सत्यापन तो कार्यालय प्रमुख होंगे जिम्मेदार

रायपुर, 19 नवंबर (देशबन्धु)। डीओपीटी द्वारा सेवा सत्यापन को लेकर मौजूद वैधानिक प्रावधानों के तहत बार.बार मंत्रालयों विभागों को सूचित किया जा रहा है फिर भी यह देखा गया है कि इन नियमों के तहत आवश्यक अर्हक सेवा सत्यापन से कर्मचारी को हमेशा सूचित नहीं किया जाता है। केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों में कार्यरत कर्मचारियों की 18 वर्ष की सेवा पूरी होने के बाद और उनकी सेवानिवृत्ति से पांच साल पहले अर्हक सेवा का आवधिक सत्यापन कराना अनिवार्य होगा। इस बाबत प्रत्येक वर्ष 31 जनवरी तक प्रशासनिक मंत्रालय विभाग के सचिव को एक रिपोर्ट सौंपी जाएगी। उसमें सरकारी कर्मचारियों के सेवा सत्यापन से जुड़ा विवरण रहेगा। सेवा सत्यापन को समय पर कराने की जिम्मेदारी कार्यालय प्रमुख को सौंपी गई है। नियमानुसार अगर किसी कर्मचारी का सेवा सत्यापन नहीं हो रहा है या गलत हो रहा है तो उसके लिए संबंधित कार्यालय अध्यक्ष को व्यक्तिगत तौर पर जिम्मेदार माना जाएगा। भारत सरकार के कार्मिकए लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय के पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग द्वारा जारी परिपत्र में कहा गया है कि सभी केंद्रीय कर्मियों का सेवा सत्यापन होना जरूरी है। केंद्रीय सिविल सेवा पेंशनद्ध नियम 2021 के नियम 30 के उप.नियम 1 में प्रावधान है कि एक सरकारी कर्मचारी जिसने अठारह वर्ष की सेवा पूरी कर ली है या उसके रिटायरमेट में पाच साल बचे हो तो संबंधित विभाग के सचिव को उस कर्मी की सेवा सत्यापन रिपोर्ट भेजी जाएगी। इस मामले में कार्यालय प्रमुखए लेखा अधिकारी के परामर्श से और उस समय लागू नियमों के अनुसार सत्यापन रिपोर्ट तैयार करेंगे। नियमों में यह प्रावधान है कि प्रत्येक वर्ष 31 जनवरी तक प्रशासनिक मंत्रालय विभाग के सचिव को उक्त रिपोर्ट सौंपी जाएगी। उसमें ऐसे सरकारी कर्मचारियों का विवरण दिया जाएगा जिन्हें पिछले कैलेंडर ईयर के दौरान अर्हक सेवा का प्रमाण पत्र जारी करने की आवश्यकता थी। उप.नियम 1 के अनुसार उन सरकारी सेवकों का विवरण एकत्रित कर तय अवधि के दौरान वास्तव में उनका सेवा सत्यापन प्रमाण पत्र जारी किया गया है या नहींए ये बात रिपोर्ट में शामिल होगी। अगर किन्ही मामलों में उक्त प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया है तो उसका कारण बताना होगा। डीओपीटी द्वारा सेवा सत्यापन को लेकर मौजूद वैधानिक प्रावधानों के तहत बार.बार मंत्रालयोंध्विभागों को सूचित किया जा रहा हैए फिर भी यह देखा गया है कि इन नियमों के तहत आवश्यक सेवा सत्यापन से कर्मचारी को हमेशा सूचित नहीं किया जाता है। डीओपीटी ने अब सभी मंत्रालयो ंविभागों से अनुरोध किया है कि वे उक्त प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन करे। सभी विभागों में कार्यालय प्रमुखों के सज्ञान में उक्त प्रावधानों को लाया जाए।

हर परिस्थिति में खुश रहने के लिए मन का शक्तिशाली होना आवश्यक- विद्या दीदी

ब्रह्माकुमारीज़ संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भारी संख्या में बच्चों ने लिया हिस्सा

अम्बिकापुर 19 नवम्बर (देशबन्धु)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय नव विश्व भवन चोपड़ापारा में बीते दिनों चमत्कार मेरे विचारों का विषय पर बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों को तिलक, बैज, गुलाब फूल देकर एवं दीपप्रज्जवलित कर किया गया। बाल दिवस के शुभ अवसर पर सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्रह्माकुमारी विद्या दीदी बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ाते हुये कहा कि जैसे गुलाब का फूल काँटों के बीच रहते हुये भी खिला रहता है, जिससे हम सभी को प्रेरणा मिलती है, कि संसार में कैसी भी परिस्थिति हो, दुःख हो लेकिन हमें भी इन सभी का सामना करते हुये भी खुश रहना है और हमारा मन खुश तभी रह सकता है जब मन शक्तिशाली होगा। मन को शक्तिशाली बनाने के लिये मन को बाहरी बातों से हटाकर अपने काम पर ध्यान लगाने की आवश्यकता है।

क्योकि मन जब सकारात्मक सोचता है, तो मन के अन्दर ऊर्जा आती है। आगे उन्होंने बच्चों के मन की एकाग्रता की शक्ति को बढ़ाने के लिये एक्टिविटी कराते हुये लक्ष्य प्राप्ति की विधि बताते हुये कहा कि बच्चों आप सभी को अच्छे नम्बर लाने से पहले आप सभी को एक अच्छा इन्सान बनना होगा और अच्छा इंसान बनने के लिये जीवन में कुछ बातों को सदा ध्यान में रखना होगा जैसे अच्छे बच्चों का संग रखना होगा क्योंकि एक व्यक्ति का पहचान उसके संगति से ही आंका जाता है, और अच्छे पुस्तकों का अध्ययन करना होगा, तथा लक्ष्य प्राप्ति के लिये अपने शौक को और अन्य लोगों के निरूत्साहित करने वाले बातों का त्याग कर, अपने मन का ही सुनना होगा। साथ ही साथ कड़ी मेहनत, लगन और एकाग्रता की शक्ति को बढ़ाकर अपने लक्ष्य को प्राप्त करना ही ऐसा दृढ़ संकल्प करना होगा एवं रोज 5 मिनट सुबह-शाम मेड़िटेशन करें तथा देर रात तक पढ़ने के बजाये सुबह जल्दी उठकर पढ़ने से कम समय में ज्यादा पढ़ाई करेंगे और याददाश्त शक्ति भी बढ़ेगा जिससे निश्चित रूप से सफलता प्राप्त होगा। कार्यक्रम के अंत में राजयोग मेडिटेशन का आभ्यास कॉमेन्ट्री के माध्यम से कराया। सभी बच्चों ने शांति की अनुभूति की। चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी के डायरेक्टर भ्राता श्री मंगल पाण्डे जी ने बच्चों को सम्बोधित करते हुये बच्चों के अधिकार एवं जरूरतों पर ध्यान खिंचवाते हुये कहा कि आज वर्तमान समय बच्चों की संगति मोबाइल से बहुत ज्यादा हो चुका है। मोबाइल को चलाना उसके बारे में जानना अच्छी बात है, लेकिन पूरे दिन मोबाइल पर लगे रहने से एवं देखने स्वास्थ्य खराब हो रहा जिसके कारण बच्चों की याददाश्त शक्ति और एकाग्रता की शक्ति दोनों में बहुत ज्यादा गिरावट नजर आ रही है, जो एक चिंता का विषय बनता जा रहा है। इसलिये सभी बच्चों को अपने लक्ष्य के प्रति जागरूक होकर अन्य चीजों को छोड़कर अपने पढ़ाई के प्रति ध्यान देना चाहिये।

छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान के डायरेक्टर भ्राता अनिल मिश्रा जी ने कहा कि जो जिम्मेदार नागरिक है, उन्हें अपने बच्चों के अलावा जरूरतमंद बच्चों पर भी ध्यान रखना चाहिये। उनके जरूरतों को पूरा करना हम सभी का कर्त्तव्य है।समाजिक कार्यकर्ता बहन वन्दना दत्ता जी बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुये कहा कि आज के बच्चे कल के कर्णधार है, कल के भविष्य है इसलिये बच्चों को पढ़ाई को बोझ समझकर नहीं पढ़ना है बल्कि कहानी के रूप में या फिर रूचिकर तरीके से पढ़ेगे तो जल्दी याद होगा और आप सभी अच्छे नम्बर से पास होगें। आगे उन्होंने कहा कि आप बच्चें संसार, समाज में एक-दूसरे का सहारा बनने की कोशिश अभी से करिये और सभी का सहयोग करने की भावना अपने अन्दर विकसित करें तो आप सभी का उन्नति जरूर होगा।

सरस्वती शिशु मन्दिर की प्राचार्या बहन मीरा साहू जी ने बच्चों के अन्दर की छिपी प्रतिभाओं को वाद संवाद के रूप में उभारने की कोशिश की। आगे उन्होंने बच्चों को एक्टिविटीज एवं प्रैक्टिकल घटनों के माध्यम से समझाते हुये कहा कि आप सभी बच्चो को डॉक्टर, इंजीनियर, वकील बनने से पहले अपने माता- पिता के लिये एक अच्छा, आदर्श बेटा बनिये, गुरू के लिये एक अच्छे शिष्य बनने के साथ- साथ एक अच्छा इंसान बनने की आवश्यकता है।

सरस्वती शिशु मन्दिर के प्रधानापाठक बहन सुप्रिया ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं दी। अदिति, मनिकानिका ने हम परमपिता के बच्चे है, नन्हें- मुन्हें बच्चे तेरे मुठ्ठी में क्या है, प्रेरणादीयी गीत पर नृत्य कर सभी बच्चों के अन्दर उमंग-उत्साह भर प्रेरित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन बी. के. ममता बहन ने किया।

चौड़ीकरण हो जाने के बाद सीसी रोड पर वाहनों का कब्जा

जांजगीर, 19 नवम्बर (देशबन्धु)। कचहरी चौक से बीटीआई चौक तक सड़क के दोनों ओर मार्ग का चौड़ीकरण कराने के उद्देश्य से सीसी सड़क तो बना दी गई है लेकिन चौड़ीकरण हो जाने के बाद भी यह आवागमन के काम नहीं आ रहा है। सीसी रोड पार्किंग स्टैण्ड का काम आ रहा है जहां वाहनों का कब्जा देखा जा सकता है। अभी भी लोगों को डामरीकरण वाली सड़क ही चलने के लिए मिल रही है । अधिकांश जगहों पर दुकानों के सामने सीसी सड़क के ऊपर पूरी तरह से वाहनों का कब्जा हो जा रहा है। इतना ही नहीं शाम ढलते ही ठेले-गुमटियां भी सीसी सड़क के ऊपर ही लगाई जा रही है। सड़क चौड़ीकरण कराने के बाद जिम्मेदारों का भी इस ओर ध्यान नहीं है। ऐसे में शहरवासियों का भी कहना है कि ऐसा चौड़ीकरण कराने का क्या फायदा।

गौरतलब है कि शहर में पिछले दिनों अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई हुई थी। इसके बाद कचहरी चौक से बीटीआई चौक तक सड़क चौड़ीकरण कराने का प्लान तैयार किया गया। जिला प्रशासन ने इसके लिए डीएमएफ फंड से 131 लाख रुपए की स्वीकृति भी दी। इसके बाद नपा के द्वारा ठेकेदार के माध्यम से सड़क चौड़ीकरण का काम कराया गया। दोनों ओर सीसी सड़क बनाई गई है। इससे सड़क और काफी चौड़ी तो हो गई है लेकिन स्थिति पहले की तरह जस की तस हो गई है क्योंकि सीसी सड़क के ऊपर ही वाहन पॉर्किंग किया जा रहा है तो ठेले-गुमटियां लगाई जा रही है। क्योंकि शहर में स्ट्रीट दुकान लगाने के लिए नपा आज तक वेंडिंग जोन ही नहीं बना पाई है। शाम होते ही सड़क की सड़कें ही वेंडिंग जोन बन जाती है।

सार-संक्षेप

नैला मार्ग जर्जर, जान जोखिम डालकर आवागमन कर रहे लोग

जांजगीर, 19 नवम्बर (देशबन्धु)। जिला मुख्यालय को जोड़ने वाली बलौदा से नैला जांजगीर सड़क की हालत खस्ता हो गई है। सड़क में जगह जगह जानलेवा गड्ढे हो गए हैं। वहीं बड़े बड़े ट्रेलर, हाइवा वाहनों की आवाजाही से उड़ने वाली धूल धुआं के चलते लोगो के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। इस मार्ग से आवागमन करने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर स्कूल कालेज आने जाने वाले विद्यार्थियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

इस मार्ग में ग्राम जावलपुर सहित कई जगह सड़क बड़े बड़े गड्ढों में तब्दील हो गया है। जिसके कारण लोगों को आने जाने में परेशानी हो रही है। सड़क जगह जगह जर्जर होने के कारण वाहन चालकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर छोटे चार पहिया वाहन कार, आटो और बाइक सवार जान जोखिम में डालकर सफर करते हैं। गड्ढों की वजह से वाहन के पलटने का डर बना रहता है। कलेक्टर के निर्देश के बाद भी जर्जर सड़क की मरम्मत करने विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शायद विभाग को किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार है। इस मार्ग में कोलवाशरी की बड़ी बड़ी गाड़ियां चलती है। ये गाड़ियां कोयला लेकर नैला रेलवे साइडिंग आती जाती है। इस गाड़ियों की आवाजाही से लोग परेशान तो है ही ऊपर से इस सड़क में जावलपुर के बड़े बड़े गड्ढे लोगों को अलग परेशान कर रहा है।

इन गड्ढों के चलते आए दिन लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में लोगों का जिला मुख्यालय आना जाना लगा रहता है। इस मार्ग में कोलवाशरी की बड़ी बड़ी ट्रेलर चलने से गाड़ियों से निकलने वाली धुआं और उड़ने वाली धूल से लोग परेशान हैं। सड़क में पानी छिड़काव नहीं होने से उड़ने वाले धूल के कारण लोगों के स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर पड़ रहा है। सड़क की धूल से लोग दमा सांस की बीमारी व आंखों की रोशनी पर असर पड़ रहा है। सड़क की खस्ता हाल और वाहनों के चलने से उड़ने वाले धूल, धुआं को लेकर लोगों में आक्रोश है।

जलाराम जयंती उत्सव पर निकली भव्य शोभायात्रा

कोरबा, 19 नवंबर (देशबन्धु)। श्री जलाराम सेवा समिति द्वारा जलाराम मंदिर में संत श्री जलाराम बापा का जयंती उत्सव 19 नवंबर को धूमधाम से मनाया गया। रविवार को सुबह ब्रह्म मुहूर्त में मंदिर में विराजित श्री विग्रहो का वस्त्र बदला गया जिसके दाता स्व. निर्मणा बेन जयंती भाई पटेल अग्रसेन मार्ग कोरबा रहे। सुबह 9.30 बजे जलाराम बापा का अभिषेक पूजन, अखंड दीप प्रागट्य किया गया। दोपहर में शोभायात्रा पचाण भाई शामजी भाई पटेल व नानजी भाई शामजी भाई पटेल डीवी प्रोजेक्ट लि. सीतामढ़ी के निवास स्थान से डीडीएम रोड स्थित जलाराम मंदिर तक निकाली गई। शोभा यात्रा में समाज के लोग झूमते-नाचते रहे और भक्ति गीतों का आनंद भी लिया। इसके पश्चात संयुक्त सभा, वार्षिक आय-व्यय की प्रस्तुति के बाद दाताओं का आभार व्यक्त किया गया। शाम को दैनिक पूजा-आरती पश्चात जलाराम बापा की महाआरती हुई। आरती उपरांत महाप्रसाद भंडारा भी आयोजित हुआ। महाप्रसाद भंडारा के दाता पीयूष भाई नितिन भाई राठौड़ व कल्पेश भाई नितिन भाई राठौड़ (पीयूष सीट मेकर्स) थे। शोभा यात्रा सहित सभी आयोजनों में सैकड़ों की संख्या में समाज के लोगों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

गायत्री महामंत्र से गूंजेगा दशहरा मैदान

कोरबा-छुरीकला, 19 नवंबर (देशबन्धु)। छुरीकला के दशहरा मैदान में 10 से 13 दिसंबर को गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। गायत्री परिवार छुरीकला इकाई के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम के लिए रविवार को चिन्हांकित यज्ञ स्थल में सुबह नौ बजे से भूमि पूजन किया गया। आयोजन को लेकर नगर वासियों में उल्लास देखा जा रहा है। युग निर्माण योजना के तहत जन-जन में सात्विक विचार धारा का प्रचार-प्रसार गायत्री परिवार के तत्वावधान में लगातार किया जा रहा है। विचारों को जन-जन में मूर्त रूप देने के दीप यज्ञ का का सहारा लिया जा रहा है। इसी कड़ी में छुरी नगरवासियों ने 24 कुंडीय दीप महायज्ञ आयोजन का निर्णय लिया है। यज्ञ स्थल के लिए नगर के दशहरा मैदान को चिन्हांकित किया गया है। धार्मिक आयोजन को संपन्न् कराने के गायत्री परिवार के समस्त स्वजन श्रमदान कर रहे हैं। रविवार को गायत्री मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ स्थल की पूजा की गई।

कुरियारी के 26 सौ वोटरों में से 650 ने ही किया मतदान

किसानों को सिंचाई के लिए पानी की समस्या को ले कर थे नाराज

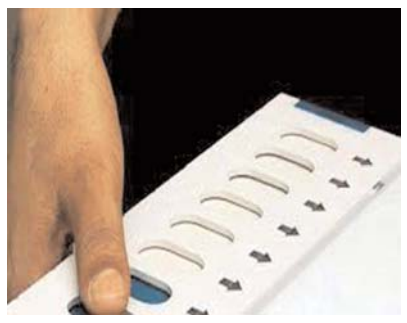

जांजगीर, 19 नवम्बर (देशबन्धु)। ग्राम पंचायत कुरियारी के ग्रामीणों ने सिंचाई सुविधा बढ़ाने की मांग को लेकर मतदान के बहिष्कार का निर्णय लिया था। ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर मांग की थी। मगर उनकी मांग पूरी नहीं हुई। शुक्रवार 17 नवंबर को मतदान के दिन ग्राम के सभी केंद्रों में सन्नाटा पसरा हुआ था। कुछ लोग मतदान करने पहुंचे तो इसे लेकर गांव में तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। जब इसकी जानकारी प्रशासन के अधिकारियों को हुई तो तहसीलदार और पुलिस के अधिकारी गांव पहुंचे और ग्रामीणों को समझाईश दी। जिसके बाद मतदान शुरू हुआ। ग्रामीणों के बहिष्कार के चलते यहां 26 सौ मतदाताओं में से लगभग 650 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस तरह यहां मात्र 25 फीसदी ही मतदान हुआ ।

पामगढ़ विधानसभा के ग्राम पंचायत कुरियारी में किसानों को सिंचाई के लिए पानी की समस्या होती है। इस समस्या को लेकर ग्रामीण कई बार जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर मांग कर चुके थे। ग्रामीणों की मांग की थी कि सेमहर दहरा नाला से लिफ्ट ऐरीगेशन के माध्यम से टेड़हा तालाब तक पानी पहुंचाया जा सके जिससे सिंचाई के लिए पानी का उपयोग किया जा सके। मगर ग्रामीणों की इस समस्या को दूर करने किसी ने ध्यान नहीं दिया। आखिर कार विधानसभा चुनाव के पहले ग्रामीणों ने जिला प्रशासन को मांग पूरी नहीं होने पर मतदान बहिष्कार करने के निर्णय से अवगत कराया था। फिर भी प्रशासन द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया गया। हालांकि इस बीच अधिकारियों ने सरपंच व ग्राम के प्रमुख लोगों को समझाईश दी मगर ग्रामीण नहीं माने। शुक्रवार 17 नवंबर को सुबह 8 बजे से गांव के केंद्रों में मतदान कराने पहुंचे अधिकारी कर्मचारी ग्रामीणों का इंतजार करते बैठे थे। मतदान केंद्र क्रमांक 170 में गिनती के ही ग्रामीण मतदान करने पहुंच रहे थे। इसे लेकर गांव में तनाव की स्थिति निर्मित होने लगी थी । जब इसकी जानकारी प्रशासन के अधिकारियों को हुई तो शिवरीनारायण तहसीलदार अश्वनी चंद्रा, थाना प्रभारी अशोक द्विवेदी बल के साथ गांव पहुंचे। उन्होंने सरपंच सहित ग्रामीणों को समझाईश दी। जिसके बाद मतदान शुरू हुआ। ग्राम पंचायत कुरियारी के सरपंच किशारे कुमार कश्यप ने बताया कि विलंब से मतदान शुरू होने के चलते 26 सौ मतदाताओं में से लगभग 650 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस तरह यहां लगभग 25 फीसदी ही मतदान हुआ।

ग्रामीणों को दी गई समझाईश

ग्राम पंचायत कुरियारी के ग्रामीणों ने सिंचाई सुविधा की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार कर दिया था । इसकी जानकारी मिलने पर गांव पहुंचे और ग्रामीणों को समझाईश दी गई। गांव की गलियों में भ्रमण कर ग्रामीणों को मतदान के लिए प्रेरित किया गया। गांव में शांतिपूर्ण मतदान हुआ। मतदाताओं की संख्या के हिसाब से कम मतदान हुआ : अश्वनी चंद्रा, तहसीलदार शिवरीनारायण

संगवारी बुथ के मतदान दल को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया गया सम्मानित

डभरा, 19 नवम्बर (देशबन्धु)। चंद्रपुर विधानसभा 36 में मतदान दल संगवारी बुथ मतदान केन्द्र 198 डभरा में सफल मतदान कार्य कराया गया जहां संगवारी बुथ के मतदान दल के कर्मचारियों ने सर्वप्रथम सक्ति मुख्यालय पहुंचने पर एसडीएम डभरा सुश्री दिव्या अग्रवाल एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी डभरा पांडेय द्वारा खुशी जाहिर करते हुए इस पल को अपने कमरे में कैद किया तथा मत पेटी जमा होने के पश्चात कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नूपुर राशि पन्ना द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया । संगवारी मतदान केन्द्र में प्रमुख रूप से संध्या पटेल पीठासीन अधिकारी,पार्वती खूंटे मतदान अधिकारी 01,उर्लिया कुजूर मतदान अधिकारी 02, सरिता लक्ष्मी मतदान अधिकारी 03, माइक्रो ऑब्जरवेशन कृष्ण कुमार पटेल, आरक्षक सीमा सिदार, बटालियन के जवान के साथ सीसी कैमरा युक्त संगवारी मतदान केंद्र में मतदान शांति पूर्ण सम्पन्न हुआ।

4 वॉच टॉवर 64 सुरक्षा गार्ड, सीसी कैमरे की नजर में रहेगी 84 प्रत्याशियों की तकदीर

जांजगीर, 19 नवम्बर (देशबन्धु)। महीने भर की हाड़तोड़ मेहनत के बाद आखिरकार विधानसभा के 84 प्रत्याशियों की तकदीर शुक्रवार की रात तक इवीएम कैद हो गई। सभी इवीएम व वीवी पैट मशीन को जांजगीर के पॉलिटेक्निक भवन में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रखी गई है। इनकी सुरक्षा के लिए एक ओर जहां पॉलिटेक्निक भवन में चारों दिशाओं में चार वॉच टावरों का निर्माण किया गया है। वहीं एक दर्जन सीसी कैमरे भी लगाए गए हैं। इसके अलावा तीन-तीन घंटे की पालियों में 64 सुरक्षा गार्ड चौबीसों घंटे कड़ी निगरानी में पहरेदारी कर रहे हैं। शुक्रवार की रात 811 पोलिंग बूथों की इवीएम मशीन जांजगीर स्थित पॉलिटेक्निक भवन पहुंच चुकी है। मजदूरों के माध्यम से सील पैक पेटी में मशीन को ट्रक से उतारा गया और स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा गया। पॉलिटेक्निक भवन में इसके लिए स्ट्रांग रूम बनाया गया है। भवन के एक दर्जन कमरों में मशीन कर रखा गया और अफसरों के माध्यम से प्रत्याशियों के मौजूदगी में सील किया गया। जिसकी सुरक्षा के लिए बीएसएफ की एक कंपनी वेयर हाउस में मुस्तैद की गई। कंपनी के 64 जवान सुरक्षा की कमान सम्हाल चुके हैं। यहां सुरक्षा की इतनी चुस्त दुरूस्थ व्यवस्था की गई है कि एक पंक्षी भी पर नहीं मार सकता। बीएसफ के 5 दर्जन जवान भवन के अंदर चौबीसों घंटा गश्त कर रहे हैं। भवन के अंदर बिना अनुमति के कोई भी अधिकारी कर्मचारी नहीं जा सकता। भवन के बाहर भी अहाते के अंदर वॉच टॉवर बनाए गए हैं। जहां चौबीसों घंटे जवान हथियार से लैस होकर मुस्तैदी से डटे हैं। भवन के अंदर जाने वाले हर कर्मचारियों के पास चेक किए जा रहे हैं। उन लोगों को अंदर प्रवेश दिया जा रहा है जिनके पास निर्वाचन आयोग का स्पेशल पास है।

अखण्ड राम नाम सप्ताह यज्ञ 23 से

कलश यात्रा, देव मूर्तियों की स्थापना के साथ प्रारंभ होगा आयोजन

जांजगीर, 19 नवम्बर (देशबन्धु)। जिला मुख्यालय के पुरानी बस्ती स्थित नवनिर्मित भगत चौक में सैकड़ो वर्ष पुराने प्राचीन वट वृक्ष के नीचे मोहल्लावासियों द्वारा विगत वर्षो की भांति 62 वें वर्ष पर अखण्ड राम नाम सप्ताह यज्ञ का आयोजन आगामी 23 नवम्बर से एक दिसम्बर तक किया जायेगा। राम नाम सप्ताह यज्ञ के प्रारंभ दिवस 23 नवम्बर को भगत चौक पुरानी बस्ती संकीर्तन स्थल से कलश यात्रा कीर्तन मण्डली के साथ भगवती देवी दाई मंदिर भीमा तालाब तक निकाली जावेगी। तत्पश्चात वरूण कलश पूजन कर, कलश यात्रा संकीर्तन स्थल वापस होगी। साथ ही यज्ञ प्रारंभ हेतु देव आवाह्न, स्थापना पूजा एवं स्वास्ति वाचन के साथ देव मूर्तियों की झांकी स्थापना की जावेगी। विदित हो कि भगत चैक पुरानी बस्ती में 100 साल से अधिक प्राचीन वट वृक्ष के नीचे चबूतरे में पूरे सात दिन और सात रात राम नाम का जाप लगातार किया जाता है। वही जिले व अन्य जिलों के गांवों से कीर्तन मण्डली रामनाम की गायन करने मण्डली सहित पहुंचते है। राम नाम का रस पास करने नगर सहित आसपास के लोग बड़ी संख्या में पहुंचे हुए, जो घण्टो यज्ञ स्थल पर राम नाम का रसपास करते है। यज्ञ का समापन 30 नवम्बर को किया जावेगा और उसी शाम भव्य नगर यात्रा भी निकाली जावेगी। जहां श्रीकृष्ण राधा को पालकी में ऊठा पूरे नगर का भ्रमण कराया जावेगा। वही 1 दिसम्बर को हवन, सहस्त्र धारा, ब्राम्हाण भोज का आयोजन किया जावेगा। आयोजन की तैयारी में आयोजन समिति के संस्थापक, संरक्षक, अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष, उपाध्यक्षगण, कोषाध्यक्ष, सचिव, सहसचिव, प्रचार-प्रसार अध्यक्ष, व्यवस्थापकगण, पुराजीगण, मंच संचालन प्रभारी सहित भगत चौक के मोहल्लावसी जुटे हुए है। अखण्ड राम नाम सप्ताह यज्ञ का पूरा पूजन कार्य उपाध्याय परिवार द्वारा सम्पन्न कराया जाता है। गौरतलब है कि इस वर्ष भगत चौक में अखण्ड राम नाम सप्ताह यज्ञ को लेकर आयोजन समिति सहित पूरे भगत चौक मोहल्लेवासियों खासा उत्सा देखा जा रहा है।

कलेक्टर ने मतदाताओं, प्रेक्षकों, अधिकारियों कर्मचारियों और मीडिया का जताया आभार

जिले में हुआ शांतिपूर्ण मतदान

सक्ती, 19 नवम्बर (देशबन्धु)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने सक्ती जिले के तीनो विधानसभा क्षेत्र में शांतिपूर्ण सफल मतदान के लिए मतदाताओं, शासकीय अधिकारियों कर्मचारियों, मीडिया के प्रतिनिधियों और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जिले के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक, पुलिस प्रेक्षक, व्यय प्रेक्षक के प्रति आभार जताया है।

कलेक्टर श्रीमती पन्ना ने कहा कि प्रशासनिक तैयारियों और सुरक्षा के लिए जरुरी सभी इंतजाम करने जिला प्रशासन सहित संबंधित सभी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों ने दिन रात एक कर मेहनत की है। महिला अधिकारियों ने भी पुरुष अधिकारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मतदान की प्रक्रिया को निष्पक्ष-शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता निभाई है। उन्होंने सभी अधिकारी-कर्मचारियों को इसके लिए बधाई और शुभकामनाएं दी है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए प्रशासनिक तौर पर व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाती है, परंतु मतदान के लिए मतदाताओं को जागरुक बनाने और उन्हें मतदान केन्द्रों तक स्वर्स्फूत पहुंचकर सजगतापूर्वक वोट डालने के लिए प्रेरित करने का काम सबसे चुनौती भरा होता है। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए प्रचार प्रसार और जमीनी स्तर पर संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा कार्य किया जाता है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने जनसंपर्क विभाग को निर्वाचन संबंधी सही और सटीक जानकारी जिले के मीडिया को उपलब्ध कराने और मीडिया के प्रतिनिधियों द्वारा चुनाव कार्य से संबंधित महत्वपूर्ण सूचनाओं को अभ्यर्थियों, आमजनता तक पहुंचाने व मतदान संबंधी सभी खबरों को प्रमुख स्थान देने के लिए मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया है।

सुरक्षाकर्मियों की हत्या का दस दिन बाद भी नहीं लगा सुराग

जांजगीर, 19 नवम्बर (देशबन्धु)। सिवनी चांपा के देसी शराब दुकान के सामने सो रहे दो सुरक्षाकर्मियों की अज्ञात व्यक्ति द्वारा टांगी मारकर हत्या के मामले में दस दिन बाद भी पुलिस सुराग नहीं लगा पाई है। जबकि पुलिस पहले दिन से ही कुछ अहम सुराग हाथ लगने और आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने की बात कह रही थी। पुलिस ने शराब दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जिसमें आरोपित वारदात को अंजाम देते हुए दिख रहा है। कुछ संदेहियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ भी की। मगर इसके बाद भी आरोपियों तक पहुंचने में सफलता नहीं मिल पाई है।

जानकारी के अनुसार हथनेवरा निवासी यदुनंदन पटेल (23) और पिसौद निवासी जयकुमार सूर्यवंशी (25) एसआईएस निजी सुरक्षा कंपनी के सुरक्षाकर्मी थे। दोनों चांपा थाना क्षेत्र के ग्राम सिवनी के देसी और अंग्रेजी शराब दुकान में

कार्यरत थे और नाइट ड्यूटी करते थे। शनिवार 2 नवंबर की रात को दोनों नाइट ड्यूटी में थे और देशी शराब दुकान के सामने दोनों एक ही तखत पर सो रहे थे। नींद में सो रहे यदुनंदन पटेल और जयकुमार सूर्यवंशी के सिर पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा टांगी से वार कर हत्या कर दी गई। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत होगई। सूचना मिलने पर एसपी विजय अग्रवाल, एएसपी अनिल सोनी, चाम्पा एसडीओपी यदुमणि सिदार और थाना प्रभारी मनीष परिहार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वारदात की गंभीरता को देखते हुए फारेंसिक और डाग स्क्वायड के साथ ही फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट को भी बुलाया गया।

टीम ने घटना स्थल की बारिकी से जांच की और कुछ सैंपल लिए। पुलिस ने शव का पंचनामा किया और पीएम के लिए भेज दिया।

पुलिस अज्ञात आरोपित के विरूद्ध भादवि की धारा 302 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में जुट गई। पुलिस पहले दिन से ही कुछ अहम सुराग हाथ लगने और आरोपितों को शीघ्र गिरफ्तार करने की बात कह रही थी। पुलिस ने शराब दुकान में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जिसमें आरोपित वारदात को अंजाम देते हुए दिख रहा है। कुछ संदेहियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ भी की। मगर इसके बाद भी आरोपित तक पहुंचने में पुलिस को सफलता नहीं मिल पाई है।

देश विदेश

विफल हुआ स्पेसएक्स के स्टारशिप का दूसरा परीक्षण

वाशिंगटन। प्रसिद्ध उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के रॉकेट स्टारशिप दूसरी परीक्षण भी विफल हो गया है।

दुनिया के सबसे ताकतवर स्टारशिप को भारतीय समयानुसार शनिवार शाम करीब 6:30 बजे लॉन्च किया गया था। यह मिशन 1:30 घंटे का था। मीडया रिपोर्ट के अनुसार लॉन्चिंग के करीब 2.4 मिनट बाद सुपर हैवी बूस्टर और स्टारशिप का सेपरेशन हुआ। इसके बाद बूस्टर को वापस पृथ्वी पर लैंड करना था, लेकिन 3.2 मिनट बाद 90 किलोमीटर की ऊंचाई पर यह फट गया।

इजरायली रक्षामंत्री ने की घोषणा

दक्षिणी गजा में जमीनी कार्रवाई शुरू करेंगे इजरायली सैनिक

बीजिंग, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलांटे ने 18 नवंबर की शाम को घोषणा की कि इजरायली सेना दक्षिणी गाजा पट्टी में जमीनी अभियान शुरू करेगी। गैलांटे ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इजरायली सेना गाजा पट्टी में हमास पर गंभीर कार्रवाई जारी रखे हुए है और जल्द ही दक्षिणी गाजापट्टी में अभियान शुरू करेगी। गैलांटे ने यह भी कहा कि गाजा पट्टी में इजरायली जमीनी अभियान दूसरे चरण में प्रवेश कर गया है और हमास को भारी झटका लगा है।

हमास मीडिया कार्यालय ने 17 नवंबर को एक बयान में कहा कि फिलिस्तीन-

इजरायल संघर्ष के नए दौर की शुरुआत के बाद से, गाजापट्टी पर इजरायली सेना के हमलों में 12 हज़ार से अधिक मौतें हुई हैं और 30 हज़ार से अधिक घायल हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, संघर्ष के कारण गाजापट्टी के लगभग 16 लाख निवासियों को अपना घर छोड़कर भागना पड़ा है।

'बंधकों की रिहाई के लिए समझौते की संभावना बढ़ी'

दोहा। कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने रविवार को कहा कि फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले में इजरायली बंधकों को रिहा करने के लिए हमास और इजरायल के बीच एक समझौते की संभावना हाल के दिनों में बढ़ गई है। श्री थानी ने दोहा में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, गाजा में बंधकों और फिलिस्तीनी कैदियों को उनके परिवारों को लौटाने के लिए एक समझौते पर पहुंचने की संभावना में हमारा विश्वास हाल के दिनों में बढ़ गया है क्योंकि हम बातचीत के लक्ष्य के करीब पहुंच रहे हैं।

गजा में 61 सैनिक मारे गए : आईडीएफ

तेल अवीव। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने रविवार को कहा कि गाजा में हमास द्वारा तीन और आईडीएफ सैनिकों की हत्या कर दी गई, जिससे मारे गए सैनिकों की कुल संख्या 61 हो गई। आईडीएफ ने मारे गए तीन सैनिकों की पहचान सार्जेंट के रूप में की। मेजर (रेस) रानी ताहान, 261वीं रिजर्व ब्रिगेड की 8717वीं बटालियन के ऑपरेशंस सार्जेंट, 261वीं रिजर्व ब्रिगेड की 8717वीं बटालियन के मास्टर सेगट (रेस), और मेजर (रेस) चेन याहलोम जो आर्टिलरी कोर 8159वीं बटालियन के साथ थे। आईडीएफ ने मारे गए तीन सैनिकों की पहचान 261वीं रिजर्व ब्रिगेड की 8717वीं बटालियन के ऑपरेशंस सार्जेंट मेजर (रेस) रानी ताहान, 261वीं रिजर्व ब्रिगेड की 8717वीं बटालियन के मास्टर सेगट (रेस) और मेजर (रेस) चेन याहलोम जो आर्टिलरी कोर 8159वीं बटालियन के साथ थे। आईडीएफ ने कहा कि उसने युद्ध में काफी प्रगति की है और सेना ने हमास के मजबूत इलाकों में प्रवेश कर उत्तरी गाजा पट्टी पर कब्जा कर लिया है। इसने दक्षिणी गाजा के खान यूनिस क्षेत्र में नागरिकों को राफा सीमा की ओर जाने की चेतावनी दी क्योंकि इजरायल सुरक्षा एजेंसी (आईएसए) ने दक्षिण गाजा के खान यूनिस क्षेत्र में हमास की उपस्थिति का दावा किया है। आईडीएफ ने कहा कि गाजा से इजरायल की ओर दागी जाने वाली मिसाइलों की संख्या में कमी हमास की घटती ताकत का संकेत है।

गजा की घेराबंदी में सीमित ईंधन आपूर्ति की अनुमति देगा इजरायल

गजा। अमेरिका के दबाव में आने के बाद इजरायल की राज्य सुरक्षा कैबिनेट ने रविवार को गाजा पट्टी में ईंधन के सीमित प्रवेश की अनुमति देने के लिए मतदान किया। इजरायली मीडिया ने यह जानकारी दी। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार पैनल के अधिकांश सदस्यों ने एक छोटे युद्ध के कैबिनेट द्वारा रखे गए प्रस्ताव का समर्थन किया। इनमें प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, रक्षा मंत्री योव गैलेंट और कैबिनेट मंत्री बेनी गैंट्ज़ शामिल थे। राष्ट्रीय सुरक्षा, वित्त और परिवहन मंत्रियों ने विरोध में मतदान किया। यह घोषणा छह घंटे से अधिक की तनावपूर्ण बातचीत के बाद आई और श्री नेतन्याहू के मंत्रिमंडल के लिए नीति में बदलाव का संकेत दिया। धुर दक्षिणपंथी प्रधानमंत्री और उनके रक्षा प्रमुख ने बार-बार कहा कि जब तक फिलिस्तीनी समूह हमास ने इजरायलियों को बंधक बना रखा है, तब तक वे घिरे हुए क्षेत्र में ईंधन को प्रवेश नहीं करने देंगे। गत सात अक्टूबर को हमास के साथ संघर्ष की शुरुआत में इजरायल ने गाजा पट्टी को सभी ईंधन आपूर्ति बंद कर दी, जिससे एन्क्लेव का एकमात्र बिजली संयंत्र और जल उपचार प्रणाली के साथ-साथ अस्पताल तथा अन्य महत्वपूर्ण सुविधाएं बंद हो गईं।

सुडोकू 6381

					3		2	4
			1	4				
				9			5	7
7	3					4		5
8								3
5		4					8	2
9	1			5				
				8	2			
4	7		3					

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6381

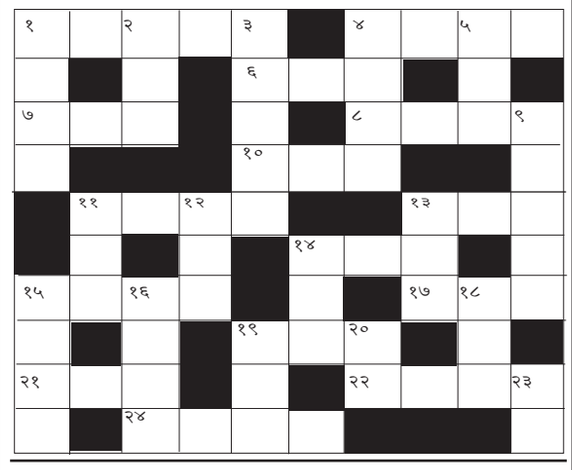

बायें से दायें:-

१. दिखाई देता हुआ
४. बहुत ही मशहूर
६. पैदायशी अंधा
७. जोड़ा, जो दो की संख्या में हो
८. नीरस, फीरा, बेमज़ा
१०. बंधन कड़ा करना, कसकर बांधना
११. कर या शुल्क का अतिरिक्त भार जो विशेष परिस्थितियों में किसी पर डाला जाए
१३. निंदा, जुगुप्सा
१४. लाल कमल, चांदी, विष्णु, कपूर
१५. जिस पर असर पड़ा हो
१७. के स्थान पर, के बदले में (उर्दू)
१९. इम्तहान, गुण-दोष, योग्यता आदि जानने के लिए किया गया काम
२१. मिलाने वाला, जोड़ने वाला
२२. राहगीरों को लूटने का काम (उर्दू)
२४. अदालत

ऊपर से नीचे:-

१. शिव, धृतराष्ट्र का एक पुत्र, दृढ़तापूर्वक अस्त्र चलाने वाला
२. श्रीकृष्ण
३. चंद्रमा
४. दोष या खराबी का दूर होना
५. सैनिक
९. जिसे नृत्य करना पसंद हो, मोर
११. हैरानी, अचरज
१२. विभक्त, भाग किया हुआ
१३. साहित्य, सम्मान (उर्दू)
१४. दस से बारह वर्ष की कन्या, कुँआरी कन्या, दुर्गा
१५. प्रतिद्वंद्वी, शत्रु, विरोधी
१६. वह विषाक्त कन्या जिसके संसर्ग करने से मृत्यु हो जाती है
१८. उचित, ठीक (उर्दू)
१९. प्रारंभ, शुरूआत
२०. जड़ी-बूटियों या खनिजों का रासायनिक विधि से बनाया गया नमक
२३. जो ऊपर न हो, अधो

वर्ग पहेली-6380

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : सोमवार 20 नवम्बर , 2023 कार्तिक शुक्ल पक्ष 7

राशिफल

मेष - उगाही एवं प्रवास के लिए आज का दिन अच्छा है। व्यापार से सम्बंधित कामों के लिए लाभदायी शुरुआत रहेगी। घर में शुभ प्रसंग का आयोजन होगा। शेयर-सट्टे में आर्थिक लाभ होगा। पत्नी के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी।

वृषभ - आज अनुकूलता और प्रतिकूलता से भरा दिन रहेगा। व्यापार में कुछ नया करने का प्रयास करेंगे। आलस्य और चिंता बनी रहेगी। स्वास्थ्य के प्रति ध्यान रखें। विरोधियों के साथ वाद-विवाद में न उतरें।

मिथुन - नेगेटिव विचारों को मन से दूर रखें। खान-पान में ध्यान रखें। वाहन चलाते समय आज बहुत सावधानी रखें। आकस्मिक धन खर्च हो सकता है। किसी कारण से बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

कर्क - स्वादिष्ट और उत्तम भोजन की प्राप्ति होने से आज मन खुश रहेगा। नए वस्त्र खरीदने की योजना बना सकते हैं। आर्थिक मामलों में आपका दिन अच्छा रहेगा। दोपहर बाद किसी बात को लेकर डिसीजन नहीं ले पाएंगे।

सिंह - आज आप व्यवसाय बढ़ाने का प्रयास करेंगे। व्यापार में धन की योजना पूरी कर पाएंगे। उचित कारणों पर धन खर्च होगा। विदेश के कामों से लाभ होने की संभावना है। आय की वृद्धि होने से धन की कमी नहीं रहेगी।

कन्या - आज का आप का दिन सुख-शांति से गुजरेगा। आभूषणों की खरीदारी करेंगे। कला और संगीत में भी आज रुचि रहेगी। व्यापार के लिए आज का दिन बहुत अच्छा दिन है। धन के मामलों में सरलता रहेगी।

तुला - आज का दिन मध्यम फलदायी है। शारीरिक ताज़गी और मानसिक प्रसन्नता का अभाव रहेगा। परिवार में उग्र वातावरण रह सकता है। सामाजिक जीवन में मानहानि का प्रसंग बन सकता है। वाणी पर कंट्रोल रखें।

वृश्चिक - आज संपत्ति के कामों में बहुत ध्यान रखना होगा। व्यापार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन अनुकूल है। भाई-बंधुओं का व्यवहार सहयोगात्मक रहेगा। विरोधी परास्त होंगे।

धनु - आज स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा। आज का दिन आध्यात्मिक प्रवृत्ति के लिए बहुत अच्छा है। आर्थिक लाभ होगा। विद्यार्थियों को पढ़ाई में अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। दोपहर के बाद स्थिति अनुकूल रहेगी।

मकर - आज धार्मिक कामों में आपकी रुचि रहेगी। व्यापार के लिए वातावरण अनुकूल रहेगा। आप के हर काम सरलता से पूरे कर सकेंगे। जीवन में भी आनंद बढ़ जाएगा।

कुंभ - धार्मिक और सामाजिक कामों के पीछे धन खर्च होगा। सम्बंधियों और मित्रों के साथ विवाद हो सकता है। वाहन चलाने या नया कोई इलाज शुरू करने में आपको सावधानी रखना होगी।

मीन - व्यापार के लिए आज का दिन लाभप्रद रहेगा। नया कोई रिश्ता भी बन सकता है। विवाह के योग्य जातकों का रिश्ता पक्का हो सकता है। प्रवास-पर्यटन होगा। मित्रों से उपहार मिलेगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

पाकिस्तान में सैन्य कार्रवाई में चार आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सेना ने शनिवार रात देश के उत्तर पश्चिम कबायली जिले उत्तरी वजीरिस्तान में एक सैन्य अभियान में चार आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने यह जानकारी दी है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा आईएसपीआर ने एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों ने शनिवार को एक खुफिया-आधारित अभियान चलाया। अभियान के दौरान खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में उत्तरी वजीरिस्तान के खैसूर इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा कर्मियों के बीच गोलीबारी हुई।

सेना ने कहा कि मारे गए आतंकवादियों में इब्राहिम उर्फ मूसा नाम का एक हाई-वैल्यू टारगेट शामिल है। यह पाकिस्तानी कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा अत्यधिक वांछित था।

आईएसपीआर ने कहा, मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए, ये लोग कई आतंकवादी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे।

आपसी विश्वास रूस-चीन के बीच सफल सहयोग का आधार : पुतिन

बीजिंग, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 17 नवंबर को 9वें सेंटपीटर्सबर्ग अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंच के पूर्ण सत्र में कहा कि रूस-चीन संबंध विश्वास के अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गए हैं, जो दोनों देशों के बीच सफल सहयोग का आधार है। पुतिन ने कहा कि रूस-चीन संबंध अभूतपूर्व ऊंचाई और गुणवत्ता पर पहुंच गए हैं, जिसमें दोनों देशों के बीच विश्वास का स्तर भी शामिल है। रूस और चीन के बीच बातचीत रचनात्मक है और वैश्विक स्थिति की स्थिरता में योगदान करती है। पुतिन ने यह भी कहा कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान और लोगों के बीच पुलों के निर्माण के बिना, रूस-चीन सर्वांगीण रणनीतिक समन्वय साझेदारी साकार नहीं किया जा सकता।

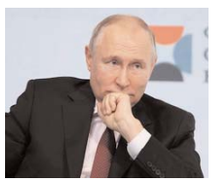

चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग हमेशा द्विपक्षीय संबंधों में संस्कृति, शिक्षा, खेल और अन्य मुद्दों को बहुत महत्व देते हैं, जो दोनों देशों के बीच आदान-प्रदान के बेहद महत्वपूर्ण घटक हैं। रूसी और चीनी लोगों को एक-दूसरे की संस्कृति में गहरी रुचि है और उन्हें विश्वास है कि 2024-2025 रूस-चीन सांस्कृतिक वर्ष सफल होगा।

अरब-इस्लामी देशों के विदेश मंत्री करेंगे चीन का दौरा

बीजिंग। अरब और इस्लामी देशों के विदेश मंत्रियों का एक प्रतिनिधिमंडल 20 से 21 नवंबर तक चीन के दौरे पर रहेगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने रविवार को कहा कि प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद, जॉर्डन के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री अयमान सफादी, मिस्र के विदेश मंत्री समेह शौकरी, इंडोनेशियाई विदेश मंत्री रेटनो मार्सुडी, फिलिस्तीनी विदेश मंत्री रियाद अल-मलिकी और इस्लामिक सहयोग संगठन के महासचिव हिसेन ब्राहिम ताहा शामिल हैं। श्री माओ ने कहा कि यात्रा के दौरान, चीन मौजूदा फिलिस्तीनी-इजरायली संघर्ष को कम करने, नागरिकों की रक्षा करने और फ़िलिस्तीनी प्रश्न का उचित समाधान खोजने के तरीकों पर प्रतिनिधिमंडल के साथ गहन संचार तथा समन्वय करेगा।

फिलीपींस में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 8 हुई

मनीला, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। फिलीपींस की आपदा एजेंसी ने जानकारी देते हुए बताया कि फिलीपींस में 6.8 तीव्रता के आए भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन परिषद ने कहा कि हताहतों की संख्या अभी भी सत्यापन के अधीन है और प्रांतीय अधिकारी लगातार आकलन कर रहे हैं। समाचार एजेंसी

सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार एजेंसी ने कहा कि दावाओ ऑक्सिडेंटल प्रांत में एक की मौत हुई, दक्षिण कोटाबेटो प्रांत में तीन की और सारंगानी प्रांत में चार की मौत हुई। भूकंप से 1,500 से अधिक लोग प्रभावित हुए। स्कूल भवन, सरकारी सुविधाएं, पुल, सड़कें और निजी प्रतिष्ठान सहित लगभग 50 घर और 70 से अधिक स्ट्रक्चर क्षतिग्रस्त हुए। एजेंसी ने कहा कि कुछ क्षतिग्रस्त सड़कें अभी भी चलने लायक नहीं हैं। अपतटीय भूकंप शुक्रवार शाम 4:14 बजे आया। दावाओ ऑक्सिडेंटल में सारंगानी शहर से लगभग 34 किमी उत्तर-पश्चिम में 72 किमी की गहराई से टकराया।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति पद के लिए मतदान

ब्यूनस आयर्स, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। अर्जेंटीना में रविवार को लगभग तीन करोड़ 80 लाख पात्र लोग सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार, अर्थव्यवस्था मंत्री सर्जियो मस्सा और धुर दक्षिणपंथी लिबर्टी एडवांस गठबंधन के उम्मीदवार जेवियर माइली के बीच चयन करने के लिए राष्ट्रपति पद के लिए मतदान करेंगे।श्री मस्सा अक्टूबर के आम चुनावों में, 36.68 प्रतिशत वोटों के साथ आगे रहे, इसके बाद श्री माइली 29.98 प्रतिशत वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार अर्जेंटीना, ब्राज़ील और मैक्सिको के बाद लैटिन अमेरिका की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। वर्ष की पहली छमाही में साल-दर-साल 1.9 प्रतिशत की आर्थिक संकुचन और वर्ष के पहले 10 महीनों में 120 प्रतिशत की संचित मुद्रास्फीति के साथ, एक कठिन आर्थिक दृष्टिकोण का सामना करना पड़ रहा है।

जापान में महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके

टोक्यो। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने कहा कि रविवार को जापान के होंशू के दक्षिण-पूर्व में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 5.0 मापी गई है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 0635 जीएमटी पर आए भूकंप का केंद्र 30.71 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 142.10 डिग्री पूर्वी देशांतर पर था। इसकी गहराई 10.0 किमी थी। हालांकि, तत्काल किसी के हताहत होने की खबर सामने नहीं आई है।

आज का इतिहास

1815-यूरोप में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए रूस, प्रशिया, आस्ट्रिया और इंग्लैंड ने गठबंधन किया।
1829-रूस के निकोलायेव और सेवेस्तोपोल क्षेत्र से यहूदियों को निकाला गया।
1866-अमेरिका के वांशिगटन में हावर्ड विश्वविद्यालय की स्थापना।
1917-कलकत्ता (अब कोलकाता) में बोस अनुसंधान संस्थान की स्थापना।
1929-मिल्खा सिंह का जन्म। भारत के ऐसे प्रसिद्ध धावक जिन्हें लोग %फ्लाइंग सिक्ख% के नाम से जानते हैं।
1942-ब्रिटिश सेना ने लीबिया की राजधानी बेनगाजी पर दोबारा क़ब्ज़ा किया।
1945-जापान का अमेरिका के समक्ष पूर्ण आत्मसमर्पण एवं द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति।
1949-इजरायल में यहूदियों की संख्या दस लाख हुई।
1955-पॉली उमरीगर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में भारत की ओर से पहला दोहरा शतक लगाया।
1968-अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।
1981-अफ्रीकी देश बुरुंडी में संविधान अंगीकार किया गया।
1985-माइक्रोसाफ्ट विंडोज 1.0 जारी हुआ।
1989-भारतीय महिला फ्रीस्टाइल पहलवान बबीता फोगाट का जन्म।
1994-अंगोला सरकार और यूनिटा विद्रोहियों के मध्य 19 वर्ष से जारी संघर्ष की समाप्ति के लिए लुसाका में शांति संधि सम्पन्न।
1997-अमेरिकी अंतरिक्ष शटल यान %कोलम्बिया% फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केन्द्र से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित।
1998-अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जारया का पहला माड्यूल जारी।

परेशानी बेमौसम बारिश और कृषि नुकसान से जूझ रहे किसान

पर्यावरणीय समस्या का सामना कर रहा गुजरात

अहमदाबाद, 19 नवंबर (एजेंसियां)। जैसे-जैसे दुनिया का ध्यान 3 नवंबर को दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में शुरू होने वाले सीओपी-28 पर गया है, गुजरात पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की कड़वी सच्चाई तेजी से स्पष्ट होती जा रही है। राज्य, जो अपनी जीवंत संस्कृति और संपन्न उद्योगों के लिए जाना जाता है, अब एक पर्यावरणीय समस्या का सामना कर रहा है जो अर्थव्यवस्था और इको सिस्टम दोनों को खतरे में डाल रहा है।जलवायु परिवर्तन ने इस गर्मी में अप्रत्याशित बारिश के माध्यम से अपनी उपस्थिति महसूस की, जो कि अनुमानित 42 डिग्री सेल्सियस की चिलचिलाती गर्मी के बिल्कुल विपरीत है। जहां शहरवासी बेमौसम बारिश से हैरान थे, वहीं गुजरात के ग्रामीण इलाकों में एक गंभीर तस्वीर सामने आई।

यहां, किसान और फल उत्पादक कठोर जलवायु परिवर्तन से जूझ रहे हैं, वे अपनी आजीविका को भारी नुकसान का सामना कर रहे हैं।गुजरात सरकार के एक हालिया सर्वेक्षण से पता चलता है कि 42,210 हेक्टेयर कृषि भूमि को 33 प्रतिशत से अधिक नुकसान हुआ है, जो हजारों करोड़ रुपये के संभावित नुकसान में बदल जाता है।जवाब में, गुजरात सरकार ने 4 मई को एक महत्वपूर्ण राहत पैकेज की घोषणा की, जिसमें भारी प्रभावित कृषि भूमि के लिए 23,000 रुपये प्रति हेक्टेयर की पेशकश की गई। यह कदम, राज्य

आपदा राहत कोष का पूरक है, जो अनियमित मौसम पैटर्न के कारण अनिश्चित भविष्य का सामना कर रहे किसानों को बहुत आवश्यक सहायता प्रदान करता है।2024 के लोकसभा चुनावों को देखते हुए, यह राहत प्रयास किसानों के लिए उतना ही वरदान है जितना चुनाव तैयारी कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए।जलवायु परिवर्तन के संकेत गुजरात के बदले हुए मौसम के पैटर्न में स्पष्ट हैं क्योंकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मार्च और अप्रैल में औसत से नीचे तापमान दर्ज किया है।

यह असामान्य ठंडक मई में बेमौसम की तीसरी बारिश के साथ मेल खाती है, जिससे राज्य में कृषि परिदृश्य और जटिल हो गया है। मार्च में पिछली बेमौसम बारिश के दौरान 30 जिलों के 198 तालुकाओं में 1 से 47 मिमी तक की महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई थी। इन चुनौतियों के बावजूद, राज्य सरकार की प्रतिक्रिया सक्रिय रही है। मार्च, 2023 में राज्य के 32 में से 15 जिलों में एक सर्वेक्षण में कृषि और बागवानी दोनों फसलों को व्यापक नुकसान हुआ। इन पर्यावरण और कृषि संकटों के बीच, जनवरी 2023 में गुजरात जिला अदालत से एक अनोखा परिप्रेक्ष्य सामने आया। तापी जिला अदालत के प्रधान जिला न्यायाधीश समीर विनोदचंद्र व्यास ने गोहत्या के लिए एक व्यक्ति को सजा सुनाते हुए इस प्रथा को जलवायु परिवर्तन से जोड़ा।

दुनिया को जानें

शिफा अस्पताल से मरीजों को दक्षिणी गाजा ले जाया जाएगा-डब्ल्यूएचओ

गजा, 19 नवम्बर (एजेंसियां)। उत्तरी गाजा के शिफा अस्पताल से मरीजों को अगले 24-72 घंटों के भीतर एन्क्लेव के दक्षिणी हिस्से में स्थित अस्पतालों में पहुंचाया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने रविवार को यह जानकारी दी। इज़रायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने शनिवार को कहा कि उसने कई लोगों को सुरक्षित मार्ग के माध्यम से शिफा अस्पताल से बाहर निकलने की अनुमति दी है, साथ ही चिकित्सा कर्मी उन मरीजों की सहायता के लिए उपलब्ध रहेंगे जो अस्पताल से बाहर निकलने में असमर्थ हैं।

डब्ल्यूएचओ एक्स पर कहा अगले 24-72 घंटों में, संघर्ष के पक्षों द्वारा सुरक्षित मार्ग की लंबित गारंटी के लिए, मरीजों को अल-शिफा से गाजा के दक्षिण में नासिर मेडिकल कॉम्प्लेक्स और यूरोपीय गाजा अस्पताल तक तत्काल पहुंचाने के लिए अतिरिक्त मिशन की व्यवस्था की जा रही है। संगठन ने कहा कि इन अस्पतालों में पहले से ही मरीजों की संख्या ज्यादा है और अब नए मरीज पहुंचने पर यह संख्या और अधिक हो जाएगी।

सुडोकू 6380 का हल

1	5	9	6	7	3	8	2	4
2	8	7	1	4	5	3	6	9
6	4	3	2	9	8	1	5	7
7	3	6	8	2	9	4	1	5
8	2	1	5	6	4	9	7	3
5	9	4	7	3	1	6	8	2
9	1	8	4	5	7	2	3	6
3	6	5	9	8	2	7	4	1
4	7	2	3	1	6	5	9	8

खेल जगत

भारतीय पावरलिफ्टर ने मास्टर्स इवेंट में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। भारत को एक प्रेरक उपलब्धि हासिल हुई है। एक 45 वर्षीय भारतीय पावरलिफ्टर ने हाल ही में आयोजित डब्ल्यूपीसी विश्व चैंपियनशिप और विश्व कप में एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है। दिल्ली के रहने वाले दलजीत सिंह ने किर्गिस्तान में हुए डब्ल्यूपीसी विश्व कप में 27 किलोग्राम डेडलिफ्ट खींचने से पहले मैनचेस्टर (यूके) में आयोजित डब्ल्यूपीसी विश्व चैंपियनशिप में 3 किलोग्राम स्क्वाट प्रदर्शन करके मास्टर्स वर्ग में अपना नाम रिकॉर्ड में दर्ज कराया है। वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग कांग्रेस (डब्ल्यूपीसी) विश्व चैंपियनशिप 31 अक्टूबर से 5 नवंबर तक आयोजित की गई थी, जबकि डब्ल्यूपीसी विश्व कप 18-19 नवंबर को आयोजित किया गया था।

विराट व केएल राहुल के अर्धशतकों के बावजूद भारत 240 पर ढेर

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 19 नवंबर (देशबन्धु)। विराट कोहली और केएल राहुल के बेहद धीमे अर्द्धशतकों और कप्तान सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की 47 रन की तूफानी पारी के बावजूद कप्तान पैट कमिंस (2/34) की अगुआई में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क(3/55) और जोश हेजलवुड (2/60) ने रफ्तार के साथ धार दिखाकर भारत को पहले बल्लेबाजी की दावत देकर उसकी पारी अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में आईसीसी वन डे क्रिकेट विश्व कप 2023 के फाइनल में एक लाख 30 हजार दर्शकों के नीले सागर की मौजूदगी में मात्र 240 रन समेट दी। अपने सभी मैच जीत कर फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम का यह मौजूदा संस्करण में दूसरा सबसे कम स्कोर है। भारत की टीम इससे पहले मौजूदा संस्करण में लखनउ में इंग्लैंड के खिलाफ 229 पर सिमट गई थी। लखनउ में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने कहर बरपा इंग्लैंड को मात्र 129 रन पर ढेर कर मैच सौ रन से जिताया था। मिचेल स्टार्क का यह तीसरा और संभवत- आखिरी वन डे विश्व कप है और इसमें उन्होंने अपने इसका समापन कुल 65 विकेट लेकर इसके इतिहास के तीसरे सबसे कामयाब गेंदबाज के रूप में किया।

कप्तान कमिंस की अगुआई में ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने बेहतरीन नियंत्रण के साथ गेंदबाजी की उसके विकेटकीपर जोश इंग्लिश ने विकेट के पीछे मुस्तैद प्रदर्शन कर पांच कैच लपके ही साथ ही ट्रेविज हेड ने ऑफ स्पिनर ग्लेन मैक्सवेल की गेंद पर भारत के भारत के कप्तान रोहित शर्मा का कवर से पीछे दौड़ते हुए कैच लपक आउट करना बेहद अहम साबित हुआ। रोहित के आउट होने के बाद विराट और केएल राहुल सहित भारतीय बल्लेबाज रनों के लिए तरस गए। सूर्य कुमार यादव (18 रन, 28 गेंद, एक चौका) पारी के 48 वें और जोश हेजलवुड के नौवें ओवर की तीसरे धीमे बाउंसर को पुल करने के विकेटकीपर जोश इंग्लिश को कैच थमा बैठे और भारत ने नौवां विकेट 226 रन पर खोया और 50 वें अंतिम ओवर की आखिरी गेंद पर मोहम्मद सिराज के रन आउट होने से पारी 240 रन पर समाप्त हुई।

विराट कोहली ((54 रन, 63गेंद , चार चौके) की दूसरे विकेट के लिए कप्तान रोहित शर्मा (47 रन, 31 गेंद, तीन छक्के, चार चौके) के साथ 46 तथा केएल राहुल (66 रन, 107 गेंद, एक चौका) के साथ चौथे विकेट के लिए 67 रन की भागीदारी के बावजूद भारत बड़ा स्कोर नहीं बना पाया। केएल राहुल पारी के 42 वें और मिचेल स्टार्क के दूसरे स्पैल के पहले आठवें ओवर में उनकी ऑफ स्टंप पर गिर कर सीधी रहती गेंद को खेलने की कोशिश में विकेटकीपर जोश इंग्लिश को कैच थमाकर छठे बल्लेबाज के रूप में आउट होकर लौटे तब भारत ने अपना छठा विकेट 203 रन पर गंवा दिया। स्टार्क ने अपने अगले ओवर में मोहम्मद शमी (6) को भी विकेटकीपर जोश इंग्लिश के हाथों कराया भारत ने सातवां विकेट 44 वें ओवर में 211 रन गंवा दिया और इससे उसकी सम्मानजनक स्कोर खड़ा करने की उम्मीदों पर पानी फिर गया और जसप्रीत बुमराह(1) लेग एडम जम्पा के आखिरी ओवर में उनकी आफ स्टंप पर गिर कर भीतर आती गेंद को चूके और गेंद उनके पैड पर पड़ी और अंपायर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट किया

भारत की ओर से लगभग 16.2 ओवर में कोई भी बाउंड्री नहीं लगाई और इसके बाद केएल राहुल ने भारत की पारी के 27 वें ओवर मैक्सवेल के पांचवें ओवर की दूसरी गेंद को पैडल स्कूप कर विकेटकीपर और फाइन लेग के उपर से उड़ा अपना और टीम का पहला चौका जड़ा। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस के गेंदबाजी बदलावों और उसके क्षेत्ररक्षको के चुस्त क्षेत्ररक्षण ने विराट कोहली को संभल कर खेलने को मजबूर किया। विराट कोहली ने बेहतरीन गेंदबाजी करने वाले ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस की शार्ट कोण बनाकर भीतर आती गेंद को रक्षात्मक ढंग से खेलने की कोशिश की और गेंद उनके बल्ले का भीतर किनारा लेकर उनका ऑफ स्टंप उड़ा ले गई और नरेन्द्र मोदी स्टेडियम मोटेरा में मौजूदा सवा लाख से ज्यादा भारतीयों के नीले जनसमूह में सन्नाटा जा गया। कमिंस ने

- ■ ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टार्क ने चटकाए तीन, कमिंस व हेजलवुड ने दो-दो विकेट
- ■ ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर जोश इंग्लिश ने लपके पांच कैच

अपने छठे और पारी के 29 वें ओवर की तीसरी गेंद पर विराट को बोल्ड कर अपना दूसरा विकेट चटका उनकी और केएल राहुल की चौथे विकेट की 67 रन की भागीदारी को तोड़ा। कमिंस ने इससे पहले अपने दूसरे ओवर में श्रेयस अय्यर(4) को आउट कर पहली कामयाबी हासिल कर भारतीय बल्लेबाजों को पूरा तरह बांध कर रखा दिया था। विराट ने पारी के 26 वें एडम जम्पा के चौथे ओवर की पहली गेंद को लॉन्ग ऑफ खेल कर एक रन दौड़ कर 56 गेंदों में चार चौकों की मदद से अपना अर्द्धशतक पूरा किया। केएल राहुल ने पारी के 35 वें और मिचेल स्टार्क के सातवें ओवर की पांचवीं गेंद शॉर्ट गेंद को हल्के से खेल कर एक रन दौड़ कर अपना 86 गेंद खेल कर एक चौके की मदद से अपना अर्द्धशतक पूरा किया। तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने राउंड द' विकेट आकर कोण ऑफ स्टंप से बाहर निकलती गेंद पर रवींद्र जडेजा (9) को विकेटकीपर जोश इंग्लिश के हाथों लपकवा कर भारत का स्कोर 36वें ओवर में पांच विकेट पर 179 कर दिया। जडेजा ने आउट होने से पहले केएल राहुल के साथ पांचवें विकेट के लिए30 रन की उपयोगी भागीदारी की। केएल राहुल ने लेग एडम जम्पा की गेंद को लॉन्ग ऑन पर खेल एक रन दौड़ कर 40.5 ओवर में भारत के स्कोर को पांच विकेट पर 200 रन पर पहुंचाया।

कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया से पहले बल्लेबाजी की दावत पाकर भारत की पारी का आगाज किया। रोहित ने अपने चिर परिचित दे दनादन अंदाज में भारत की पारी का आगाज किया। शुभमन गिल (4) ने बाएं हाथ के ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की शॉर्ट ऑफ लेंग्थ गेंद को पुल करने की कोशिश और मिड ऑन पर जम्पा को कैच थमा दिया। भारत ने गिल के रूप में जब पांचवें ओवर की दूसरी गेंद पर 30 रन पर पहला विकेट गंवाया तो स्टेडियम में सन्नाटा छा गया। विराट कोहली ने स्टार्क के चौथे और पारी की सातवें ओवर की शुरू की तीन गेंदों पर लगातार तीन चौके जड़े और भारत ने अपने 6.3 ओवर में अपने 50 रन पूरे किए। यह वन डे विश्व कप फाइनल में सबसे तेज किसी भी टीम द्वारा बनाए 50 रन थे। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने 6.6 ओवर में भारत के खिलाफ 2003 के विश्व कप फाइनल में 50 रन पूरे किए थे। विराट ने वाइड मिड ऑन के उपर से, अगली गेंद को बैकवर्ड पॉइंट के बीच से और फिर बेहतरीन कवर ड्राइव कर ये तीन चौके जड़े। रोहित शर्मा (47 रन, 31 गेंद, तीन छक्के, चार चौके) अपना आक्रामक अंदाज जारी रखते हुए ऑफ स्पिनर ग्लेन मैक्सवेल के दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर के लॉन्ग ऑन के उपर से उड़ा अपना तीसरा छक्का और अगली गेंद को कट कर कवर के बीच से चौका जड़ने के बाद अगली गेंद को उड़ाने की कोशिश में कवर से दौड़ते हुए ट्रेविज हेड ने बेहतरीन कैच लपका और भारत ने 76 रन पर दूसरा विकेट खो दिया। भारत ने पहले पॉवरप्ले में दो विकेट खोकर 80 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान तेज गेंदबाज पैट कमिंस के दूसरे और पारी के 11 वें ओवर की दूसरी गेंद पर ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंद पर श्रेयस अय्यर (4 रन,3 गेंद, एक चौका) ने बल्ला चलाया और गेंद उनके बल्ले का हल्का बाहरी किनारा लेकर विकेटकीपर जोश इंग्लिश के दस्तानों में चली गई और भारत अपना तीसरा तीसरा विकेट मात्र 81 रन पर गंवा कर बड़े संकट में फंस गया। भारत ने पांच गेंदों में पांच रन के भीतर ये दो विकेट गंवाए।

ट्रेंट बोल्ट के अंतर्राष्ट्रीय भविष्य पर गैरी स्टीड ने दिए अच्छे संकेत

दुबई, 19 नवंबर (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड पुरुष टीम के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने स्वीकार किया कि उन्होंने बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट के अंतर्राष्ट्रीय भविष्य के बारे में अभी तक बातचीत नहीं की है और भविष्य में उनके टीम में रहने की संभावना से इनकार नहीं किया है।

दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलने के लिए अपना केंद्रीय अनुबंध छोड़ने के बाद बोल्ट सितंबर में इंग्लैंड के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला के माध्यम से विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के लिए लौट आए ।2023 वनडे विश्व कप में न्यूजीलैंड का अभियान सेमीफाइनल चरण में समाप्त होने के बाद बोल्ट बांग्लादेश में न्यूजीलैंड की आगामी दो मैचों में शामिल नहीं है जबकि, वह अबू धाबी टी10 लीग में डेक्कन ग्लेडियेटर्स के लिए खेलेंगे।

ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने स्टीड के हवाले से कहा, ऐसा नहीं लगता कि ट्रेंट हमारे घरेलू समर में बहुत अधिक खेलेंगे। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। मुझे अभी भी उनके साथ बातचीत करने की जरूरत है।

बोल्ट इसके बाद 2024 में 19 जनवरी से 18 फरवरी तक संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले आईएलटी 20 में एमआई अमीरात के लिए खेलेंगे। आईएलटी 20 महीने के दूसरे भाग में, न्यूजीलैंड को तैयारी के लिए फरवरी 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी20 मैच भी खेलने हैं। पुरुष टी20 विश्व कप उस वर्ष 4-30 जून तक वेस्ट इंडीज और यूएसए में हो रहा है।

स्टीड ने कहा, मुझे लगता है कि इसकी पूरी संभावना है हम उसे दोबारा देखेंगे बशर्ते उसकी खेलने की इच्छा बनी रहे। मुझे लगता है कि वह अभी भी एक विश्व स्तरीय गेंदबाज है।

कोहली ने पोंटिंग को पीछे छोड़ा, रोहित ने एक संस्करण में कप्तान के रूप में सर्वाधिक रन बनाए

अहमदाबाद, 19 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के बल्लेबाज विराट कोहली रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 फाइनल के दौरान एकदिवसीय विश्व कप में सर्वाधिक रन बनाने के मामले में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए।

इसके अलावा, भारत के कप्तान रोहित शर्मा श्रीलंका के महान कुमार संगकारा को पछाड़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए। जहां कोहली ने 37 पारियों में 1744 रन बनाकर पोंटिंग को पीछे छोड़ दिया, वहीं रोहित ने 28 पारियों में 1560 रन बनाकर संगकारा को पीछे छोड़ दिया।

भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर 44 पारियों में 2278 रन के साथ शीर्ष पर हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान पोंटिंग 42 पारियों में 1743 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

इसके अलावा, रोहित ने नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पुरुष एकदिवसीय विश्व 2023 फाइनल के दौरान कप्तान के रूप में एक संस्करण में सबसे अधिक विश्व कप रन बनाने के मामले में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन को भी पीछे छोड़ दिया। रोहित ने अपने 29वें रन के साथ विलियमसन को पीछे छोड़ते हुए उनकी 578 रन की संख्या को पार कर लिया, जो 2019 संस्करण में आया था। वह 10वें ओवर में 47 रन के स्कोर पर ग्लेन मैक्सवेल की गेंद पर आउट हो गए और अपना अभियान 597 रन के साथ समाप्त किया।

इस रिपोर्ट को लिखे जाने तक, कोहली (32*) और केएल राहुल (8*) की बल्लेबाजी के साथ भारत 15 ओवर में 97-3 रन बना चुका था।

फ्री फिलिस्तीन लिखी टी-शर्ट पहनकर पिच पर आए युवक ने कोहली को गले लगाया

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच रविवार को यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के दौरान सुरक्षा में चूक देखी गई, जब फ्री फिलिस्तीन लिखी टी-शर्ट पहने एक व्यक्ति मैदान में घुस गया। भारत की पारी के चौदह ओवरों के दौरान कई युवा अप्रत्याशित रूप से पिच पर आ गए और विराट कोहली को गले लगा लिया। अहमदाबाद की अपराध शाखा सहित सुरक्षा बलों ने तुरंत हस्तक्षेप किया, घुसपैठिए को पकड़ लिया और स्टेडियम से हटा दिया। घटना के बाद खुद को ऑस्ट्रेलिया का जॉन बताने वाले व्यक्ति को चांदखेड़ा पुलिस स्टेशन ले जाया गया। हिरासत में रहते हुए उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि उनका प्राथमिक मकसद कोहली से मिलना और फिलिस्तीन के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करना था। इस बीच, भारत में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने मेन इन ब्लू का समर्थन किया और उन्हें विश्व कप जीतने के लिए शीर्ष दावेदार बताया। उन्हें स्टेडियम में गो, इंडिया! के नारे के साथ घरेलू टीम का हौसला बढ़ाते देखा गया। गार्सेटी ने सौहार्द का प्रदर्शन करते हुए 1983 की विश्व कप विजेता टीम के सदस्यों के साथ क्रिकेट खेला और केक काटकर जश्न मनाया।

सार संक्षेप

भारतीय रग्बी टीमें पेरिस ओलंपिक 224 के लिए नहीं कर सकी क्वालीफाई

ओसाका। एशिया रग्बी क्षेत्रीय क्वालीफायर 223 में भारतीय रग्बी पुरुष और महिला टीमें अपने-अपने मुकाबलों में मिली हार के कारण पेरिस 224 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहीं। जापान के ओसाका में योडोको सकुरा स्टेडियम में आज खेले गये मुकाबले में भारतीय पुरुष रग्बी टीम क्लासिफिकेशन मैच में सिंगापुर पर 12-7 से जीत के साथ सातवें स्थान पर रही। भारतीय महिला रग्बी टीम प्लेट फाइनल में कजाकिस्तान से 39- से हार गई। ओसाका से केवल शीर्ष टीम ने पेरिस 224 ओलंपिक में रग्बी के लिए क्वालीफाई किया, जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमें 224 में अंतिम ओलंपिक क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट में खेलेंगी। जापानी महिला रग्बी टीम ने फाइनल में चीन को 21-14 से हराकर पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। हांगकांग ने थाईलैंड को 12- से हराकर तीसरा स्थान पर रहा। भारतीय महिला रग्बी टीम चार-टीम पूल ई में तीसरे स्थान पर रही। टीम ने गुआम को 28-21 से हराया, लेकिन चीन ने 62- और हांगकांग ने 29-5 से हारकर भारत को प्रतियोगिता से बाहर कर दिया। ग्रुप की शीर्ष दो टीमों ने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। तीसरे स्थान पर रहे भारत ने प्लेट फाइनल में जगह बनाई जबकि गुआम ने कजाकिस्तान के खिलाफ प्लेट सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। कजाकिस्तान ने गुआम को बाहर कर दिया और फिर प्लेट फाइनल में भारत को 39- से हराया। इस बीच, एशियाई खेलों में भाग नहीं लेने वाली भारत की पुरुष रग्बी टीम को कठिन पूल ए में जापान से 5- से, चीन से 41-7 से और दक्षिण कोरिया से 43- से हार गया। हालाँकि, भारत ने सातवें स्थान के लिए सिंगापुर को 12-7 से हराया। भारतीय पुरुष और महिला रग्बी टीमों ने कभी भी ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी है।

जर्मनी ने वेनेजुएला को हरा,फीफा अंडर-17 के 16 राउंड में बनाई जगह

बर्लिन। जर्मनी ने ग्रुप एफ में अपने तीसरे मुकाबले में वेनेजुएला को 3- से हराकर फीफा अंडर-17 विश्वकप के राउंड 16 में जगह बना ली। शनिवार को जकार्ता इंटरनेशनल स्टेडियम (जेआईएस) में खेले गये इस मुकाबले में रॉबर्ट रामसाक ने प्रत्येक हाफ में एक-एक गोल किया और जबकि एरिक दा सिल्वा मोरेरा ने टीम के लिए तीसरा गोल दागा। जर्मनी 16वें राउंड में अमेरिका से मुकाबला करेगा। अंतिम 16 में प्रवेश करने वाली टीमें हैं मोरक्को, इक्काडोर, स्पेन, माली, उज्बेकिस्तान, इंग्लैंड, ब्राजील, ईरान, अर्जेंटीना, सेनेगल, जापान, फ्रांस, अमेरिका, जर्मनी, मैक्सिको और वेनेजुएला।

जोकोविच ने सेमीफाइनल में अल्काराज को हराया, फाइनल में सिनर से भिड़ंत

ट्यूरिन, 19 नवंबर (एजेंसियां)। नोवाक जोकोविच ने शनिवार देर रात एटीपी फाइनल्स में कार्लोस अल्काराज़ के साथ एक साल की तनावपूर्ण लड़ाई का बेहतरीन प्रदर्शन किया, जहां विश्व नंबर 1 ने सेमीफाइनल में 6-3, 6-2 से जीत हासिल की। सर्बियाई खिलाड़ी ने लगातार गहरे प्रहार करके अपने शक्तिशाली प्रतिद्वंद्वी को कुछ आक्रमण के अवसर दिए और प्रत्येक सेट में अल्काराज़ की सर्विस को ब्रेक करके घरेलू पसंदीदा जानिक सिनर के साथ चैंपियनशिप-मैच की भिड़ंत तय की।

अपनी जीत के साथ, सर्बियाई खिलाड़ी रिकॉर्ड सातवीं बार प्रतिष्ठित सीज़न के फाइनल में चैंपियन बनने के एक मैच के भीतर आगे बढ़ गए। 36 वर्षीय खिलाड़ी ट्यूरिन में ग्रुप प्ले में 2-1 से पिछड़ गए, जहां उसकी एकमात्र हार उनके अगले प्रतिद्वंद्वी सिनर के खिलाफ हुई। एटीपी टूर की रिपोर्ट के अनुसार, 88 मिनट की भिड़ंत के दौरान जोकोविच ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अल्काराज के साथ चार एटीपी हेडटू-हेड भिड़ंत में अपनी तीसरी जीत दर्ज की।

इस साल जोकोविच और अल्काराज की पिछली मुलाकातों में विंबलडन के फाइनल में स्पैनियार्ड की शानदार पांच सेट की जीत और सिनसिनाटी चैंपियनशिप मैच में जीत के लिए जोकोविच का मैच प्वाइंट बचाना शामिल है। 36 वर्षीय सर्ब चैंपियनशिप मैच में ग्रुप हार का बदला लेने वाला छह साल में तीसरा खिलाड़ी बनने का प्रयास करेगा। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने खिताबी मुकाबला जीतने के लिए दानिल मेदवेदेव (2021) और जोकोविच (2018) से ग्रुप हार को पलट दिया। जोकोविच ने पहले भी एक बार यह उपलब्धि हासिल की है, उन्होंने रोजर फेडरर से ग्रुप हार के बाद वापसी करते हुए 2015 का खिताब जीता था।

कांग्रेस ने इंदिरा गांधी, मनमोहन सिंह द्वारा 1983, 2011 विश्व कप विजेता टीमों के स्वागत को साझा किया

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी और मनमोहन सिंह द्वारा 1983 और 2011 विश्व कप विजेता टीमों की रिसेप्शन पार्टियों की झलकियां साझा की हैं और टीम इंडिया की रविवार को इसी तरह की जीत की कामना की।

कांग्रेस महासचिव (संचार) रमेश ने 1983 विश्व कप टीम के स्वागत समारोह में इंदिरा गांधी का लगभग दो मिनट लंबा वीडियो साझा किया और कहा, चालीस (40) साल पहले भारत ने पहली बार क्रिकेट विश्व कप जीता था। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बाद में नई दिल्ली में विजेता टीम के लिए एक स्वागत समारोह की मेजबानी की। टीम इंडिया आज एक बार फिर 1983 और 2011 को दोहराए!

एक अन्य पोस्ट में उन्होंने 2011 की भारतीय क्रिकेट टीम के राष्ट्रपति प्रतिभा सिंह पाटिल और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के स्वागत की तस्वीरें साझा कीं।

उन्होंने पोस्ट के साथ तस्वीरें संलग्न करते हुए कहा, प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा आयोजित 2011 टीम इंडिया के स्वागत समारोह की कुछ तस्वीरें साझा कर रहा हूं। भारत ने 2023 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने के लिए लगातार सभी 10 मैच जीते हैं और फ़ाइनल में पहुंची है।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढने वाले शेयर

महिंद्रा एंड महिंद्रा	4.09 प्रतिशत
पावरग्रिड	1.50 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	1.31 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	1.06 प्रतिशत
एलटी	1.00 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

हिंदुस्तान यूनिलीवर	1.56 प्रतिशत
टेक महिंद्रा	1.33 प्रतिशत
इंफोसिस	1.22 प्रतिशत
रिलायंस	1.11 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	1.00 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2500-2600
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	6450-6550
दाल चना	7450-7550
मसूर काली	7800-7900
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	10400-10500

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उबाल के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

भारतीय अर्थव्यवस्था चार ट्रिलियन डॉलर के पार

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। देश की अर्थव्यवस्था के लिहाज से आज का दिन यादगार बन गया जब भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पहली बार 4 ट्रिलियन डॉलर के पार निकल गई।

भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से अग्रसर है। भारत की जीडीपी में पिछले कुछ वर्षों में लगातार वृद्धि हुई है। 2021 में, भारत की जीडीपी 3.2 ट्रिलियन डॉलर थी, 2022 में, यह बढ़कर 3.6 ट्रिलियन डॉलर हो गई और 2023 में, यह बढ़कर 4 ट्रिलियन डॉलर हो गई। जर्मनी अभी दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जर्मनी की अर्थव्यवस्था अभी 4.28 ट्रिलियल डॉलर है।

चालू वर्ष में अब तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार में 28.1 अरब डॉलर की वृद्धि हो चुकी है।

इस बीच देश की आर्थिक तरक्की को लेकर सोशल मीडिया पर

जमकर तारीफ हो रही है। देश की इस तरक्की के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी जा रही है। सोशली मीडिया प्लेटफॉर्म पर अधिकांश यूजर कह रहे हैं कि मोदी हो तो सबकुछ मुमकिन हैं। इसके अलावा देश के दिग्गज उद्यमी, नेता और दिग्गज हस्तियां भी प्रधानमंत्री की प्रशंसा कर रही है।केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एक्स पर पोस्ट किया, भारत के लिए यह वैश्विक गौरव का क्षण है क्योंकि हमारी जीडीपी 4 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में नए भारत का उदय। नरेंद्र मोदी जी का नेतृत्व वास्तव में अद्वितीय है।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस आर्थिक तरक्करी के लिए पीएम मोदी की जमकर तारफी की है। उन्होंने एक्स पर लिखा, गतिशील, दूरदर्शी नेतृत्व ऐसा दिखता है। खूबसूरती से प्रगति कर रहा हमारा नयाभारत ऐसा ही दिखता है। मेरे साथी भारतीयों को बधाई क्योंकि हमारा राष्ट्र 4 ट्रिलियन अरब डॉलर जीडीपी के आंकड़े को पार कर गया है। आपको अधिक शक्ति, आपका अधिक सम्मान, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

क्या है जीडीपी

जीडीपी अर्थव्यवस्था की हेल्थ को ट्रैक करने के लिए उपयोग किए जाने वाले सबसे कॉमन इंडिकेटर्स में से एक है।

जीडीपी देश के भीतर एक स्पेसिफिक टाइम पीरियड में प्रोड्यूस सभी गुड्स और सर्विस की वैल्यू को रिप्रेजेंट करती है।

इसमें देश की सीमा के अंदर रहकर जो विदेशी कंपनियां प्रोडक्शन करती हैं, उन्हें भी शामिल किया जाता है।

जब इकोनॉमी हेल्दी होती है, तो आमतौर पर बेरोजगारी का लेवल कम होता है।

एक पीढ़ी में एक बार आते हैं सैम ऑल्टमैन जैसे सीईओ : विनोद खोसला

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय अमेरिकी व्यवसायी और उद्यम पूंजीपति विनोद खोसला ने ओपनएआई के अपदस्थ सीईओ सैम ऑल्टमैन की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे सीईओ एक पीढ़ी में एक बार आते हैं। उन्?होंने आगे कहा कि वह आगे जो भी करेंगे, उनकी वीसी फर्म उनका समर्थन करेगी।

ऑल्टमैन ने कथित तौर पर निवेशकों को बताया है कि वह एक नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उद्यम शुरू करने की योजना बना रहे है।

खोसला ने एक्स पर पोस्ट किया, स्पष्ट रूप से खोसला वेंचर्स ऑल्टमैन को ओपनएआई में वापस लाना चाहती है लेकिन वह आगे जो भी करेंगे उसमें उसका समर्थन किया जाएगा। खोसला ने कहा, वह एक पीढ़ी में एक बार आने वाले सीईओ हैं। वह एक ऐसे प्रेरक हैं जिनकी दुनिया पर सकारात्मक छाप अमिट और गहरी होगी। वह जहां भी हों, उनके साथ काम करना सम्मान की बात है।

रिपोर्टों के अनुसार, ओपनएआई के कुछ प्रमुख उद्यम पूंजी समर्थक बोर्ड के खिलाफ मुकदमा दायर करने पर विचार कर रहे हैं।

माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ

सत्या नडेला भी कथित तौर पर ऐसा होने के कुछ ही मिनटों बाद ऑल्टमैन के जाने के बारे में जानकर क्रोधित हैं, और ऑल्टमैन के संपर्क में हैं और उन्होंने उनका समर्थन करने का वादा किया है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओपनएआई के पूर्व सह-संस्थापक और अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन (जिन्होंने ऑल्टमैन की बर्खास्तगी के बाद कंपनी से इस्तीफा दे दिया था) के भी ऑल्टमैन के एआई उद्यम में शामिल होने की संभावना है,क्योंकि अब भारी प्रतिक्रिया के बाद कंपनी के बोर्ड के भीतर इस पर चर्चा हो रही है। सितंबर में रिपोर्टें सामने आईं कि एप्पल के पूर्व मुख्य डिजाइनर जॉनी इवे और ऑल्टमैन मिलकर एक एआई हार्डवेयर डिवाइस लॉन्च करने पर विचार कर रहे हैं, जो अमल में आने पर अपनी तरह का पहला डिवाइस होगा।

विदेशी मुद्रा भंडार 46.2 करोड़ डॉलर घटकर 59.3 अरब डॉलर पर

मुंबई 19 नवंबर (वार्ता) स्वर्ण भंडार में कमी आने से 10 नवंबर को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 46.2 करोड़ डॉलर घटकर 590.3 अरब डॉलर रह गया।

वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार दूसरे सप्ताह बढ़ता हुआ 4.7 अरब डॉलर बढ़कर 590.8 अरब डॉलर पर रहा था।

रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 10 नवंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 10.8 करोड़ डॉलर की बढ़त लेकर 522 अरब डॉलर हो गयी। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार 60.8 करोड़ डॉलर की गिरावट के साथ 45.5 अरब डॉलर पर आ गया।

आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 3.6 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 18.01 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 30 लाख डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 4.8 अरब डॉलर हो गई।

एक दशक का ताइवान एक्सीलेंस गेमिंग कप

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां) ताइवान एक्सीलेंस गेमिंग कप (टीईजीसी) 2023 ने अपनी रोमांचक 10वीं वर्षगांठ का ग्रैंड फिनाले मनाया है। भारत की सबसे लंबे समय तक चलने वाली ई-स्पोर्ट्स चैंपियनशिप अब सामान्य समारोहों की सीमाओं को पार कर एक दशक की गेमिंग उत्कृष्टता का विशाल उत्सव बन गया है। समावेशिता पहल में अग्रणी रहते हुए टीईजीसी ने इस यात्रा के दौरान प्रसिद्ध गेमिंग इनफ्लुएंसर्स को एकजुट किया और आज ताइवान के बेहतरीन गेमिंग उत्पादों का प्रदर्शन मंच बन गया है। यात्रा के इस पड़ाव पर, टीईजीसी एक ऐसा मंच है जो व्यक्तियों और समुदायों दोनों पर गेमिंग के सकारात्मक प्रभाव को स्वीकार कर उसका स्वागत करता है। गेमिंग और तंदुरुस्ती के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण के बीच संबंध को प्राथमिकता देते हुए यह मंच केवल कौशल और प्रतिस्पर्धा से आगे बढ़ता है और सक्रिय रूप से दुनिया भर के उत्साही लोगों

के बीच एक स्वस्थ एवं समावेशी जीवनशैली को प्रोत्साहित करता है।

टीईजीसी 2023 क्वालिफायर जो 28 सितंबर से 22 अक्टूबर तक आयोजित हुआ, उसमें अंतिम चैंपियंस के नियमित खिलाड़ियों को आराम दिया गया था। ग्रैंड फिनाले में, विजेता टीमों के बीच पुरस्कार वितरित किए गए, जिनमें लीगेसी ई-स्पोर्ट्स, काउंटर स्ट्राइक 2 के लिए गॉड्स रेन, कॉल ऑफ ड्यूटी मोबाइल के लिए टीडब्ल्यूओबी और गॉडलाइक ई-स्पोर्ट्स शामिल थे। इस साल की चैंपियनशिप को अग्रणी ताइवानी ब्रांडों से भी पर्याप्त समर्थन मिला, जो गेमिंग और लाइफस्टाइल उत्पादों में अपनी उत्कृष्टता के लिए जाने जाते हैं। इनमें एआईएफए, एनीज वे, एओआरयूएस, एरोमेज, साइबरपावर, डी-लिंक, डीसी मास्क, डर्मा एंजेल, जी. स्किल, इन विन, आईपीईवीओ, एमएसआई, प्रीडेटर, रिपब्लिक ऑफ गेमर्स, थर्मलटेक, टोकुयो, ट्रांसेंड, विक्टर, एक्सपीजी, ज़ोवी, ज़िक्सेल आदि शामिल हैं। ग्रैंड फिनाले कार्यक्रम में स्नैक्स और क्रुतिका जैसे गेमिंग उद्योग के लोग मौजूद थे। इस वर्ष एक उल्लेखनीय पहल के तौर पर टीईजीसी ने भारत की शीर्ष महिला गेमर्स के लिए डिजाइन की गई एक प्रतियोगिता शुरू की। इस आयोजन में दो महिला गेमर टीमों के बीच सीएस 2 का एक विशेष मैच दिखाया गया। यह प्रतियोगिता ई-स्पोर्ट्स की दुनिया में महिलाओं की उल्लेखनीय प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने के लिए समर्पित थी, जो गेमिंग समुदाय के भीतर समावेशिता और विविधता के बारे में एक मिसाल बन गई।

कच्चे तेल में गिरावट व अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में नरमी से बाजार में रहेगी तेजी

मुंबई 19 नवंबर (एजेंसियां)। महंगाई में कमी आने से निकट भविष्य में ब्याज की ऊंची दरों में कटौती की उम्मीद में हुई ज़बरदस्त लिवाली कि बदौलत बीते सप्ताह करीब डेढ़ प्रतिशत की बढ़त में रहे घरेलू शेयर बाजार में अगले सप्ताह कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में नरमी से तेजी रह सकती है।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 890.05 अंक अर्थात् 1.4 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 65794.73 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 306.45 अंक यानी 1.6 प्रतिशत उछलकर 19731.80 अंक पर रहा।

समीक्षाधीन सप्ताह दिग्गज कंपनियों की तरह बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयर भी लाभ में रहे। इससे मिडकैप 814.45 अंक अर्थात् 2.5 प्रतिशत की तेजी के साथ सप्ताहांत पर 33380.58 अंक और स्मॉलकैप 1219.87 अंक यानी 3.2 प्रतिशत मजबूत होकर 39598.63 अंक पर पहुंच गया।

विश्लेषकों के अनुसार, विश्व बाजार के सकारात्मक रूख और महंगाई के कमी आने के आंकड़ों के बीच भारतीय व्यापक आर्थिक संकेतकों से उत्साहित घरेलू बाजार ने बीते सप्ताह का अंत मजबूत रुख के साथ किया। अमेरिका, ब्रिटेन और घरेलू स्तर पर उम्मीद से कम महंगाई के आंकड़ों ने ब्याज की ऊँची दरों के दौर के समाप्त होने की उम्मीद

जगाई है। इस भावना ने बाजार में विशेषकर छोटे और मिडकैप शेयरों में तेजी आई है।

साथ ही आईटी और फार्मा जैसे निर्यात-उन्मुख क्षेत्रों के प्रति भरोसा बढ़ने से खर्च बढ़ने की उम्मीद है वहीं त्योहारी सीजन के दौरान ऑटो और रियल एस्टेट क्षेत्रों को फायदा हुआ। हालांकि सप्ताह के अंत में, असुरक्षित ऋणों के लिए जोखिम भार बढ़ाने के रिजर्व बैंक (आरबीआई) के फैसले से बैंकिंग समूह के शेयरों में बिकवाली का दबाव बढ़ा है। इसके बावजूद कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में नरमी से अगले सप्ताह बाजार में तेजी रहने की उम्मीद है।

बीते सप्ताह मंगलवार को दिवाली बलिप्रतिपदा के अवसर पर अवकाश के कारण बाजार में चार दिन ही कारोबार हुआ, जिनमें से दो दिन गिरावट और दो दिन तेजी रही। विश्व बाजार की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर हेल्थकेयर, आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और टेक समेत चौदह समूहों में हुई बिकवाली के दबाव में सोमवार को सेंसेक्स 325.58 अंक का गोता लगाकर 64933.87 अंक और निफ्टी 82 अंक टूटकर 19443.55 अंक रह गया।

महंगाई घटने से दुनिया में ब्याज की ऊंची दरों में निकट भविष्य में कटौती की उम्मीद से विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत बुधवार को सेंसेक्स 742.06 अंक की उड़ान भरकर 65675.93 अंक और निफ्टी 231.90 अंक की छलांग लगाकर 19675.45 अंक पर रहा।

विश्व बाजार की गिरावट के बावजूद स्थानीय स्तर पर आईटी, टेक, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और रियल्टी समेत सत्रह समूहों में हुई लिवाली की बदौलत गुरुवार को सेंसेक्स 306.55 अंक की तेजी के साथ 65982.48 अंक और निफ्टी 89.75 अंक चढ़कर 19765.20 अंक पर पहुंच गया।

महंगाई आंकड़ों को ध्यान में रख अगले वर्ष तक ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से विश्व बाजार में तेजी आने के बावजूद स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, बैंकिंग और तेल एवं गैस समेत सात समूहों में हुई बिकवाली के दबाव में शुक्रवार को सेंसेक्स 187.75 अंक की गिरावट लेकर 65794.73 अंक और निफ्टी 33.49 अंक उतरकर 19731.80 अंक पर आ गया।

दक्षिण कोरियाई ईवी बैटरी निर्माताओं का विकास निवेश इस वर्ष 12.5 प्रतिशत बढ़ा

सियोल, 19 नवंबर (एजेंसियां)। रविवार को जारी किए गए उद्योग के आंकड़ों से पता चला है कि इलेक्ट्रिक वाहनों की वैश्विक मांग में मंदी के बावजूद दक्षिण कोरियाई बैटरी निर्माताओं का संयुक्त अनुसंधान और विकास निवेश इस वर्ष 12 प्रतिशत के पार चला गया।

एलजी एनर्जी सॉल्यूशन लिमिटेड सैमसंग एसडीआई कंपनी और एसके ऑन कंपनी की नवीनतम त्रैमासिक रिपोर्ट के अनुसार जनवरी सितंबर की अवधि के दौरान उनका संयुक्त आरएंडडी निवेश 1.78 ट्रिलियन वॉन था, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 1.58 ट्रिलियन वॉन से 12.5 प्रतिशत अधिक था।

तीन कंपनियों में से, सैमसंग एसडीआई सबसे बड़ा आरएंडडी निवेशक था। 2023 के पहले नौ महीनों के दौरान संचयी व्यय 6.7 प्रतिशत बढ़कर 836.4 बिलियन वॉन हो गया।

एलजी एनर्जी सॉल्यूशन ने इस

वर्ष अनुसंधान एवं विकास पर 730 बिलियन वॉन खर्च किए, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 15.2 प्रतिशत की वृद्धि है। एसके ऑन का खर्च सालाना आधार पर 29.6 प्रतिशत बढ़कर 220.7 बिलियन वॉन हो गया।

स्थानीय बैटरी कंपनियां अनुसंधान एवं विकास प्रयासों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जिसमें उच्च क्षमता, उच्च सुरक्षा और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी विकसित करने के साथ-साथ मूल्य-प्रतिस्पर्धी लिथियम आयरन फॉस्फेट और कोबाल्ट-मुक्त बैटरी के विकास को बढ़ाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

आरबीआई ने रिलायंस कैपिटल के हिंदुजा समूह इकाई के अधिग्रहण को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों की तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से बीते सप्ताह खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा।

तेल-तिलहन :वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का दिसंबर वायदा सप्ताहांत पर 128 रिंगिट उबलकर 3805 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। इसी तरह दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.36 सेंट की तेजी के साथ 51.98 सेंट प्रति पौंड बोला गया। सप्ताहांत पर खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान सरसों तेल 293 रुपये, मूंगफली तेल 146 रुपये और सूरजमुखी तेल 146 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया जबकि पाम ऑयल 66 रुपये और वनस्पति तेल 66 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। वहीं, सोया रिफाइंड के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में उड़द दाल में 200 रुपये और अरहर दाल में 500 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी को छोड़कर शेष दालों के भाव में टिकाव रहा।

सप्ताहांत पर चना 6050-6150, दाल चना 7050-7150, मसूर काली 7650-7550, मूंग दाल 9500-9600, उड़द दाल 10600-10700, अरहर दाल 9000-9100 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

नाइट लाइफ व रोजगार बढ़ाने के लिए 83 व्यवसायिक प्रतिष्ठान 24 घंटे खोलने की अनुमति

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में नाइट लाइफ, आर्थिक गतिविधि और रोजगार को बढ़ावा देने के इरादे से केजरीवाल सरकार ने 83 दुकानों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को 24 घंटे संचालित करने की अनुमति दी है। सीएम ने दिल्ली के श्रम विभाग से मिले प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दी है। ये व्यवसायिक प्रतिष्ठान शॉप, कमर्शियल, रेस्टोरेंट, एस्टीब्लिशमेंट, रिटेल ट्रेड कैटेगरी की हैं। दुकान स्वामियों को दिल्ली शॉप एस्टीब्लिशमेंट एक्ट 1954 में दिए गए प्रावधानों और नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा। सरकार इन दुकानों की निगरानी भी करती रहेगी, ताकि कोई नियमों का उल्लंघन करे तो कार्रवाई की जा सके। दिल्ली सरकार के मुताबिक 24 घंटे दुकानों का संचालन करने के इच्छुक 122 लोगों ने ऑनलाइन आवेदन किया था। 29 आवेदन पत्रों में कमियां थी। जबकि, 83 आवेदन सही पाए गए।

दिल्ली सरकार के मुताबिक गर्मियों

के मौसम में रात 9 से सुबह 7 बजे तक और ठंड के मौसम में रात 8 से सुबह 8 बजे के दौरान किसी भी प्रतिष्ठान में महिला कर्मचारियों को काम करने की अनुमति नहीं होगी। दुकानों को तय समय के अंदर ही खोलना और बंद करना होगा। इसका उल्लंघन करने पर दुकान बंद कराई जा सकती है। अगर ग्राहक इंतजार कर रहे हैं तो दुकान खोलने के लिए 15 मिनट अतिरिक्त समय मिलेंगे। पिछले कुछ सालों में कुल 635 दुकानों-व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को 24 घंटे संचालित करने की अनुमति दी जा चुकी है। सीएम ने बीते अगस्त में 29 दुकानों व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को अनुमति दी थी, जिसके बाद इनकी संख्या बढ़कर 552 हो गई थी। अब 83 और दुकानों को अनुमति मिलने के बाद इनकी संख्या बढ़कर 635 हो गई है। दिल्ली सरकार ने जिन दुकानों को 24 घंटे संचालित करने की अनुमति दी है, उनमें कई कैटेगरी की दुकानें हैं। मसलन, द्वारका, माता सुंदरी, नेताजी सुभाष प्लेस, करोल बाग, सरिता विहार, कमला नगर, द्वारका, सिलेक्ट सिटी, ग्रेटर कैलाश वन में शॉप कैटेगरी की एक-एक दुकानें खुलेंगी। इसी तरह, डिफेंस कॉलोनी और आईजीआई एयरपोर्ट पर रेस्टोरेंट की एक-एक दुकान 24 घंटें खुलेंगी। राजौरी गार्डेन, ककरौला, लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन, रोशनआरा सब्जी मंडी, पीतमपुरा, चंद्रावली, ओखला इंडस्ट्रीयल एरिया व फेस दो, सेक्टर तीन रोहिणी, उद्योग नगर, धीरपुर, यमुना बैंक, पालम डाबरी, मंगोलपुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, नरायणा, बपरौला, गाजीपुर, कृष्णा नगर, नंगली, बमनोली, हौज खास, दशरतपुरी मेट्रो स्टेशन, पुश्ता करतार नगर, द्वारका, सुभाष नगर, मयूर विहार फेस एक, घिटोरनी मेट्रो स्टेशन, रोहिणी सेक्टर 19, वेलकम मेट्रो स्टेशन पर कमर्शियल की दुकानें खोलने की अनुमति दी गई है।

सार संक्षेप

उम्र बढ़ने पर और कर्ज लेते समय फाइनेंशियल प्लानिंग की समीक्षा जरूरी

नई दिल्ली। आमतौर पर साल में एक बार खासतौर पर वित्त वर्ष के अंत में या शुरुआत में अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग की समीक्षा जरूर करनी चाहिए। लेकिन इसके अलावा भी कई मौकों जैसे आमदनी में बदलाव और कर्ज लेते समय भी फाइनेंशियल प्लानिंग की समीक्षा करनी जरूरी है। यहां पांच ऐसी स्थिति बता रहे हैं जब आपको अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग की समीक्षा करनी चाहिए। आमदनी बढ़ने पर अतिरिक्त आय को ऐसे साधनों में निवेश करें जो आपके वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार हों। अपने लाइफ और हेल्थ इंश्योरेंस का कवर भी बढ़ाएं। आमदनी घटने या बंद होने पर गैर-जरूरी खर्च घटाने के अलावा पहले की गई बचत के इस्तेमाल की प्राथमिकता तय करें। शादी, बच्चे का जन्म जैसे कई आयोजन सामाजिक जीवन के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। इन आयोजनों के लिए धन कहां से आएगा, अगर कर्ज लेंगे तो उसको चुकाने के लिए क्या व्यवस्था है, इसको अपनी प्लानिंग में जोड़ना चाहिए। आपको अपने जीवनसाथी, अपने बच्चों, अपने परिवार की जरूरतों को भी प्लानिंग में जगह देने की जरूरत है। बच्चों की उच्च शिक्षा आदि के लिए कर्ज लेते समय भी फाइनेंशियल प्लानिंग की समीक्षा करें। यदि बच्चे को शिक्षा के बाद समय पर नौकरी नहीं मिलती है तो कर्ज चुकाने के लिए क्या व्यवस्था है, ऐसी स्थितियों को समीक्षा के माध्यम से फाइनेंशियल प्लानिंग में शामिल करने की जरूरत है।

फेडबैंक का आईपीओ 22 नवंबर को खुलेगा

अहमदाबाद। फेडबैंक फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 22 नवंबर को खुलकर 24 नवंबर को बंद होगा। कंपनी की ओर से शनिवार को यहां जारी बयान के अनुसार कंपनी आईपीओ में कुल 6 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों का नया इश्यू और विक्रेता शेयरधारकों के 35,161,723 इक्विटी शेयरों तक का ऑफर फॉर सेल शामिल है। एंकर निवेशक बोली की तारीख 21 नवंबर मंगलवार होगी। ऑफर सब्सक्रिप्शन के लिए 22 नवंबर बुधवार को खुलेगा और 24 नवंबर शुक्रवार को बंद होगा। ऑफर का प्राइस बैंड 133 से 14 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। बोली न्यूनतम 17 इक्विटी शेयर और उसके बाद 17 इक्विटी शेयरों के गुणकों में लगाई जा सकती है। इस ऑफर में कर्मचारियों के लिए 1 करोड़ रुपये तक का आरक्षण 1 रुपये प्रति इक्विटी शेयर की छूट पर शामिल है। कंपनी अपने व्यापार और परिसंपत्तियों की वृद्धि से उत्पन्न होने वाली कंपनी की भविष्य की पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कंपनी के टियर - ढ्ढ पूंजी आधार को बढ़ाने के लिए नए निर्गम से शुद्ध आय का उपयोग करने का प्रस्ताव करती है। इसके अलावा फ्रेश इश्यू से प्राप्त आय का एक हिस्सा ऑफर व्यय को पूरा करने के लिए उपयोग किया जाएगा।

काम में जरा भी कोताही बर्दाश्त नहीं-प्रसन्ना

सिम्स के ओएसडी निरीक्षण के लिए पहुंचे

कुछ कामों से संतुष्ट पर बदहाली अब भी बरकरार

बिलासपुर, 19 नवंबर (देशबन्धु)। सिम्स की व्यवस्था को पटरी पर लाने की कवायद चल रही है। शासन की ओर से सिम्स के ओएसडी नियुक्त किए गए आइएएस आर प्रसन्ना निरीक्षण के लिए पहुंचे। जहां फिर से अव्यवस्थाओं का जायजा लिया। जहां उन्होंने कुछ कामों से संतुष्ट हुए और कुछ की बदहाली अब भी बरकरार रहने की बात कही। उन्होंने साफ कि कब तक काम पूरा होगा और व्यवस्था में सुधार आएगा, हर हाल में सभी काम जल्द से जल्द पूरा होना चाहिए, इन काम में जरा भी कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हाई कोर्ट की फटकार के बाद ही सिम्स की व्यवस्था में सुधार लाने की कवायद की जा रही है। जांच में यह बात भी सामने आया कि जो सिम्स की कमान संभालते हैं वे ही इसके बदहाली का कारण बने हैं। इसी वजह से व्यवस्था सुधारने की जिम्मेदारी शासन स्तर के आला अधिकारियों को सौंपी गई है। शनिवार को ओएसडी आर प्रसन्ना निरीक्षण के लिए पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने सबसे पहले वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का अवलोकन किया और पूछा कि क्या अब सभी नालियों का दूषित पानी इस प्लांट से होकर गुजर रहा है, तब अधिकारियों ने बताया कि अंडरग्राउंड नालियों का ड्रेनेज सिस्टम अभी भी ठीक नहीं हो पाया है। ऐसे में उन्होंने नाराजगी जताई और कहा कि इस काम को जल्द से जल्द पूरा करें और अस्पताल भवन की किसी भी जगह में दूषित पानी नहीं बहना चाहिए। इसके बाद वे एमआरडी सेक्शन स्थित दवा काउंटर पहुंचे और मरीजों से बातचीत की, जहां उन्हें मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली।

इसमें कुछ ने बताया कि दवा मिल रही है। वहीं कुछ ने कहा कि दवा नहीं मिल रही है बाजार से लेना पड़ता है। ऐसे में उन्होंने एक बार फिर प्रबंधन के अधिकारियों से कहा कि दवा की कमी नहीं होनी चाहिए। हर हाल में हर मरीज को पूरी दवा मिलनी चाहिए। इसके बाद उन्होंने विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया और जरुरी निर्देश दिए। ओएसडी के मुताबिक अभी तक व्यवस्था सही नहीं हुआ है, इसलिए तेज गति से काम करते हुए व्यवस्था को पटरी में लाने के निर्देश दिए हैं।

बाक्स एमआरडी में छह के बजाय 10 काउंटर बनाए ओएसडी आर प्रसन्ना ने एमआरडी का जायजा लेने के दौरान कहा कि एमआरडी में अभी छह काउंटर हैं, उसे बढ़ाकर 10 काउंटर किया जाए। इसी तरह उन्होंने सभी महिला वार्ड के नीचे फ्लोर में रखने के निर्देश दिए और यह भी कहा कि सभी वार्डों का एक साथ एक ही भवन में रखे, जिससे लोगों को वार्ड में पहुंचने में परेशानियों का सामना न करना पड़े।

अब भी यह खामियां

अब तक सही नहीं हो सका है ड्रेनेज सिस्टमड्रेनेज सिस्टम को सही करने के काम में पीडब्ल्यूडी और नगर निगम जुटे हैं। लेकिन अस्पताल भवन के नीचे स्थित अंडर ग्राउंड ड्रेनेज सिस्टम जगह-जगह जाम होने की वजह से फेल हो गया है। तमाम कोशिश के बाद भी ड्रेनेज सिस्टम को सही नहीं किया जा सका है। निरीक्षण में इस पर ध्यान दिया गया तो एक बार फिर अधिकारियों को फटकार तय है।

कबाड़ का निपटान अब तक नहीं

सिम्स के अस्पताल भवन में इतना कबाड़ जमा है कि इसे निकालने में कर्मियों के पसीने छूट जा रहे हैं। अभी तक 20 ट्रक से ज्यादा कबाड़ निकल चुका है। इसके बाद भी लगातार कबाड़ निकल रहा है, जिसका सही निपटान अब तक नहीं किया जा सका है।- गंदगी अब भीसफाई कार्य पर पूरा जोर दिया गया है। ऐसे में अस्पताल भवन के गलियारे, ओपीडी, एमआरडी के साथ अन्य स्थानों पर सफाई तो नजर आ रह है। लेकिन इसके विपरीत अंदरूनी जगहों पर अभी भी गंदगी बनी हुई है।

डूबते सूरज को अर्ध्य देकर व्रतियों ने किया छठी मैया की पूजा

बिलासपुर, 19 नवंबर (देशबन्धु)। छठ पूजा हर साल कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि से छठ पर्व की शुरुआत होती है। लिहाज़ा रविवार को , डूबते सूरज को अर्ध देकर छठ पर्व के तीसरे दिन की प्रक्रिया पूरा किया तो वहीं अब सोमवार सुबह उठते सूर्य को अर्ध्य देने के साथ इस महापर्व का समापन होगा।

सूर्य की उपासना का महापर्व छठ 3 दिनों से लगातार छठ व्रती माना रहे हैं नहाए खाए के साथ शुरू हुए इस पर्व में शुद्धता का काफी ख्याल रखा जाता है यही वजह है कि इस व्रत को काफी कठिन माना जाता है 36 घंटे के निर्जला उपवास के साथ शुरू होने वाले इस कठिन व्रत के लिए उत्तर भारत में खासा उत्साह रहता है

खासतौर पर यह महा पर्व उत्तर भारत का ही माना जाता है, लेकिन अब इस पर्व ने धीरे-धीरे देश भर में लोगों को इससे जोड़ा है यही वजह है कि बिलासपुर में भी पिछले कुछ सालों में छठ पूजा की रौनक दिखाई देने लगी है बिलासपुर के तोरवा छठ घाट मैं छठ पूजा समिति के द्वारा छठ पूजा के लिए समस्त इंतजाम पूर्व से ही पूरे कर लिए गए थे तो वहीं दोपहर से ही छठ पूजा करने वाले लोगों के आने का सिलसिला शुरू हो गया था जिससे पूरा घाट एक अलग ही स्वरुप में नजर आने लगा शाम होते-होते यहां बड़ी संख्या में पूजा करने लोग पहुंचने लगे और डूबते सूर्य को अर्ध देकर सूर्य देव को अर्पित किया। तो वहीं अब सोमवार की सुबह उठने सूर्य को अर्थ देने के साथ ही चार दिवसीय इस महापर्व का समापन होगा इससे पहलेखरना के दिन सूर्योदय और सूर्यास्त का समय छठ पूजा के 4 दिनों के इस पर्व में सूर्योदय और सूर्यास्त का समय विशेष महत्व रखता है। ऐसे में खरना के दिन सूर्योदय सुबह 06 बजकर 46 मिनट पर वहीं सूर्यास्त का समय शाम 05 बजकर 26 मिनट रहा। छठ घाट पहुंचने वाले लोगों ने भी आयोजन के साथ यहां की व्यवस्था को बेहतर तो बताया लेकिन यहां जो पूजा करने वाले लोगों के लिए अव्यवस्था थी उसके प्रति थोड़ी नाराजगी भी लोगों में नजर आई तो वही पूजा के महत्व को भी लोगों ने बताया।

जाहिर तौर पर उत्तर भारत के साथ भोजपुरी समाज के लिए यहां पर्व उनके लिए साल का सबसे बड़ा पर्व होता है यही वजह है कि, दूर दराज में रहने वाले भोजपुरी समाज के लोग इस त्यौहार को महीना ने अपने घरों तक पहुंचाते हैं तो वही नजर बिलासपुर में भी पिछले कुछ समय से देखा जा रहा है और लोग स्वयं ही पर्व को सभी के साथ खुशियों के साथ मनाने यहां घाट में पहुंच रहे हैं हालांकि पहले से ही पुलिस प्रशासन के साथ समिति ने यहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे तो वही नदी में एसडीआरएफ की टीम और गोताखोर भी तैनात किए गए थे इसके अलावा यहां किसी भी प्रकार की दिक्कत छठ पूजा करने वाले लोगों को ना हो इसके लिए भी पुख्ता इंतजाम यहां किए गए थे।

23 को मनाई जाएगी देवउठनी एकादशी

पूजा का शुभ मुहूर्त, नियमों के पालन से होगा लाभ

बिलासपुर, 19 नवंबर (देशबन्धु)। दीपावली के बाद देवउठनी एकादशी का इंतजार सभी को रहता है क्योंकि देवी-देवताओं के जागरण के साथ ही सभी शुभ कार्य शुरू हो जाते हैं।

हिंदू पंचांग के मुताबिक, इस साल देवउठनी एकादशी 23 नवंबर को मनाई जाएगी। देवउठनी एकादशी दीपावली

के 11 दिन के बाद मनाई जाती है।

ऐसे करें देवउठनी एकादशी की पूजा

देवउठनी एकादशी के दिन सुबह स्नान के बाद चौकी पर भगवान विष्णु की तस्वीर स्थापित करें। भगवान विष्णु को चंदन और हल्दी कुमकुम से तिलक लगाएं। दीपक जलाने के साथ प्रसाद में तुलसी की पत्ती जरूर डालें।

इसके अलावा तुलसी पूजन के लिए तुलसी के पौधे के चारों गत्रे का तोरण बनाएं। रंगोली से अष्टदल कमल बनाएं और तुलसी के साथ आंवले का गमला लगाएं। तुलसी पूजा व आरती के बाद प्रसाद वितरण करें।

देवउठनी एकादशी का पूजा मुहूर्त

पंडित चंद्रशेखर मलतारे के मुताबिक, देवउठनी एकादशी तिथि की शुरुआत 22 नवंबर रात 11.03 मिनट पर होगी और इसका समापन 23 नवंबर रात 09.01 मिनट पर होगा। ऐसे में उदया तिथि के कारण देवउठनी एकादशी व्रत 23 नवंबर 2023 को ही मनाया जाएगा। यदि आप देवउठनी एकादशी पर व्रत रखते हैं तो पारण का समय 24 नवंबर को सुबह 6 बजे से सुबह 8.13 बजे के बीच कर सकते हैं।

देवउठनी एकादशी को लेकर पौराणिक मान्यता

पौराणिक मान्यता के मुताबिक, कार्तिक महीने में शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि देवउठनी एकादशी मनाई जाती है। यह माना जाता है कि चातुर्मास खत्म होने के बाद इस सृष्टि के संचालक भगवान विष्णु और समस्त देवी देवता जाग जाते हैं। इस चार माह में सृष्टि का संचालन भगवान शिव करते हैं। यही कारण है कि देवउठनी एकादशी में भगवान विष्णु की पूजा की जाती है।

जिले में विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने में रही पुलिस की प्रमुख भूमिका

पुलिस कड़ाई और लगातार पैट्रोलिंग की वजह से जिले में चुनाव के दिन एक भी हिंसा या वाद-विवाद की एफआईआर दर्ज के लिए नहीं मिली शिकायत

आचार संहिता दौरान 2,818 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही, 1,158 वारंट की तामिली, 19,933 लीटर अवैध शराब और पुलिस व निर्वाचन टीमों द्वारा 3.66 करोड़ कीमती कैश व सामान की जप्ती

बिलासपुर, 19 नवंबर (देशबन्धु)। जिले में विधानसभा चुनाव संपन्न शांतिपूर्वक कराने में पुलिस कर्मियों और सीएपीएफ के जवानों की प्रमुख भूमिका रही। पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह के निर्देश पर पिछले साल के कुल 3,912 की बजाय इस पूरे साल में अभूतपूर्व संख्या में अब तक 20,921 लोगों पर और आचार संहिता दौरान 2,818 लोगों पर प्रतिबंधात्मक कारवाइयां हुई। इन प्रतिबंधात्मक कार्रवाइयों से सामाजिक तत्वों और गड़बड़ी करने वाले लोगों में एक कड़ा संदेश गया कि चुनाव प्रक्रियाओं में अगर वह बदमाशी करते हैं, तो उनसे सख्ती से निपटा जाएगा। चुनाव के एक दिन पूर्व तक असामाजिक तत्वों व गुंडा बदमाशों की कड़ी निगरानी की गई और थानावार परेड निकाली गई। बहुतों के खिलाफ पुलिस द्वारा जिला बदर के प्रकरण बनाए गए और जिसमें से छह को जिला बदर किया गया और दो पर रासुका लगाकर कार्रवाई हुई। आचार संहिता दौरान 1,158 वारंटी को प्रदेश के अलग-अलग जिलों और दूसरे प्रदेशों से भी लाकर कोर्ट में पेश किया गया।

इन कार्यवाहियों का सीधा असर चुनाव के दौरान देखने को मिला, पूरे जिले में चुनाव के दिन एक भी हिंसा या वाद-विवाद के प्रकरणों में चुनाव के दिन कोई एफआईआर दर्ज नहीं हुई। लगातार पेट्रोलिंग और पुलिस टीम द्वारा शिकायत स्थल पर त्वरित पहुंचने से कही भी बड़ा विवाद नहीं हुआ।

पुलिस द्वारा चलाए जा रहे निजात अभियान जिसके तहत इस साल फ़रवरी माह से अवैध नशा विशेषकर ड्रग्स और अवैध शराब के ऊपर लगातार कार्रवाइयों से नशे के व्यापार पर अंकुश लगा, साथ ही साथ सार्वजनिक जगहों पर शराब पीकर हुडदंग करने वाले लोगों पर लगातार कार्रवाइयों से भी कड़ा संदेश गया। जबकि पूर्व में यह देखा गया कि चुनाव के दिन और उसके पूर्व ऐसे तत्व शराब सेवन कर बदमाशी करते थे, इस बार पूरी तरह से गायब दिखें। पुलिस द्वारा आचार संहिता दौरान रिकॉर्ड 19,933 लीटर और पिछले साल के 6,371 लीटर के बजाय ताबड़तोड़ कार्यवाही करते हुए इस वर्ष में अब तक 36,980 लीटर अवैध शराब जप्त जप्त कर सैकड़ों अवैध कारोबारियों को जेल भेजा हैं।

पिछले पिछले 2018 के आचार संहिता जिसमें 1,11,390 मूल्य कैश व सामान जप्त हुआ की तुलना में इस साल आचार संहिता दौरान पुलिस और निर्वाचन की टीम द्वारा रिकॉर्ड 3.66 करोड़ (1.40 करोड़ कैश व बाकी अन्य) की जप्तियां की गई।

पुलिस अधीक्षक ने शांतिपूर्वक चुनाव सम्पन्न कराने के साथ साथ इस बीच त्यवहारों और वीआईपी बंदोबस्त के दौरान अच्छी ड्यूटी हेतु सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दिया है।

पान ठेला से एक लाख 74 हजार चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर, 19 नवंबर (देशबन्धु)। प्रार्थी सोनू ठाकुर पिता अशोक ठाकुर उम्र 26 वर्ष निवासी एल.-7 विनोबा नगर तारबाहर बिलासपुर ने थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि 17 नवंबर को अपनी दुकान नव भारत प्रेस के सामने ठाकुर पान ठेला को रात्रि में बंद कर दुकान में रखे रकम 1,74,060 रू. को गल्ले में रख कर बंद कर अपने घर चला गया था। सुबह करीब 10 बजे दुकान खोला तो देखा की पीछे लगे एक्जास्ट फैन को तोड़कर कोई अज्ञात व्यक्ति दुकान के अंदर घुस कर गल्ला को कैंची से तोड़कर रखे कुल रकम 1,74,060 रू को चोरी कर ले गया था।

रिपोर्ट पर थाना तारबाहर में अपराध कमांक 381 / 23 धारा 457, 380 भादवि दर्ज कर विवेचना में लिया गया। जिले में इस तरह की अन्य घटनायें होने की सूचना पर पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) राजेन्द्र

जायसवाल, नगर पुलिस अधीक्षक (सिविल लाईन) संदीप पटेल के द्वारा तत्काल तस्दीक एवं अग्रिम कार्यवाही हेतू दिशा निर्देश देने पर थाना प्रभारी तारबाहर के नेतृत्व में टीम गठीत कर घटना स्थल के आस-पास के सीसीटीव्ही फूटेज में आरोपी से संबंधित जानकारी प्राप्त किया गया तथा आस-पास के संदिग्ध लड़कों से भी पुछताछ किया गया सीसीटीव्ही फूटेज में आरोपी की फोटो को पहचान कराने पर महेश वर्मा पिता कोमल वर्मा उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम जरवें हरदी थाना बलौदा जिला जांजगीर चांपा छ.ग. के द्वारा रात्रि में दुकान से रूपये चोरी करना स्वीकार किया है आरोपी के कब्जे से चोरी गये रकम 1,74,060रू को जप्त कर विधिवत अभिरक्षा में लिया गया।

संपूर्ण कार्यवाही में थाना तारबहार के थाना प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार चौधरी, उनि संजीव कुमार ठाकुर, आर0- राहुल राजपूत, रूपलाल चंद्रा का योगदान रहा ।

अग्नि दुर्घटना से यात्रियों के बचाव के लिए विशेष अभियान

रेलवे ने 3 दिनों में 100 से अधिक ट्रेनों की जांच की

ज्वलनशील-विस्फोटक पदार्थ लेकर यात्रा करना दण्डनीय अपराध

बिलासपुर, 19 नवंबर (देशबन्धु)। संरक्षा एवं यात्री सुरक्षा रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है । ट्रेनों में आग लगने की घटनाएं मानव जीवन एवं रेल सम्पदा के लिए सबसे गम्भीर आपदाओं में से एक है इसलिए अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान सुरक्षित यात्रा वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है । इसका मुख्य उद्देश्य यात्रियों को ट्रेनों में यात्रा के दौरान अग्नि सुरक्षा के महत्व से अवगत कराना तथा जागरूकता अभियान चलाकर आगजनी घटनाओं के जोखिम को कम करना है ।

यात्री गाडियों में किसी भी प्रकार का ज्वलनशील/विस्फोटक (गैस सिलेंडर कैरोसीन, पेट्रोल,डीजल,पटाका) सामान इत्यादि लेकर यात्रा न करे इससे बडी दुर्घटना घटित हो सकती है। साथ ही ऐसी गलती से लोगों की जान माल की नुकसान भी हो सकती है । रेल यात्रा के दौरान अपने साथ स्टेशन, प्लेटफार्म अथवा

यात्री गाडियों में ज्वलनशील/विस्फोटक सामानों को लेकर जाना धारा 164 रेल अधि. के तहत दण्डनीय अपराध है ऐसे करते पकड़े जाने पर तीन साल तक का करावास एवं जुर्माना का प्रावधान है। इसी कड़ी में सम्पूर्ण भारतीय रेलवे के साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों तथा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली गाड़ियों में विशेष अग्नि सुरक्षा अभियान चलाई जा रही है । इस अभियान के तहत वाणिज्य विभाग एवं रेलवे सुरक्षा बल द्वारा गाड़ियों के पैंट्रीकारों सहित यात्री डिब्बों में ले जाए जा रहे किसी भी प्रकार के विस्फोटक और एलपीजी सिलेंडर, केरोसिन स्टोव आदि ज्वलनशील सामानों की जाँचकर व त्वरित कार्रवाई की जा रही है । स्टेशन परिसर के चारों ओर सीसीटीवी केमरों के माध्यम से निगरानी भी रखी जा रही है । इसके साथ ही गाड़ियों में धूम्रपान पर रोक, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता तथा वैधता भी जांची जा रही है । गाड़ियों में यात्रियों को अग्निशमन यंत्रो, आपातकालीन खिड़की के प्रयोग सबंधी जानकारी प्रदान की जा रही है । इसी कड़ी में पिछले 3 दिनों में मुख्यालय एवं तीनों रेल मंडलो के वाणिज्य विभाग के अधिकारियों द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से होकर गुजरने वाली 100 से अधिक ट्रेनों की सघन जांच की गई ।

जांच के दौरान यात्रियों को ट्रेनों में यात्रा करते समय अग्नि सुरक्षा के महत्व के बारे में जानकारी प्रदान भी की जा रही है तथा यात्रियों को यात्रा के दौरान ज्वलनशील व विष्फोटक सामानों के साथ यात्रा नहीं करने के प्रति जागरूक किया जा रहा है । इसके अलावा उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से भी प्रतिबंधित सामानों को ट्रेन में नहीं ले जाने के प्रति जागरूक करने के साथ ही उनसे आग्रह किया जा रहा है । इसके साथ ही सभी टिकट चेकिंग कर्मचारियों को ड्यूटि के दौरान अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता व गाड़ियों में प्रतिबंधित सामानों की जांच करने हेतु निर्देशित किया गया है ।

इस जागरूकता एवं सघन चेकिंग अभियान के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल द्वारा 16 नवंबर तक कुल 74 मामलों में आरोपीयों पर रेल अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई । जिसमें यात्री गाडियों में यात्रियों द्वारा कैरोसीन, पेट्रोल, डीजल तथा पटाखें लेकर यात्रा करने के साथ ही पेंट्रीकार की चेकिंग के दौरान गैस सिलेंडर पाए जाने के मामले शामिल है।

NECC

20.11.2023	अंडा	मुर्गी	काकरेल
फार्म	550	83	170
चिल्हर	6.50	98	195

डिलीवरी 565 सैकड़ा
दर्जन अंडा 75 रु.
मुर्गी खाद प्रति ट्राली 1000 रू.
CSPFA

प्रकाशक मुद्रक एवं सम्पादक- राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन, प्रा.लि. के लिए पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. प्रेस में मुद्रित एवं गर्ल्स कॉलेज के पास, जरहाभाटा, बिलासपुर से प्रकाशित। प्रेस पंजीयन- 52158/91 डाक पंजीयन 112-002/2002 सी जी फोन- 07752 422771, 428159 फैक्स नं. 415188